



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 28]
No. 28]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 12, 1997/अषाढ़ 21, 1919
NEW DELHI, SATURDAY, JULY 12, 1997/ASADHA 21, 1919

इस भाग में मिला पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांख्यिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

राष्ट्रपति सचिवालय

सारणी

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1997

का.आ. 1704—केन्द्रीय सरकार सरकारी स्थान (अप्रधिकृत अधिकारियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 तथा तब के भारत के आवास एवं निर्माण मंत्रालय, की अधिसूचना सं. का.आ. 720, दिनांक 10 मार्च, 1973 के अधिनियम में धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए संपदा अधिकारी नियुक्त करती है। यह अधिकारी उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों के प्रवर्गों, के संबंध में उक्त अधिनियम के द्वारा या उसके अधीन संपदा अधिकारियों को अपने क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाओं में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और उन पर अधिरोपित वर्तव्यों का पालन करेगा।

अधिकारी पदनाम	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग, एवं क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाएं
(1)	(2)
श्री शम्भू शांडिल्य अवर सचिव (समन्वय) राष्ट्रपति सचिवालय	स्थानों में नई दिल्ली शिमला (हि. प्र.), देहरादून (उ. प्र.) एवं बोलाराम, सिकंदराबाद (आ. प्र.) समाविष्ट है

[फाईल सं. डी.-11020/1/90-ई.वी.ए]
सी. आर. सपथ कुमार, लैफ्टिनेंट जनरल
राष्ट्रपति के सैन्य सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 7th July, 1997

S.O. 1704.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of unauthorised Occupants) Act, 1971 and in supersession of the then Government of India in the Ministry of Works and Housing Notification No. S.O. 720 dated the 10th March, 1973, the Central Government hereby appoints the Officer mentioned in column I of the table below being a gazetted officer of the Government to be state Officer for the purposes of the said Act who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on Estate Officer by or under the said Act within local limits of his respective jurisdiction in respect of the public premises specified in the corresponding entry in column 2 of the said table.

TABLE

Designation of the Officer	Categories of Public Premises & Local Limits of Jurisdiction
1	2
Shri S. Sandilya, Under Secretary (Coord) President's Secretariat.	Premises comprising the President's Estate in New Delhi, Shimla (Himachal Pradesh), Dehradun (Uttar Pradesh) and Bolarum Secunderabad (Andhra Pradesh).

[File No. D-11020/1/90-EBA]
C.R. SAMPATH KUMAR, LT. GENERAL
Military Secy. to the President

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

(न्यायिक अनुभाग)

सूचना

नई दिल्ली, 17 जून, 1997

का.आ. 1705.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्रीमती रश्मि गुलाटी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (135) 97-न्यायिक]

यू.के. झा, सक्षम प्राधिकारी एवं

अपर विधि सलाहकार

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

(Judicial Section)

NOTICE

New Delhi, the 17th June, 1997

S.O. 1705.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Smt. Rashmi Gulati for appointments as a Notary to practise in N.C.T. of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice—

[No. F. 5(135)/97-Judl.]

U. K. JHA, Competent Authority & Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 18 जून, 1997

का.आ. 1706.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री घुरेलाल अग्रवाल, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मथुरा (उत्तर प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 7(136)/97-न्यायिक]

यू.के. झा, सक्षम प्राधिकारी एवं

अपर विधि सलाहकार

NOTICE

New Delhi, the 18th June, 1997

S.O. 1706.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Ghurey Lal Agrawal, Advocate, for appointment as a Notary to practise in Mathura (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 7(136)/97-Judl.]

U. K. JHA, Competent Authority & Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 1997

का.आ. 1707 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री परेश नाथ दत्त, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कलकत्ता (पश्चिम बंगाल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(153)/97-न्यायिक]

यू.के. झा, सक्षम प्राधिकारी एवं
अपर विधि सलाहकार

NOTICE

New Delhi, the 19th June, 1997

S.O. 1707.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Paresh Nath Dutta, Advocate for appointment as a Notary to practise in Calcutta (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(153)/97-Judl.]

U. K. JHA, Competent Authority & Addl. Legal Adviser

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 23 जून, 1997

का.आ. 1708.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का अधिनियम सं. 2) की धारा 25 की उपधारा (1-ए) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निम्नलिखित अभियोजन अधिकारी को, ऐसे किसी भी राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र में जिस पर पूर्वोक्त धाराओं के उपबंध लागू होते हैं, विचारण न्यायालयों/मजिस्ट्रेटों के न्यायालयों में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना द्वारा संस्थित मामलों के संचालन के लिए सहायक लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

(1) श्री राज मोहन चन्द

[संख्या-225/6/97-ए.बी.बी.-II]

हरी सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES
AND PENSION

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 23rd June, 1997

S.O. 1708.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1-A) of section 25 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Government hereby appoints Sh. Raj Mohan Chand, Prosecuting Officer of the Central Bureau of Investigation, as Assistant Public Prosecutor, for the conduct of cases instituted by Delhi Special Police Establishment in the courts of Magistrate in any State or Union Territory to which the provision of the aforesaid section apply.

[No. 225/6/97-AVD.II]

HARI SINGH, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(मुख्यालय स्थापना)

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1997

का.आ. 1709.—केन्द्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 (1963 की सं. 54) की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के अधिकारी श्री बी पशुपति, को 2 अप्रैल, 1997 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड में सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. ए-19011/9/97-प्रशा.-I]

प्यारे लाल, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(HEADQUARTERS ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 29th April, 1997

S.O. 1709.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 3 of the Central Board of Revenue Act, 1963 (No. 54 of 1963), the Central Government hereby appoint Shri V. Pashupathy, an Officer of Indian Revenue Services (Income-tax) as Member, Central Board of Direct Taxes, Department of Revenue, Ministry of Finance with effect from 29th April, 1997 (F.N.) and until further orders.

[F. No. A-19011/9/97-Ad.]

PYARE LAL, Under Secy.

आयकर आयुक्त का कार्यालय, पश्चिम बंगाल-10

कलकत्ता, 22 अप्रैल, 1997

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 120 के आदेशावली

क्र.आ. 1710. -आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 120 की उपधारा (2) के तहत प्रदत्त अधिकारों तथा इस संबंध में मुझे सक्षम बनाने वाले अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं आयकर आयुक्त, पश्चिम बंगाल-10, कलकत्ता आ.उ. रेंज-17, के अधीन कलकत्ता के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार से संबंधित सभी पूर्वतर आदेशों में आंशिक संशोधन करते हुए आ.आ.प.ब.-10, कल. प्रभार के नये मामलों के बारे में निम्नानुसार आदेश देता हूँ :-

वालों के नये मामलों के वर्तमान क्षेत्राधिकार का आशोधन निम्नलिखित सीमा तक किया जायेगा एवं यह आदेश 1-5-97 से प्रभावी होगा।

क्र.सं.	निर्धारण अधिकारी का पदनाम	निर्धारितों के मामलों का क्षेत्राधिकारी
1	2	3
1.	आ.अधि. वार्ड-17(1)कल.	<p>(अ) नेताजी सुभाष रो.आ. 93/2 में क्षेत्र (109, 113 115 के सिवाय)</p> <p>(ब) कॉटन स्ट्रीट-- 1 से 18</p> <p>(स) जमुनालाल वजाज स्ट्रीट सम 48 से</p> <p>(द) निम्नलिखित स्ट्रीट/रोड (आ.अधि., वा. 17(7) के अधीन) के वर्णमाला "ए" से "जेड" के सभी निर्धारितों।</p> <p>(i) काशीनाथ मल्लिक लेन</p> <p>(ii) नेताजी सुभाष रो. सम 26 से 70 सम 72 से क्षेत्र विषम 115</p> <p>(iii) मनोहर दाम स्ट्रीट</p> <p>(iv) राममोहन मल्लिक लेन 1 से 26</p>
2.	आ.अधि., वार्ड-17(2) कल.	<p>(अ) वॉनफिल्ड लेन 1 से 28</p> <p>(ब) निम्नलिखित स्ट्रीट/रोड (आ.अधि., वार्ड (17(5) के अधीन) वर्णमाला "ए" से "जेड" तक के सभी निर्धारितों।</p> <p>(i) प. पुरुषोत्तम राय स्ट्रीट (खगरा पट्टी)</p> <p>(ii) स्ट्रीट रोड 29 से 46/1 ए एवं 87/4</p> <p>(iii) स्ट्रीट बैंक रोड-211 से 247/5</p>
3.	आ.अधि., वार्ड-17(4)कल.	<p>(अ) महात्मा गांधी रोड-- सम 204 से 228 विषम 209 से 229</p> <p>(ब) ओल्ड चाइना बाजार स्ट्रीट- 56 से 178</p> <p>(स) राममोहन मल्लिक लेन</p>

1	2	3
4. आ.अधि. वार्ड-17(5), कल.		(अ) प. पुरुषोत्तम राय स्ट्रीट (खंगरा पट्टी) (ब) स्ट्रीट रोड-29 में 46/1ए, एवं 67/4 (स) स्ट्रीट बैंक रोड-211 में 247/5 (सिवाम "एस" से "बैंक" तक की वर्णमाला के सिवाय)
5. आ.अधि. वार्ड-17(6)		(अ) नेताजी सुभाष रोड-विषम 63 में 93/1 एवं 109, 113 (ब) राजा बुद्धमंत स्ट्रीट
6. आ.अधि. वार्ड-17(7)		(अ) काशीनाथ मल्लिक लेन (ब) नेताजी सुभाष रोड-सम 26 से 70 सम 72 से शेष विषम 115 (स) मनोहर दास स्ट्रीट (द) राम सेवक मल्लिक लेन-1 से 26 ("एस" से "जेड" तक की वर्णमाला के सिवाय)।

[सं. विवि-1/क्षेत्रा/प.व.-X/97-98/300]

एस. सी. चौधरी, आयकर आयुक्त

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX, WEST BENGAL-X

Calcutta, the 22nd April, 1997

ORDER UNDER SECTION 120 OF THE INCOME TAX ACT, 1961

S. O. 1710.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 120 of the I.T. Act, 1961 and all other powers enabling me in this behalf, I, the Commissioner of Income Tax, West Bengal-X, Calcutta hereby order in partial modification of all earlier orders relating to territorial jurisdiction of Calcutta under D. C. Range-17, Calcutta over new cases in the Charge of C.I.T., WB-X, Cal. as below :—

The existing jurisdiction over new cases of the Wards will be modified to the following extent and this order will take effect from 1-5-97.

Sl. No.	Designation of the Assessing Officer	Jurisdiction over classes of assessee
1	2	3
1.	ITO, Ward-17(1), Cal.	(a) Netaji Subhash Rd.—Odd 93/2 to Rest (Except 109, 113, 115) (b) Cotton Street—1 to 18 (c) Jamunalal Bajaj Street—Even 46 onwards. (d) All assesseees from alphabets 'S' to 'Z' of the following Street/Road [Under ITO, Wd. 17(7)]: (i) Kashi Nath Mullick Lane (ii) Netaji Subhas Rd.—Even 26 to 70, Even 72 to Rest, Odd 115. (iii) Monohar Das Street (iv) Ramsevak Mullick Lane-1 to 26.

1	2	3
2.	ITO, Ward-17(2), Cal.	(a) Bonfield Lane 1 to 28 (b) All assesseees from alphabets 'S' to 'Z' of the following St./Roads [Under ITO, Wd. 17(5)] : (i) Pt. Purushottam Roy Street (Khangra Patty) (ii) Strand Road—29 to 46/1A & 67/4 (iii) Strand Bank Road—211 to 247/5
3.	ITO Ward-17(4), Cal.	(a) Mahatma Gandhi Road—Even 204 to 228 Odd 209 to 229 (b) Old China Bazar St.—56 to 108 (c) Ram Mohan Mullick Lane.
4.	ITO, Ward-17(5), Cal.	(a) Pt. Purushottam Roy Street (Khangra Patty) (b) Strand Road-29 to 46/1A & 67/4 (c) Strand Bank Road—211 to 247/5 (excepting alphabets 'S' to 'Z')
5.	ITO, Ward-17(6)	(a) Netaji Subhas Rd.—Odd 63 to 93/1 & 109, 113 (b) Raja Woodmunt St.,
6.	ITO, Ward-17(7)	(a) Kashi Nath Mullick Lane (b) Netaji Subhas Rd.—Even 26 to 70, Even 72 to Rest. Odd 115 (c) Monohar Das Street (d) Ramsevak Mullick Lane-1 to 26 (Excepting alphabets 'S' to 'Z')

[No. Misc. 1/Jur/WB-X/97-98/300]

A. C. CHAUDHURI, Commissioner of
Income Tax

(राजस्व विभाग)

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 25 जून, 1997

(Deptt. of Revenue)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 25th June, 1997

का.प्रा. 1711.— श्री मोहनलाल पुत्र श्री भुरा लाल धाकाद की नजरबंदी के संबंध में स्वापक औषध तथा मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1988 के निवारण के खंड 8 उपखंड 1 क्लाज (बी) के अधीन जारी इस मंत्रालय के दिनांक 14 मई, 1997 के आदेश सं. 801/23/96-पिट एन डी पी एस के पैराग्राफ 3 को इस प्रकार पढ़ा जाए :—

अतः जबकि उक्त अधिनियम के खंड 8 उपखंड (1) क्लाज (बी) में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार पत्रद्वारा निदेश देती है कि उपर्युक्त व्यक्ति इस आदेश के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के 10 दिनों के भीतर अधीक्षक (निष्ठा.), निवारक तथा आसूचना कक्ष, सिंगोली, तहसील गावाड़ जिला मंडसौर के समक्ष प्रस्तुत हो।

[फा.सं. 801/23/96-पिट एनडीपीएस]

बी.के. अरोड़ा, अवर सचिव

S.O. 1711.—In this Ministry Order No. 801/23/96-PITNDPS dated 14th May, 1997 issued under clause (b) of sub section (1) of section 8 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 regarding detention of Shri Mohanlal S/o Shri Bhuralal Dhakad, paragraph 3 thereof may be read as follows :—

"Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Superintendent (prev), Preventive and Intelligence Cell, Singoli Teh. Jawad, Distt. Mandsaur, within ten days of the publication of this order in the official Gazette".

[F. No. 801/23/96-PIT NDPS]

B. K. ARORA, Under Secy.

New Delhi, the 26th June, 1997

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 26 जून, 1997

का.आ. 1712—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10), की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा, यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 13 के उपबन्ध इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 5 वर्ष की अवधि के लिये कारपोरेशन बैंक पर लागू नहीं होंगे।

[सं. 12/16/96-बी.ओ.ए. (क)]

पी. मोहन निदेशक (बी.ओ.)

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 26th June, 1997

S.O. 1712.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 13 of the said Act shall not apply for a period of five years from the date of this notification to the Corporation Bank.

[No. 12/16/96-BOA(a)]

P. MOHAN, Director (BO)

नई दिल्ली, 26 जून, 1997

का.आ. 1713—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10), की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा, यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 15(1) के उपबन्ध इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 5 वर्ष तक की अवधि के लिये कारपोरेशन बैंक पर लागू नहीं होंगे।

[सं. 12/16/96-बी.ओ.ए. (ख)]

पी. मोहन, निदेशक (बी.ओ.)

S.O. 1713.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 15(1) of the said Act shall not apply for a period of five years from the date of this notification to the Corporation Bank.

[No. 12/16/96-BOA(b)]

P. MOHAN, Director (BO)

मायारिक वृत्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण
मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 जून, 1997

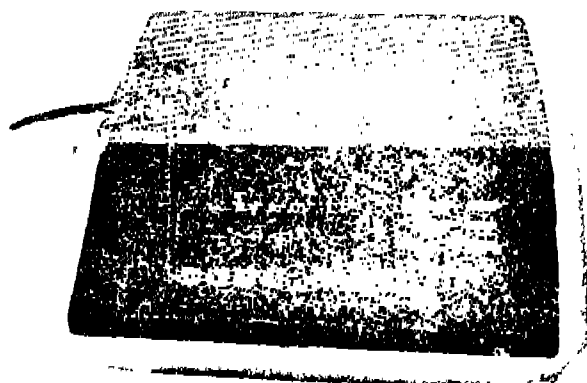
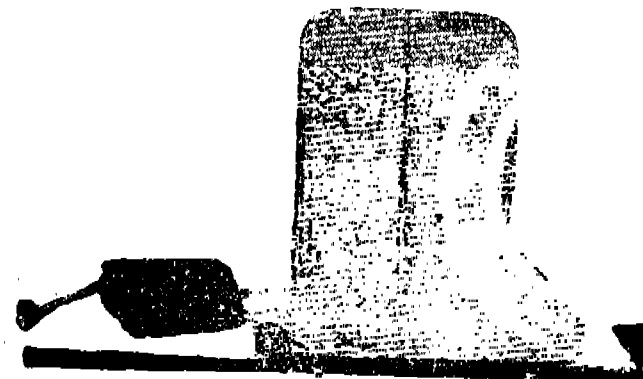
का.आ. 1714.—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत कि गई रिपोर्ट (नीचे आकृति देखिए) पर विचार करने के पश्चात् समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित माडल बाट और माप मानक अधिनियम 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबन्धों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि वह लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च यथार्थता वर्ग II की ए.आई.डब्ल्यू.मिरीज टाइप के "एस्ट्रोन" ब्रांड नाम वाले स्वतः सूचक गैर-स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफार्म तोलन उपकरण के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मैसर्स एसडान इन्स्ट्रूमेंटेशन, प्रथम तले, गाला सं. 1, रफीक कम्पाउंड, अपोजिट वायरलेस स्टेशन, दहीसर (पू.) मुम्बई-400068 द्वारा किया गया है और जिमे अनुमोदन चिह्न आई० एन. डी/09/96/67 समनुदिष्ट किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है।

माडल (आकृति देखिए) एक उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग II) का तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 120 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 200 ग्राम है। स्थापन मापमान अन्तर (ई) 10 ग्राम है। इसमें एक टेयर युक्ति है जिसका व्यक्लेनात्मक प्रतिधारण प्रभाव 100 प्रतिशत है। भारग्राही आयताकार सैक्शन का है जिसका आकार 600 × 600

मिलीमीटर है। प्रकाश उत्सर्जन डायोड संप्रदर्श बोल्ड परिणाम उपरिष्ठित करता है। यह उपकरण 230 वोल्ट,

50 हर्टज के प्रत्यायती द्वारा विद्युत प्रदान पर प्रचालित होता है।



आगे, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उक्त सिद्धांत डिजाइन के अनुसार और सामग्री से, जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है विनिर्दिष्ट 240 किलोग्राम 20 ग्राम और 600 किलोग्राम 50 ग्राम की अधिकतम क्षमता वाले समरूप मैक, यथार्थता और उच्च सिटीज के कार्यकरण वाले तोलन उपकरण भी है।

[फा० सं० डब्ल्यू० एम० 21(57)/93]

राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION

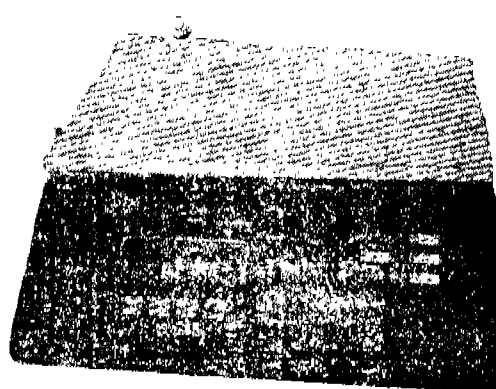
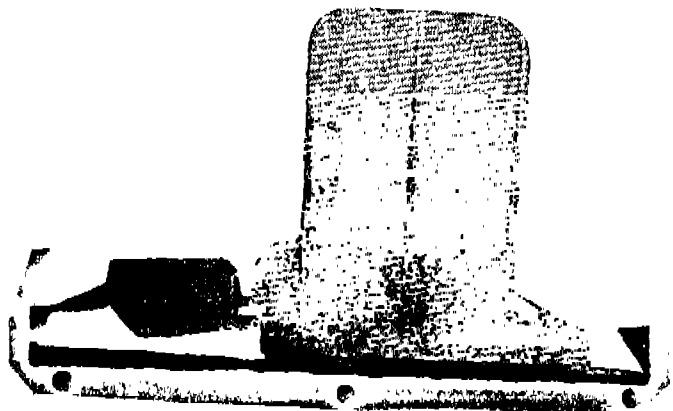
New Delhi, the 25th June, 1997

S.O. 1714.—Whereas, the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model (figure below) described in the said report is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Ap-

proval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the self-indicating non-automatic electronic platform weighing instrument of type AIW series of Class II (High) accuracy with brand name "ASTRON" (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. Astron Instrumentation, First Floor, Gala No. 1, Rafic Compound, Opp. Wireless Stn., Dahisar (E), Mumbai-400068, and which is assigned the approval mark IND/09/96/67;

The Model (see figure) is a high accuracy (accuracy class II) weighing instrument with a maximum capacity of 120 kg and minimum capacity of 200g. The verification scale interval (e) is 10 gram. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The load receptor is of rectangular Section of size 600×600 millimetre. The Light Emitting Diodes display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 Hertz alternate current power supply.



Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity of 240kg/20g and 600kg/50 manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[File No. WM 21(57)/93]

RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 25 जून, 1997

का०आ० 1715—केंद्रीय सरकार का विहित अधिकारी द्वारा उमे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट (नीचे आकृति देखिए) पर विचार करने के पश्चात्, समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित माडल बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात को संभावना है कि वह लगातार प्रयोग की श्रद्धा में यथार्थता बनाए रखेगा और निम्नलिखित परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा;

अतः, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त यथार्थता वर्ग II की ए आई डब्ल्यू मिरिज टाइप के "एस्ट्रॉन" ब्रांड नाम वाले स्वतः सूचक गैर-स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक टेबलटॉप तौलन उपकरण के माडल का (जिसे हमने इसके पश्चात् माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मेसर्स एस्ट्रॉन इन्स्ट्रुमेंटेशन, प्रथम तल, गल्ला सं० 1, रफीक कम्पाउंड, अपोजिट वायरलेस स्टेशन, दाहिसर (प०) मुम्बई-400068 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई० एन० सी०/09/96/08 सम्बुद्धि दिया गया है अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करता है।

माडल (आकृति देखिए) एक उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग II) का तौलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 12 किलो-ग्राम और न्यूनतम क्षमता 20 ग्राम है। सञ्चालन मापमान अन्तर (ई) 1 ग्राम है। हमने एक टेक्स्ट युक्ति है जिसका व्यवहार्यतम प्रतिधारण प्रभाव 100 प्रतिशत है। शरणाही आयताकार सैल का है जिसका आधार 240 × 320 मिलीमीटर है। प्रकाश उत्सर्जन डायोड संप्रदर्शन तौल परिणाम उपदर्शित करता है। यह उपकरण 230 वोल्ट

50 हर्ट्ज के प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर प्रचालित होता है।



आगे केंद्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अन्तर्गत उभी विनिर्माता द्वारा उभी मिट्टान डिजाइन के अनुसार और उभी राखणी से, जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है विनिर्मित 300 ग्राम / 0.02 ग्राम, 1.2 किलोग्राम / 0.1 ग्राम, 3 किलोग्राम / 0.2 ग्राम और 25 किलोग्राम / 2 ग्राम 600 किलोग्राम / 20 ग्राम की अधिकतम क्षमता वाले समूह में, यथार्थता और उभी सिरीज के कार्यकरण वाले तौलन उपकरण भी है।

[का० सं० डब्ल्यू०एम० 21(57)/93]

रजिव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

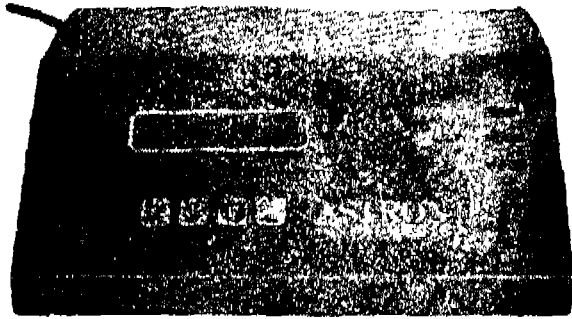
New Delhi, the 25th June, 1997

S.O. 1715.—Whereas, the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model (figure below) described in the said report is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions:

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the self-indicating non-automatic electronic Table top weighing instrument of type AIW series of class II (High) accuracy with brand name "ASTRON" (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s. Astron Instrumentation, First Floor, Gala No. 1, Rafic Compound, Opp. Wireless Stn., Dahisar (E), Mumbai-400068, and which is assigned the approval mark IND/09/96/08.

The Model (see figure) is a high accuracy (accuracy class II) weighing instrument with a maximum capacity of 12 kg and minimum capacity

of 20g. The verification scale interval (e) is 1 gram. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The load receptor is of rectangular Section of size 240x300 millimetre. The Light Emitting Diodes display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 Hertz alternate current power supply;



(Figure)

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity of 300g|0.02g, 1.2kg|0.1g, 3kg|0.2g and 25kg|2g manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[File No. WM 21(57)|93]

RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 23 जून, 1997

का.आ. 1716.—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अनुसरण में, डा. राजेंद्र किशोर ठाकुर, सह आचार्य, विकिरण चिकित्सा विज्ञान, एन.के. मेडिकल कालेज, मुजफ्फरपुर को बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर की सीनेट द्वारा, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् का सदस्य 2 मार्च, 1997 से निर्वाचित किया गया है; और

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में, भारत सरकार के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 138, तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और घोषण करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, शीर्षक "धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन निर्वाचित" के अधीन प्रम.सं. 22 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रम.सं. और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

"22. डा. राजेंद्र किशोर ठाकुर बाबासाहेब भीमराव सह आचार्य, आयुर्विज्ञान अम्बेडकर विहार एन.के. मेडिकल कालेज, विश्वविद्यालय।" मुजफ्फरपुर, विहार।

[सं. वो.—11013/4/97—एम.ई. (पू. जी.)]

एस.के. मिश्रा, डीस्क अधिकारी

पाठ टिप्पण :—मूल अधिसूचना का.आ. सं. 138 तारीख 9 जनवरी, 1960 द्वारा प्रकाशित की गई थी।

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 23rd June, 1997

S.O. 1716.—Whereas in pursuance of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. Gajendra Kishore Thakur, Associate Professor of Radiology, S. K. Medical College, Muzaffarpur has been elected, by the Senate of Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur, to be a member of Medical Council of India with effect from 2nd March, 1997; and

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the erstwhile Ministry of Health S.O. 138, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of Section 3", for serial number 22 and the

entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely:—

“22 Dr. Gajendra Kishore Thakur,
Associate Professor of Medicine
S.K. Medical College,
Muzaffarpur, Bihar.

Bhabasaheb
Bhimrao Ambedkar
Bihar University”.

[No. V-11013/4/97-ME(UG)]
S. K. MISHRA, Desk Officer

Note : The Principal notification was published in the Gazette of India, vide notification number S.O. 138, dated the 9th January, 1960.

रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 26 जून. 1997

का.आ 1717.—राजभाषा नियम, 1976 (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) के नियम 10 के उपनियम (2) और (4) के अनुसरण में रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड उत्तर तथा दक्षिण पूर्व रेल के निम्नलिखित कार्यालयों को, जहाँ कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिनूचित करता है :—

उत्तर रेल : (अंबाला मंडल)

1. मंडल यातायात प्रशिक्षण केन्द्र, कालका
2. रेल स्टेशन, बड़ौग
3. रेल स्टेशन, सोलन
4. रेल स्टेशन, सलोगड़ा
5. रेल स्टेशन, शोबी

उत्तर रेल : (लखनऊ, मंडल)

6. रेल स्टेशन, निहालगढ़
7. रेल स्टेशन, मुसाफिरखाना
8. रेल स्टेशन, बिल्हार घाट
9. रेल स्टेशन, रूदौली
10. रेल स्टेशन, लखमनपुर
11. रेल स्टेशन, मोहनलाल गंज

दक्षिण पूर्व रेल : (अद्रा मंडल)

12. मंडल चिकित्सा अधिकारी, बांकुरा

[मं. हिंदी-97/रा.भा. 1/12/1]

डी. पी. त्रिपाठी,
सचिव, रेलवे बोर्ड एवं भारत
सरकार के पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS (Railway Board)

New Delhi, the 26th June, 1997

S.O. 1717.—In pursuance of Sub-rule (2) and (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for the Official purposes of the Union) Rules, 1976 the Ministry of Railways (Railway Board) hereby notify the following offices of Northern Railways and South Eastern Railway, where the staff have acquired the working knowledge of Hindi :—

Northern Railway : (AMBALA DIVISION)

1. Divisional Traffic Training Centre,
KALKA.

2. Railway Station, BAROG.
3. Railway Station, SOLAN.
4. Railway Station, SALOGRA.
5. Railway Station, SHOGHI.

Northern Railway : (LUCKNOW DIVISION)

6. Railway Station Nihalgarh.
7. Railway Station, Musafirakhana.
8. Railway Station, Bilharghat.
9. Railway Station, Rudauli.
10. Railway Station, Lachhmanpur.
11. Railway Station, Mohanlal Ganj.

South-Eastern Railway : (ADRA DIVISION)

12. Office of the Divisional Medical Officer,
BANKURA.

[No. HINDI/97/OL-1/12/1]

D. P. TRIPATHI, Secy.
Railway Board and
Ex. Officio Addl. Secy.
to the Govt. of India.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 मई, 1997

का.आ. 1718.—चलचित्रों की (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 7 व 8 के साथ पठित चलचित्रों की अधिनियम, 1932 की धारा-5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए तथा इस मंत्रालय के दिनांक 19-3-96 एवं 11 अप्रैल, 1997 की अधिसूचना सं. 809/11/93-एफ. (सी.) के अनुक्रम में केन्द्रीय सरकार, श्रीमती आर. कमला पद्मानाभन, 177/D, 3rd Block, 24th 'B' Cross, Jayanagar, Bangalore को केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के धोमनीर सलाहकार पैनल के सदस्य के रूप में तत्काल प्रभाव से दो वर्षों की अवधि के लिये अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करता है।

[फा.सं. 809/7/96-एफ. (सी.)]

आई. पी. मिश्रा, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 5th May, 1997

S.O. 1718.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Cinematograph Act, 1952, (37 of 1952) read with rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 and in continuation of this Ministry's notification No. 809/11/93-F(C) dated 19-3-1996 and 11th April, 1997, the Central Government is pleased to appoint Smt. R. Kamala Padmanabhan, 177/D, 3rd Block, 24th 'B' Cross, Jayanagar, Bangalore as a member of the Bangalore Advisory Panel of the Central Board of Film Certification with immediate effect for a period of two years or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 809/7/96-F(C)]

I. P. MISHRA, Desk Officer

कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली

नई दिल्ली, 25 जून, 1997

का.आ. 1719.—भारत के राजपत्र दिनांक 14-12-1996 में भाग-2, खण्ड-3, उपखण्ड (ii) में पृष्ठ संख्यांक 4815 से 4819 पर प्रकाशित भारत सरकार, कोयला मंत्रालय

की अधिसूचना का.आ. 3409 दिनांक 3-12-1996 में, पृष्ठ संख्या 4815 पर—

(1) अधिसूचना में टिप्पणी 1 में, "ईस्टर्न" के स्थान पर "वैस्टर्न" पढ़िए।

पृष्ठ संख्या 4816 पर (1) ग्राम कृताडा में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्यांक में—

"162/1-162/2-162/3" के स्थान पर "162/1-162/2" पढ़िए।

(2) ग्राम देउलवाडा में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्यांक में—"45, 47 भाग" के स्थान पर "45, 46, 47 भाग" पढ़िए।

सीमा वर्णन में—

(3) रेखा क-ख में प्लाट संख्यांक "152/1-152/2, 155/1-155/2" के स्थान पर "152/1-152/2, 155/1-155/2, 152/1-154/2" पढ़िए।

(4) रेखा ग-घ में "देउवाडा" के स्थान पर "देउलवाडा" पढ़िए। और जहाँ कहीं यह शब्द प्रयुक्त हुआ हो उसी स्थान पर देउलवाडा पढ़िए।

और पृष्ठ संख्या 4817 पर—प्लाट संख्या "395, 397, 398, 396 के स्थान पर "395, 397, 398, 397, 396" पढ़िए।

[फा.सं. 43015/2/93-एल एस डब्ल्यू]

श्रीमती पी. एल. सीनी, अवर सचिव

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 25 जून, 1997

का.आ. 1720.—भारत के राजपत्र तारीख 14 दिसम्बर, 1996 के भाग-2, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) में पृष्ठ क्रमांक 4811 से 4814 पर प्रकाशित भारत सरकार कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 3408 तारीख 2 दिसम्बर, 1996 में—

पृष्ठ क्रमांक : 4812 पर

1. अनुसूची में क्रम संख्या 1 में ग्राम का नाम स्तम्भ के नीचे "करंजपानी धुंधी" के स्थान पर "करंजपानी धुन्धी" पढ़िए। और पटवारी सक्ति संख्यांक के नीचे "312 (नया)" के स्थान पर "3/2 (नया)" पढ़िए।

2. क्रम संख्या 3 में स्तम्भ क्षेत्र हेक्टेयर में के नीचे "75.091" के स्थान पर "25.091" पढ़िए।

3. "ग्राम करंजपानी धुंधी में" के स्थान पर "ग्राम करंज पानी धुन्धी में" पढ़िए।

[फा.सं. 43015/7/92-एल एस डब्ल्यू]

श्रीमती पी. एल. सीनी, अवर सचिव

MINISTRY OF COAL

CORRIGENDA

New Delhi, the 25th June, 1997

S.O. 1720.—In the Notification of the Government of India in the Ministry of Coal, Number S.O. 3469, dated the 3rd December, 1996, published at pages 4815 to 4819 of the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-Section (ii) dated the 14th December, 1996,—

1. At page 4818,—under the heading, "Boundary description" and under the sub-heading, "B-C", in line 4, for "46, 35, 34" read "36, 35, 34". ;
2. At page 4819.—under the heading "Boundary description" :—
 - (i) under the sub-heading, "C-D", in line 1 and 2, for "34, 32/1=L32|2A=32/2B" read "34, 32|1—32|2A—32/2B". ;
 - (ii) under the sub-heading, "F-A", in line 3, for "81/1" read "82|1".

[No. 43015/2|93-LSW]

MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

पुष्टि-पत्र

नई दिल्ली, 26 जून, 1997

क्र.सं. 1721-भारत के राजपत्र तारीख 14, दिसम्बर 1996 के भाग-II, खंड 3, उपखंड (ii) में पृष्ठ क्रमांक 4809 से 4811 पर प्रकाशित भारत सरकार कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का आ.सं. 3407 तारीख 2 दिसम्बर 1996 में :—

पृष्ठ क्रमांक 4810 पर

1. "ग्राम माना में अर्जित किये जाने वाली प्लाट संख्यांक" के स्थान पर "ग्राम माना में अर्जित किये गये प्लाट संख्यांक" पढ़िए। और "10, 11/2" के स्थान पर "10, 11/1, 11/2" पढ़िए।

2. "ग्राम आरबट में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्यांक" के स्थान पर "ग्राम आरबट में अर्जित किये गये प्लाट संख्यांक" पढ़िए।

3. "ग्राम चारबट में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्यांक" के स्थान पर "ग्राम चारबट में अर्जित किये गये प्लाट संख्यांक" पढ़िए।

सीमा वर्णन में

4. रेखा च-ग में "पर है।" के स्थान पर "पर मिलती है।" पढ़िए।

[क्र.सं. 43015/25/94-एल एस डब्ल्यू]

श्रीमती. पी एल. सैनी, अवर सचिव

CORRIGENDA

New Delhi, the 26th June, 1997

S.O. 1721.—In the Notification of the Government of India in the Ministry of Coal No. S.O. 3407 dated the 2nd December, 1996, published at pages 4809 to 4811 of the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-Section (ii) dated the 14th December, 1996.

1. at page 4810, in the notification,—

- (i) in line 1, for "noificaiion" read "notification".
- (ii) in line 1 and 2, for "S.O. 2005" read "S.O. 2905".
- (iii) in line 9, for "aecres", read "acres".
- (iv) in line 13, for "he eto" read "hereto".

2. at page 4811, in the Schedule,—

- (i) in the Table, against serial number 3, in column "Patwari circle number" for "0" read "9".
- (ii) under the heading "Boundary description" under the sub-heading "C-D", in line 1, for plo", read "plot".

[No. 43015|25|94-LSW]

MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1997

का.आ. 1722.—भारत सरकार के राजपत्र, भाग-2, खंड-3, उपखंड-(ii) दिनांक 19 अक्टूबर, 1996 के पृष्ठ क्रमांक 3998 से 4020 पर प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. सं. 2939 दिनांक 9 अक्टूबर, 1996 में :—

पृष्ठ सं. 3999 अनुसूची में :—

स्तम्भ 2 क्रमांक 1 पर हेंसमुला के स्थान पर हेंसमुल, क्रम संख्या 2 पर जिलिदा के स्थान पर जिलिडा, क्रम संख्या 3 पर खेदोलबहाल के स्थान पर खेदुआलबहाल क्रमांक 5 पर लंगी जोदा के स्थान पर लंगी जोडा एवं क्रम संख्या 7 पर कांथल के स्थान पर कंठाल पढ़ें ।

स्तम्भ 3 एवं 4 के सभी क्रम संख्या पर तलचर के स्थान पर तालचैर पढ़ें ।

अनुसूची के नीचे ग्राम क्रम संख्या 1 में हेंसमुला के स्थान पर हेंसमुल पढ़ें ।

पृष्ठ सं. 4000 पर :—

—पंक्ति 1 में प्लॉट सं. 195 के स्थान पर 105 पढ़ें ।

—पंक्ति 3 में प्लॉट सं. 160 () के स्थान पर 160 (भाग) पढ़ें,

—पंक्ति 4 में प्लॉट सं. 18; के स्थान पर 187 पढ़ें,

—पंक्ति 16 में प्लॉट सं. 449 एवं 450 के स्थान पर 449 (भाग) एवं 450(भाग) पढ़ें

—पंक्ति 19 में प्लॉट सं. 534 के स्थान पर 524 पढ़ें,

—पंक्ति 26 में प्लॉट सं. 575 के स्थान पर 675 पढ़ें,

पृष्ठ सं. 4001 पर :—

पंक्ति 6 में प्लॉट सं. 161660 के स्थान पर 1660 पढ़ें एवं प्लॉट सं. 152 के स्थान पर 1688 पढ़ें,

—पंक्ति 8 में प्लॉट सं. 1723 (पी) के स्थान पर 1723 (भाग) पढ़ें,

—पंक्ति 10 में प्लॉट सं. 3127 (पी) के स्थान पर 3127 (भाग) पढ़ें,

—पंक्ति 11 में प्लॉट सं. 3134 दो बार छापा गया है, इसमें से एक न पढ़ें, एवं प्लॉट सं. 550/5906 के स्थान पर 549/5906 पढ़ें,

—पंक्ति 12 में प्लॉट सं. 452/5913 दो बार छापा गया है, इनमें से एक न पढ़ें, एवं 1206/59×9 के स्थान पर 1260/5919 पढ़ें,

—पंक्ति 15 में प्लॉट सं. 10559/5950 के स्थान पर 1059/5950 पढ़ें,

—पंक्ति 17 में प्लॉट सं. 775/6024 के स्थान पर 775/6026 पढ़ें,

—पंक्ति 18 में प्लॉट सं. 400/60036 के स्थान पर 400/6036 एवं प्लॉट सं. 15/95/6042 के स्थान पर 1595/6042 पढ़ें,

—पंक्ति 19 में प्लॉट सं. 1295/6098 के स्थान पर 1295/6085 पढ़ें,

—पंक्ति 21 में प्लॉट सं. 1705, 6110 के स्थान पर 1705/6110 पढ़ें एवं प्लॉट सं. 30/6123 न पढ़ें,

—पंक्ति 22 में प्लॉट सं. 350,6154 के स्थान पर 350/ 6144 एवं प्लॉट सं. 15/90/6155 के स्थान पर 1590/6155 पढ़ें,

—पंक्ति 25 में प्लॉट सं. 141/6233 के स्थान पर 1412/6233 एवं प्लॉट सं. 1189/6246 () के स्थान पर 1189/6246 (भाग) पढ़ें,

—पंक्ति 27 में प्लॉट सं. 1712/6322 के स्थान पर 1712/6323 पढ़ें,

—पंक्ति 28 में प्लॉट सं. 1324/6385 के स्थान पर 1329/6385 पढ़ें,

पृष्ठ सं. 4001 पर ग्राम क्रम संख्या 2 में जिलिदा के स्थान पर जिलिडा पढ़ें

पृष्ठ सं. 4001 पर ग्राम जिलिदा (भाग) में :—

—पंक्ति 9 प्लॉट सं. 220 के स्थान पर 230 पढ़ें ।

पृष्ठ सं. 4002 :—

—पंक्ति 1 में प्लॉट सं. 304 के बाद 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326 एवं 327 जोड़ें,

पंक्ति 5 में प्लॉट सं. 477 के स्थान पर 422 पढ़ें,

पंक्ति 21 में प्लॉट सं. 776 के बाद 777, 778, 779 एवं 780 जोड़ें,

प्लॉट सं. 782 के बाद 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789 एवं 790 जोड़ें,

प्लॉट सं. 796 के बाद 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, एवं 812 जोड़ें,

प्लॉट सं. 820 के बाद 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843 एवं 844 जोड़ें,

प्लॉट सं. 846 के बाद 847, 848, 849, 850 एवं 851 जोड़ें,

एवं प्लॉट सं. 852 के बाद 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, जोड़ें,

—पंक्ति 28 में प्लॉट सं. 1134 के बाद 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150, 1151, 1152, 1153, 1154, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, एवं 1185 जोड़ें,

एवं प्लॉट सं. 1209 (भाग) के स्थान पर 1189 पढ़ें,

—पंक्ति 29 में प्लॉट सं. 1190 (भाग) के स्थान पर 1190 पढ़ें एवं प्लॉट सं. 1927 के बाद 1208, 1209, 1210, 1211, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216, 1217, 1218, 1219, 1220, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1226, 1227, 1228, 1229, 1230, 1231, 1232, 1233, 1234, 1235, 1236, 1237, 1238, 1239, 1240, 1241, 1242, 1243, 1244, 1245, 1246, 1247, 1248, 1249, 1250, 1251, 1252, 1253, 1254, 1255, 1256, 1257, 1258, एवं 1259 जोड़ें,

—पंक्ति 34 में प्लॉट सं. 1350 एवं 1352 के बीच 1351 जोड़ें,

एवं प्लॉट सं. 1352 के बाद 1353, 1354, 1355, 1356, 1357, 1358, 1359, 1360, 1361, 1362, 1363, 1364, 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370, 1371, 1372, 1373, 1374, 1375, 1376, 1377, 1378, 1379, 1380 एवं 1381 जोड़ें,

—पंक्ति 37 में प्लॉट सं. 1420 के बाद प्लॉट सं. 1421, 1422, 1423, 1424, 1425 एवं 1426 जोड़ें,

पृष्ठ सं. 4003 पर :—

—पंक्ति 1 में प्लॉट सं. 1475 न पढ़ें,

—पंक्ति 15 में प्लॉट सं. 1738 के स्थान पर 1737 पढ़ें।

पृष्ठ सं. 4004 पर :—

—पंक्ति 32 में प्लॉट सं. 2883 दो बार छापा गया है, जिनमें से एक न पढ़ें,

पृष्ठ सं. 4005 पर :—

—पंक्ति 16 में प्लॉट सं. 837/333 के स्थान पर 737/3333 पढ़ें,

—पंक्ति 17 में प्लॉट सं. 1581/334 के स्थान पर 1581/3344 पढ़ें,

—पंक्ति 36 में प्लॉट सं. 2773/3537 के स्थान पर 2373/3537 पढ़ें।

पृष्ठ सं. 4006 पर ग्राम नरहरिपुर (भाग) में—

—पंक्ति 2 में प्लॉट सं. 30 (पी) के स्थान पर 30 (भाग) पढ़ें

—पंक्ति 36 में प्लॉट सं. 835 एवं 836 न पढ़ें,

पृष्ठ सं. 4007 पर ग्राम लंगी जोड़ा (भाग) में :—

क्रम संख्या 4 में ग्राम लाची जोड़ा (भाग) स्थान पर लंगी जोड़ा (भाग) पढ़ें,

पृष्ठ संख्या 3007 पर ग्राम मदनमोहनपुर (भाग) में :—

—पंक्ति 1 में प्लॉट सं. 338 (भाग) के स्थान पर पर 339 (भाग) पढ़ें।

[फा. सं. 43015/3/96-एल.एस. डब्ल्यू.]

प्रेमानन्द दास, निदेशक

CORRIGENDA

New Delhi, the 1st July, 1997

S.O. 1722.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Coal No. S. O. 2939, dated 9th October, 1996 published at pages 3998 to 4020 of the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 19th October, 1996 :—

1. At page No. 4010.—In the Schedule, in the table, in column under the heading "Village", at Sl. No. 3, for "Khandualbaha" read "Khandualbahal"

2. At page No. 4011.—In the heading "Plot numbers to be acquired in village Hensamulla (Part)",

(a) In line 19 for "449" read "449(P)" and for "450" read "450 (P)",

(b) In line 20, for "466, 466" read "466" and for "467, 467" read "467",

(c) In line 40, for "1110, 1110" read "1110, 1111",

(d) In line 49, for "1403, 1403" read "1403".

3. At page No. 4012.—In line 14, insert plot No. 400/6035 after plot No. 630/6034 and for "400/6034" read "400/6036".

4. At page No. 4012.—Under the heading "Plot Numbers to be acquired in village Jilinda (Part)".—

(a) In line 11, for "365" read "265" and for "2269" read "269".

(b) In line 12, for "331" read "301".

(c) In line 16, for "282" read "382".

(d) In line 19, for "358" read "458".

(e) In line 21, for "491, 491" read "491".

5. At page No. 4014 :—

(a) In line 19, for "1205" read "2105".

(b) In line 26, for "2134" read "2234".

(c) In line 36, for "1419" read "2419".

(d) In line 40, for "5483" read "2483".

6. At page No. 4015.—In line 14, for "2863" read "2963".

7. At page No. 4016.—Under the heading "Plot numbers to be acquired in village Naraharipur (Part)" :—

(a) In line 15, for "407, 409" read "407, 408, 409".

(b) In line 36, omit plot Nos. "828, 829, 830, 831, 832, 835, 836".

(c) In line 38, for "889" read "879".

(d) In line 46, for "1925" read "1025".

8. At page No. 4017.—In line 14, for "237/1373, 237/1373" read "237/1373".

9. At page No. 4018 :—

(a) Omit line Nos. 1, 2 and 3.

(b) Under the heading "Boundary description" in sub-heading "D-E-F", in line 10, for "time" read "line".

(c) In the sub-heading "F-G-H", in line 5, for "boundary southern" read "southern boundary".

[No. 43015/3/96-LSW]

PREMANAND DAS, Director.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1997

का.ग्रा. 1723.—भारत सरकार के राजपत्र, भाग-II, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 21 जनवरी, 1997 के पृष्ठ क्रमांक 605 से 627 पर प्रकाशित भारत सरकार के केंद्रालय संचालन की अधिसूचना का.ग्रा.सं. 222 दिनांक 1 फरवरी, 1997 में :—

पृष्ठ सं. 605 अनुसूची में :—

स्तम्भ 2, क्रमांक 2 पर गोपाल प्रसाद खावर के स्थान पर गोपालप्रसाद खसरा पढ़ें।

—स्तम्भ 2, क्रमांक 6 पर नुहामूहीन के स्थान पर नुहामूही पढ़ें।

—स्तम्भ 2 क्रमांक 8 पर बालबाहुँत के स्थान पर कलमछुई पढ़ें।

—स्तम्भ 2, क्रमांक 9 पर बीरवारपुर के स्थान पर बीरवारपुर पढ़ें।

—स्तम्भ 2, क्रमांक 11 पर तेलीपुर के स्थान पर तेलीपुर पढ़ें।

—स्तम्भ 2, क्रमांक 14 पर अम्बपाल के स्थान पर अम्बपाल पढ़ें।

पृष्ठ सं. 606 पर:—

—क्रमिक 2 में गोपाल प्रसाद खोसर के स्थान पर गोपाल प्रसाद खमार पढ़ें।

—क्रमिक 3 में ग्राम कुसुमपाल के स्थान पर कूसुमपाल पढ़ें।

—पंक्ति 14 में प्लॉट सं. 210 के स्थान पर 310 पढ़ें।

—पंक्ति 23 पर प्लॉट सं. 507 के स्थान पर 607 पढ़ें।

पृष्ठ सं. 608 पर:—

—पंक्ति 45 में प्लॉट सं. 1729 के बाद प्लॉट सं. 1733 के स्थान पर 1730 पढ़ें।

पृष्ठ सं. 609 पर:—

पंक्ति 32 में प्लॉट सं. 3466 के स्थान पर 2466 पढ़ें।

पंक्ति 38 में प्लॉट सं. 3583 के स्थान पर 2583 पढ़ें।

—पंक्ति 47 में प्लॉट सं. 2619/2934/1747/2935 के स्थान पर प्लॉट सं. 2619/2934, 1747/2935 पढ़ें।

—पंक्ति 55 में प्लॉट सं. 863/3029 के स्थान पर 862/3029 पढ़ें।

पृष्ठ सं. 610 पर:—

—पंक्ति 6 में प्लॉट सं. 2985/3111 के स्थान पर 2085/3111 पढ़ें।

—पंक्ति 18 में प्लॉट सं. 2483/3283 के स्थान पर 2483/3282 पढ़ें।

पृष्ठ सं. 611 पर:—

—पंक्ति 12 में प्लॉट सं. 440 के स्थान पर 400 पढ़ें।

—पंक्ति 25 में प्लॉट सं. 366/635 के स्थान पर 366/655 पढ़ें।

—पंक्ति 26 में प्लॉट सं. 343/65 के स्थान पर 343/657 पढ़ें।

—क्रमिक 8 में ग्राम कालमाछुई के स्थान पर ग्राम कलमाछुई पढ़ें।

—पंक्ति 11 में प्लॉट सं. 643, 647, 648 एवं 649 न पढ़ें।

—पंक्ति 24 में प्लॉट सं. 6089 के स्थान पर 6289 पढ़ें।

—पंक्ति 25 में प्लॉट सं. 6506 6507 (पी) के स्थान पर 6506, 6507 (पी) पढ़ें।

पृष्ठ सं. 612 पर:—

—क्रमिक 9 ग्राम बीरखारपुर के स्थान पर बीरखरपुर पढ़ें।

—क्रमिक 11, पंक्ति 5 में प्लॉट सं. 172 के बाद 173 जोड़ें।

पृष्ठ सं. 613 पर:—

—पंक्ति 13 में प्लॉट सं. 269/919 के स्थान पर 260/919 पढ़ें।

—पंक्ति 15 में प्लॉट सं. 557/931 के स्थान पर 537/931 पढ़ें।

—पंक्ति 16 में प्लॉट सं. 87/955 के बाद 90/956 जोड़ें।

—पंक्ति 17 में प्लॉट सं. 750/971 के स्थान पर 750/971 पढ़ें।

पृष्ठ सं. 613 पर:—

—क्रमिक 13 में नूहामुहीन के स्थान पर नूहामुही पढ़ें।

—क्रमिक 14 में ग्राम अम्वपाल के स्थान पर अम्वपाल पढ़ें।

पृष्ठ सं. 615 पर:—

—क्रमिक 1, पंक्ति 1 में प्लॉट सं. 278 के बाद 288 जोड़ें।

पृष्ठ सं. 616 पर:—

—क्रमिक 2 में ग्राम गोपालप्रसाद सामर के स्थान पर गोपाल प्रसाद पढ़ें।

[फा. सं. 43015/1/94-एल.एस.डब्ल्यू.]

प्रेमानन्द दास, निदेशक

CORRIGENDA

New Delhi, the 1st July, 1997

S.O. 1723.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Coal No. S.O. 222 dated the 21st January, 1997, published at pages 605 to 627 of the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated the 1st February, 1997;

1. At page 618, under the heading "Plot numbers acquired in village Kusumapal (Part)",

In line 13, for "293, 293" read "293".

2. At page No. 619,

(a) In line 1, for "952/1032" read "952/1033".

(b) In line 3, for "955/1057" read "952/1057".

(c) In line 6, for "2801101" read "280/1101".

(d) Under the heading "Plot numbers acquired in village Gopalprasad (Part)",

(i) In line 9, for "2181" read "218".

(ii) In line 11, for "56" read "256" and for

- "269" read "259".
- (iii) In line 23, for "539" read "549".
 - (iv) In line 25, for "581" read "591".
 - (v) In line 26, for "722" read "622".
 - (vi) In line 29, for "93" read "693".
 - (vii) In line 31, for "377" read "737".
 - (viii) In line 32, for "55" read "755".
 - (ix) In line 34, for "786" read "796" and omit "790".
 - (x) In line 40, for "953, 953" read "953".
3. At page No. 620.
- (a) In line 21, omit "1440, 1441 and 1442".
 - (b) In line 32, insert "1815" after "1814".
 - (c) In line 40, omit "1943, 1944, 1945, 1946, 1947, 1948, 1949, 1950, 1951, 1952, 1953".
 - (d) In line 41, for "1961" read "1961 (P)" and omit "1972".
 - (e) In line 42, omit "1973" and for "1974" read "1974 (P)".
 - (f) In line 43, omit "1995, 1996, 1997".
 - (g) In line 45, for "2032, 2032" read "2032".
4. At page No. 621.
- (a) In line 20, insert "2444" before "2445".
 - (b) In line 27, for "3583" read "2583".
 - (c) In line 28, for "286" read "2586".
 - (d) In line 49, for "2353|3906" read "2352|3096".
 - (e) In line 51, for "2985|3111" read "2085|3111".
5. At page No. 622,
- (a) In line 6, for "387|3269" read "1256|3269".
 - (b) In line 7, for "12507|3278" read "2507|3278", for "2483|3283" read "2483|3282", for "2168|3285" read "2161|3285", for "2160|3287" read "2168|3287" and for "635|3289" read "564|3289".
 - (c) In line 8, for "804|3201" read "1814|3201", for "2183|3204" read "2163|3204", for "2103|3205" read "2163|3205" and for "2319|3299" read "2346|3299".
 - (d) In line 9, for "1103|3304" read "1103|3306".
 - (e) In line 10, for "11|3325, 11|3325" read "11|3325".
- (f) In line 15, for "1635|337" read "1635|3371" and for "40|3376, 40|3376" read "40|3376".
 - (g) In line 19, for "2190|3212" read "2190|3412".
 - (h) Under the heading "Plot numbers acquired in village Nuhamuhin (Part). In line 7, for "51|251|229" read "51|228, 51|229".
 - (i) Under the heading "Plot numbers acquired in village Anantagadia (Full);
 - (1) In line 23, for "554, 554" read "554".
 - (2) In line 24, for "360|57" read "360|578".
6. At page 623, under the heading "Plot numbers acquired in village Kalamachhuin (Part)";
- (a) In line 33, for "806|8064" read "806|8464" and for "806|8066" read "806|8466".
 - (b) In line 34, for "510|8528" read "150|8528".
 - (c) Under the heading "Plot numbers acquired in village Khurinoa (Part)"; In line 3, omit "61, 62, 63".
7. At page 624,
- (a) In line 10, insert "180|502, 30|503 and 49|505" after "49|501".
 - (b) In line 13, for "80|563" read "87|563".
 - (c) Under the heading "Plot numbers acquired in village Telinura (Part); In line 38, for "384|977" read "354|977".
8. At page 625, under the heading "Plot numbers acquired in village Ambapal (Part);
- (a) In line 2, insert "61" after "54".
 - (b) Under the heading "Boundary description", under sub-heading "T-I-K-L-M", in line 6, for "brough" read "through".
9. At page 626.
- (a) In line 4, for "69" read "60".
 - (b) Under the sub-heading "Q-R-S-T-A".
 - (i) In line 3, for "198" read "108".
 - (ii) In line 10, for "2888" read "2899".
10. At page no. 627, under the heading "Plot numbers acquired in village Mallibandha (Part)";
- (a) In line 4, insert 626" after "625" and for "627, 627" read "627".
 - (b) In line 5, for "642" read "672".

आदेश

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1997

का.आ. 1724.—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 9 की उप-धारा (1) के अधीन निकाली गई भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 222, तारीख 21 जनवरी, 1997 के, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 1 फरवरी, 1997 में प्रकाशित होने पर, उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि और भूमि में या उस पर के अधिकार (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है) उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन, सभी विलंगमों से मुक्त होकर, आत्यंतिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए थे,

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि महानदी कोलफील्ड्स लि., सम्बलपुर (उड़ीसा) कंपनी (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त कंपनी कहा गया है), ऐसे निबंधनों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त अधिरोपित करना उचित समझे, अनुपालन करने के लिए राजामंद है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि इस प्रकार निहित उक्त भूमि और उक्त भूमि में या उस पर के अधिकार, तारीख 1 फरवरी, 1997 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने की बजाय, निम्नलिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त सरकारी कंपनी में निहित हो जाएंगे, अर्थात् :—

- (1) उक्त कंपनी, उक्त अधिनियम के उपबंधनों के अधीन अवधारित प्रतिकर, व्याज, नुकसानी और वैसी ही मर्षों की बाबत किए गए सभी संदायों की केन्द्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति करेगी;
- (2) उक्त कंपनी द्वारा शर्त (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को संदेय रकमों का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण का गठन किया जाएगा तथा ऐसे किसी अधिकरण और ऐसे अधिकरण की सहायता के लिए नियुक्त व्यक्तियों के संबंधों में उपगत सभी व्यय, उक्त कंपनी वहन करेगी और इसी प्रकार, इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के लिए या उनके संबंध में सभी विधिक कार्य-वाहियों, जैसे अपील आदि की बाबत उपगत सभी व्यय भी उक्त सरकारी कंपनी वहन करेगी;
- (3) उक्त कंपनी, केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों की, ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में, जो इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के बारे में, केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों द्वारा या उनके विरुद्ध किन्हीं कार्य-

वाहियों के संबंध में आवश्यक हो, क्षतिपूर्ति करेगी, उक्त कंपनी को, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना, किसी अन्य व्यक्ति को ऊपर पैरा 1 में विनिर्दिष्ट अधिसूचना की अनुसूची में विनिर्दिष्ट अधिकार अन्तर्गत करने की शक्ति नहीं होगी, और

- (5) उक्त कंपनी, ऐसे निदेशों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, जब कभी आवश्यक हो, उक्त भूमि के विनिर्दिष्ट क्षेत्रों के लिए दिए जाएं या अधिरोपित की जाएं, पालन करेगी।

[फा. सं. 43015/1/94-एन.एस.डब्ल्यू.]

प्रेसमानन्द दास, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 2nd July, 1997

S.O. 1724.—Whereas on the publication of the Notification of the Government of India in the Ministry of Coal No. S. O. 222, dated the 21st January, 1997 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 1st February, 1997, issued under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the lands and rights in or over such land described in the Schedule appended to the said Notification (hereinafter referred to as the said lands) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under sub-section (1) of section 10 of the said Act;

And whereas the Central Government is satisfied that the Mahanadi Coalfields Limited, Sambalpur (Orissa) (hereinafter referred to as the Company) is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that the said lands and rights so vested shall, with effect from the 1st day of February 1997, instead of continuing to vest in the Central Government, vest in the Government Company, subject to the following terms and conditions, namely :—

- (1) Company shall reimburse the Central Government all payments made in respect of compensation, interest and damages etc., as determined under the provisions of the said Act ;
- (2) A Tribunal shall be constituted for the purpose of determining the amounts payable to the Central Government by the Company under condition (1) and all expenditure incurred in connection with any such tribunal and persons appointed to assist the tribunal shall be borne by the Company, and, similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeals etc. for on in connection with the rights, in or over the lands, so vesting, shall also be borne by the Company;

(3) The Company shall indemnify the Central Government or its official against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings by or against the Central Government or its officials regarding the rights in or over the lands, so vested :

(4) The Company shall have no power to transfer the rights specified in the Schedule to the Notification referred to in the 1st

paragraph above, to any other person without the prior approval of the Central Government .

(5) The Company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas, of the said lands, as and when necessary.

[No. 43015/1/94-LSW]

FREMANAND DAS, Director

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1997

का.आ. 1725.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 23 दिसम्बर, 1995 में प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. सं. 3307 तारीख 13 दिसम्बर, 1995 द्वारा उक्त अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि में जिस का माप 1556.216 हेक्टर (लगभग) या 1345.41 एकड़ (लगभग) है, कोयले का पूर्वक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी,

और केन्द्रीय सरकार को यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि के भाग में कोयला अभिप्राप्त है,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 606.307 हेक्टर (लगभग) या 1498.185 एकड़ (लगभग) माप की भूमि में या ऐसी भूमि में या उन पर के सभी अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है,

टिप्पण 1 :—इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. एम.सी.एल./एस.एस.एम.बी./सी.जी.एम.सी.पी. एण्ड पी/97/8 तारीख 5 फरवरी, 1997 का निरीक्षण कलेक्टर, अंगुल (उड़ीसा) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, काउंसिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता के कार्यालय में या महानदी कोलफील्ड्स लि. योजना और परियोजना विभाग आनन्द बिहार, बुरला सम्बलपुर-768015 (उड़ीसा) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण 2 :—उक्त अधिनियम की धारा 8 के उपबन्धों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबंध हैं।

अर्जन के प्रति आशेष—

8(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी वास्तव धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिव के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किसी अधिकारों का अर्जन किये जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

स्पष्टीकरण—इस धारा के अर्थान्तर्गत यह आपत्ति नहीं मानी जायेगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिये स्वयं खनन संक्रियाएँ करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएँ केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिये।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जायेगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या किसी ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिये देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिये वह व्यक्ति किसी भूमि में हितवद्ध समझा जायेगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या किसी ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिये जाते हैं।

टिप्पण 3:—केन्द्रीय सरकार ने कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के अधीन अधिसूचना सं. का.भा. 2015, तारीख 10 जुलाई, 1995 के द्वारा सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है।

अनुसूची

कनिहा ब्लॉक

तालचौर कोयला क्षेत्र (हिगुला क्षेत्र)

जिला—अंगुल (उड़ीसा)

समस्त अधिकार

[रेखांक सं. एम सी एल/एस एस एम बी/सी जी एफ/(सी पी एण्ड पी)/
97/8 तारीख 5 फरवरी, 1997]

क्रम सं.	ग्राम	थाना और सं.	तहसील उप मंडल	जिला	क्षेत्र एकड़ में	टिप्पण
1.	कनिहा	कनिहा 60	तालचौर	अंगुल	46.300	भाग
2.	कासमुन्दा	कनिहा 63	तालचौर	अंगुल	196.890	भाग
3.	जयपुर	कनिहा 64	तालचौर	अंगुल	7.590	भाग
4.	शहीत प्रसाद	कनिहा 65	तालचौर	अंगुल	57.210	भाग
5.	जयनिवा	कनिहा 66	तालचौर	अंगुल	13.280	भाग
6.	जरदा	कनिहा 87	तालचौर	अंगुल	535.970	भाग
7.	तेलीसंगा	कनिहा 90	तालचौर	अंगुल	469.165	भाग
8.	पाथरमुन्दा	कनिहा 91	तालचौर	अंगुल	169.780	भाग
योग 1498, 185 एकड़ (लगभग)						या
						606.307 हेक्टर (लगभग)

1. ग्राम कनिहा (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लॉट संख्यांक

965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1148, (P), 1641, 1100/1648, 1100/1652, 1144/1658, 1031/1670, 1031/1671, 1031/1672, 1031/1673, 1041/1678, 1093/1682, 1138/1693, 1009/1703, 1122/1744, 1106/1747, और 964/1777.

2. ग्राम कासमुन्वा (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लॉट सं. :—

1509(P), 1514, 1515, 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1521, 1522, 1523, 1524, 1525, 1526, 1527, 1528, 1529, 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 1536, 1537, 1538, 1539, 1540, 1541, 1542, 1543, 1544, 1545, 1546, 1547, 1548(P), 1551, 1552, 1553, 1554, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560, 1561, 1562, 1563, 1564, 1565, 1566, 1567, 1568, 1569, 1570, 1571, 1572, 1573, 1574, 1575, 1576, 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1589, 1590, 1591, 1592, 1593, 1594, 1595, 1596, 1597, 1598, 1599, 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605, 1606, 1607, 1608, 1609, 1610, 1611, 1612, 1613, 1614, 1615, 1616, 1617, 1618, 1619, 1620, 1621, 1622, 1623, 1624, 1625, 1626, 1627, 1628, 1629, 1630, 1631, 1632, 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638, 1639, 1640, 1641, 1642, 1643, 1644, 1645, 1646, 1647, 1648, 1649, 1650, 1651, 1652, 1653, 1654, 1655, 1656, 1657, 1658, 1659, 1660, 1661, 1662, 1663, 1664, 1665, 1666, 1667, 1668, 1669, 1670, 1671, 1672, 1673, 1674, 1675, 1676, 1677, 1678, 1679, 1680, 1681, 1682, 1683, 1684, 1685, 1686, 1687, 1688, 1689, 1690, 1691, 1692, 1693, 1694, 1695, 1696, 1697, 1698, 1699, 1700, 1701, 1702, 1703, 1704, 1705, 1706, 1707, 1708, 1709, 1710, 1711, 1712, 1713, 1714, 1715, 1716, 1717, 1718, 1719, 1720, 1721, 1722, 1723, 1726, 1737, 1738, 1739, 1740, 1741, 1742, 1743, 1744, 1745, 1751, 1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757, 1760, 1761, 1762, 3962, 3963, 4005, 4006, 4006, 4007, 4008, 4009, 4010, 4011, 4012, 4013, 4017, 4018, 4019, 4020, 4021, 4022, 4023, 4024, 4025, 4026, 4027, 4028, 4029, 4030, 4031, 4032, 4033, 4034, 4035, 4036, 4037, 4038, 4045, 4046, 4047, 4048, 4049, 4050, 4051, 4052, 4053, 4054, 4055, 4056, 4057, 4058, 4059, 4060, 4061, 4062, 4063, 4064, 4065, 4066, 4067, 4068, 4069, 4070, 4071, 4072, 4073, 4074, 4075, 4076, 4077, 4078, 4079, 4080, 4081, 4082, 4083, 4084, 4085, 4086, 4087, 4088, 4089, 4090, 4091, 4092, 4093, 4094, 4095, 4096, 4097, 4098, 4099, 4100, 4101, 4102, 4103, 4104, 4105, 4106, 4107, 4108, 4109, 4110, 4111, 4112, 4113, 4114, 4115, 4116, 4117, 4118, 4119, 4120, 4121, 4122, 4123, 4124, 4125, 4126, 4127, 4128, 4129, 4130, 4131, 4132, 4133, 4134, 4135, 4136, 4137, 4138, 4139, 4140, 4141, 4142, 4143, 4144, 4145, 4146, 4147, 4148, 4149, 4150, 4151, 4152, 4153, 4154, 4155, 4156, 4157, 4158, 4159, 4160, 4161, 4162, 4163, 4164, 4165, 4166, 4167, 4168, 4169, 4170, 4171, 4172, 4173, 4174, 4175, 4176, 4177, 4178, 4179, 4180, 4181, 4182, 4183, 4184, 4185, 4186, 4187, 4188, 4189, 4190, 4191, 4192, 4193, 4194, 4195, 4196, 4197, 4198, 4199, 4200, 4201, 4202, 4203, 4204, 4205, 4206, 4207, 4208, 4209, 4210, 4211, 4212, 4213, 4214, 4215, 4216, 4217, 4218, 4219, 4220, 4221, 4222, 4223, 4224, 4225, 4226, 4227, 4228, 4229, 4230, 4231, 4232, 4233, 4234, 4235, 4236, 4237, 4238, 4239, 4240, 4241, 4242, 4243, 4244, 4245, 4246, 4247, 4248, 4249, 4250, 4251, 4252, 4253, 4254, 4255, 4256, 4257, 4258, 4259, 4260, 4261, 4262, 4263, 4264, 4265, 4266, 4267, 4268, 4269, 4270, 4271, 4272, 4273, 4274, 4275, 4276, 4277, 4278, 4279, 4280, 4281, 4282, 4283, 4284, 4285, 4286, 4287, 4288, 4289, 4290, 4291, 4292, 4293, 4294, 4295, 4296, 4297, 4298, 4299, 4300, 4301, 4302, 4303, 4304, 4305, 4306, 4307, 4308, 4309, 4310, 4311, 4312, 4313, 4314, 4315, 4316, 4317, 4318, 4319, 4320, 4321, 4322, 4323, 4324, 4325, 4326, 4327, 4328, 4329, 4330, 4331, 4332, 4333, 4334, 4335, 4336, 4337, 4338, 4339, 4340, 4341, 4342, 4343, 4344, 4345, 4346, 1532/4351, 1593/4359, 4205/4366, 1755/4368, 1563/4373, 1562/4374, 4076/4381, 4270/4389, 1546/4398, 1688/4400, 4021/4405, 4247/4406, 1735/4412, 1702/4414, 1695/4431, 1695/4432, 1532/4443, 1626/4452, 1627/4453, 4107/4458, 1603/4484, 1679/4485, 1679/4486, 4088/4497, 4067/4516, 4340/4527, 4342/4528, 4346/4529, 4292/4562, 1678/4564, 4288/4567, 1654/4575, 1722/4577, 4249/4283, 1522/4604, 4340/4611, 4337/4613, 4056/4615, 1613/4621, 1603/4631, 1679/4663, 1679/4664, 4069/4665, 4069/4671, 4069/4672, 4067/4678, 4087/4681, 1762/4689, 1762/4690, 1762/4692, 1762/4693, 1762/4694, 1762/4695, 1762/4696, 1762/4697, 1774/4708, 1774/4709, 1631/4710, 4130/4771, 4276/4773, 4276/4774, 4276/4775, 4341/4791, 1683/4796, 1683/4797, 1683/4798, 1709/4827 & 1724/4839,

3. ग्राम जयपुर (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं.

267, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 279/363, 300/376, 300/377, 300/378, 300/379, 300/380, 300/381, 300/382, 300/383, 300/384, 300/385, 300/386, 300/387, 300/388, 300/389, 270/415, 270/416, 270/417, 270/418, 270/419, 270/420, 270/421 & 270/422.

4. ग्राम अर्द्धत प्रसाद (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लॉट सं. :— 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299,

300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579/580, 580/581, 439/536, 247/591, 574/593, 464/595, 399/602, 237/603, 545/604, 559/606, 351/614, 349/615, 443/616, 565/621, 522/622, 293/623, 301/624, 303/625, 215/626, 498/627, 211/635, 377/636, 405/637, 374/638, 411/639, 228/647, 401/650, 431/656, 320/657, 320/658, 249/659, 249/660, 342/661, 319/662, 177/667, 366/670, 366/671, 366/672, 406/673, 406/674, 349/675, 399/676, & 306/677.

5. ग्राम जमानिया (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लॉट सं. — 1, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 40, 41, 42, 43, 48, 49, 50, 51, 57, 59, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 284, 285, 272/485, 230/492, 236/498, 217/505, 231/506, 261/514, 50/518, 50/519, 229/529, 247/534, 253/535, 252/557, 269/574, 269/575, 269/576, 269/577, 269/578, 269/579, 52/591, 267/597, 267/598, 235/609, 230/610, 230/611, 234/612, 234/613, 239/614 & 239/615.

6. ग्राम जरदा (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लॉट सं. :—1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 421, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677

678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150, 1151, 1152, 1153, 1154, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1186, 1187, 1188, 1189, 1190, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1208, 1209, 1210, 1211, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216, 1217, 1218, 1219, 1220, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1226, 1227, 1228, 1229, 1230, 1231, 1232, 1233, 1234, 1235, 1236, 1237, 1238, 1239, 1240, 1241, 1242, 1243, 1244, 1245, 1246, 1247, 1248, 1249, 1250, 1251, 1252, 1253, 1254, 1255, 1256, 1257, 1258, 1259, 1260, 1261, 1262, 1263, 1264, 1265, 1266, 1267, 1268, 1269, 1270, 1271, 1272, 1273, 1274, 1275, 1276, 1277, 1278, 1279, 1280, 1281, 1282, 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298, 1299, 1300, 1301, 1302, 1303, 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1309, 1310, 1311, 1312, 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1344, 1345, 1346, 1347, 1348, 1349, 1350, 1351, 1352, 1353, 1354, 1355, 1356, 1357, 1358, 1359, 1360, 1361, 1362, 1363, 1364, 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370, 1371, 1372, 1373, 1374, 1375, 1376, 1377, 1378, 1379, 1380, 1381, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386, 1387, 1388, 1389, 1390, 1391, 1392, 1393, 1394, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1406, 1407, 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1421, 1422, 1423, 1424, 1425, 1426, 1427, 1428, 1429, 1430, 1431, 1432, 1433, 1434, 1435, 1436, 1437, 1438, 1439, 1440, 1441, 1442, 1443, 1444, 1445, 1446, 1447, 1448, 1449, 1450, 1451, 1452, 1453, 1454, 1455, 1456, 1457, 1458, 1459, 1460, 1461, 1462, 1463, 1464, 1465, 1466, 1467, 1468, 1469, 1470, 1471, 1472, 1473, 1474, 1475, 1476, 1477, 1478, 1479, 1480, 1481, 1482, 1483, 1484, 1485, 1486, 1487, 1488, 1489, 1490, 1491, 1492, 1493, 1494, 1495, 1496, 1497, 1498, 1499, 1500, 1501, 1502, 1503, 1504, 1505, 1506, 1507, 1508, 1509, 1510, 1511, 1512, 1513, 1514, 1515, 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1521, 1522, 1523, 1524, 1525, 1526, 1527, 1528, 1529, 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 1536, 1537, 1538, 1539, 1540, 1541, 1542, 1543, 1544, 1545, 1546, 1547, 1548, 1549, 1550, 1551, 1552, 1553, 1554, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560, 1561, 1562, 1563, 1564, 1565, 1566, 1567, 1568, 1569, 1570, 1571, 1572, 1573, 1574, 1575, 1576, 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1589, 1590, 1591, 1592, 1593, 1594, 1595, 1596, 1597, 1598, 1599, 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605, 1606, 1607, 1608, 1609, 1610, 1611, 1612, 1613, 1614, 1615, 1616, 1617, 1618, 1619, 1620, 1621, 1622, 1623, 1624, 1625, 1626, 1627, 1628, 1629, 1630, 1709(P), 1710, 1711, 1712, 1713, 1714, 1715, 1716, 1717, 1718, 1719, 1720, 1721, 1722, 1723, 1724, 1725, 1726, 1727, 1728, 1729, 1730, 1731, 1732, 1733, 1734, 1735, 1736, 1737, 1738, 1739, 1740, 1741, 1742, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1750, 1751, 1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757, 1758, 1759, 1760, 1761, 1762, 1763, 1764, 1765, 1766, 1767, 1768, 1769, 1770, 1771, 1772, 1773, 1774, 1775, 1776, 1777, 1778, 1779, 1780, 1781, 1782, 1783, 1784, 1785, 1786, 1787, 1788, 1789, 1790, 1791, 1792, 1793, 1794, 1795, 1796, 1797, 1798, 1799, 1800, 1801, 1802, 1803, 1804, 1850,

1806, 1807, 1808, 1809, 1810, 1811, 1812, 1813, 1814, 1815, 1816, 1817, 1818, 1819, 1820, 1821, 1822, 1823, 1824, 1825, 1826, 1827, 1828, 1829, 1830, 1831, 1832, 1833, 1834, 1835, 1836, 1837, 1838, 1839, 1840, 1841, 1842, 1843, 1844, 1845, 1846, 1847, 1848, 1849, 1850, 1851, 1852, 1853, 1854, 1855, 1856, 1857, 1858, 1859, 1860, 1861, 1862, 1863, 1864, 1865, 1866, 1867, 1868, 1869, 1870, 1871, 1872, 1873, 1874, 1875, 1876, 1877, 1878, 1879, 1880, 1881, 1882, 1883, 1884, 1885, 1886, 1887, 1888, 1889, 1890, 1891, 1892, 1893, 1894, 1895, 1896, 1897, 1898, 1899, 1900, 1901, 1902, 1903, 1904, 1905, 1906, 1907, 1908, 1909, 1910, 1911, 1912, 1913, 1914, 1915, 1916, 1917, 1918, 1919, 1920, 1921, 1922, 1923, 1924, 1925, 1926, 1927, 1928, 1929, 1930, 1931, 1932, 1933, 1934, 1935, 1936, 1937, 1938, 1939, 1940, 1941, 1942, 1943, 1944, 1945, 1946, 1947, 1948, 1949, 1950, 1951, 1952, 1953, 1954, 1955, 1956, 1957, 1958, 1959, 1960, 1961, 1962, 1963, 1964, 1965, 1966, 1967, 1968, 1969, 1970, 1971, 1972, 1973, 1974, 1975, 1976, 1977, 1978, 1979, 1980, 1981, 1982, 1983, 1984, 1985, 1986, 1987, 1988, 1989, 1990, 1991, 1992, 1993, 1994, 1995, 1996, 1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625,

2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 2680, 2681, 2682, 2683, 2684, 2685, 2686, 2687, 2688, 2689, 2690, 2691, 2692, 2693, 2694, 2695, 2696, 2697, 2698, 2699, 2700, 2701, 2702, 2703, 2704, 2705, 2706, 2707, 2708, 2709, 2710, 2711, 2712, 2713, 2714, 2715, 2716, 2717, 2718, 2719, 2720, 2721, 2722, 2723, 2724, 2725, 2726, 2727, 2728, 2729, 2730, 2731, 2732, 2733, 2734, 2735, 2736, 2737, 2738, 2739, 2740, 2741, 2742, 2743, 2744, 2745, 2746, 2747, 2748, 2749, 2750, 2751, 2752, 2753, 2754, 2755, 2756, 2757, 2758, 2759, 2760, 2761, 2762, 2763, 2764, 2765, 2766, 2767, 2768, 2769, 2770, 2771, 2772, 2773, 2774, 2775, 2776, 2777, 2778, 2779, 2780, 2781, 2782, 2783, 2784, 2785, 2786, 2787, 2788, 2789, 2790, 2791, 2792, 2793, 2794, 2795, 2796, 2797, 2798, 2799, 2800, 2801, 2802, 2803, 2804, 2805, 2806, 2807, 2808, 2809, 2810, 2811, 2812, 2813, 2814, 2815, 2816, 2817, 2818, 2819, 2820, 2821, 2822, 2823, 2824, 2825, 2826, 2827, 2828, 2829, 2830, 2831, 2832, 2833, 2834, 2835, 2836, 2837, 2838, 2839, 2840, 2841, 2842, 2843, 2844, 2845, 2846, 2847, 2848, 2849, 2850, 2851, 2852, 2853, 2854, 2855, 2856, 2857, 2858, 2859, 2860, 2861, 2862, 2863, 2864, 2865, 2866, 2867, 2868, 2869, 2870, 2871, 2872, 2873, 2874, 2875, 2876, 2877, 2878, 2879, 2880, 2881, 2882, 2883, 2884, 2885, 2886, 2887, 2888, 2889, 2890, 2891, 2892, 2893, 2894, 2895, 2896, 2897, 2898, 2899, 2900, 2901, 2902, 2903, 2904, 2905, 2906, 2907, 2908, 2909, 2910, 2911, 2912, 2913, 2914, 2915, 2916, 2917, 2918, 2919, 2920, 2921, 2922, 2923, 2924, 2925, 2926, 2927, 2928, 2929, 2930, 2931, 2932, 2933, 2934, 2935, 2936, 2937, 2938, 2939, 2940, 2941, 2942, 2943, 2944, 2945, 2946, 2947, 2948, 2949, 2950, 2951, 2952, 2953, 2954, 2955, 2956, 2957, 2958, 2959, 2960, 2961, 2962, 2963, 2964, 2965, 2966, 2967, 2968, 2969, 2970, 2971, 2972, 2973, 2974, 2975, 2976, 2977, 2978, 2979, 2980, 2981, 2982, 2983, 2984, 2985, 2986, 2987, 2988, 2989, 2990, 2991, 2992, 2993, 2994, 2995, 2996, 2997, 2998, 2999, 3000, 3001, 3002, 3003, 3004, 3005, 3006, 3007, 3008, 3009, 3010, 3011, 3012, 3013, 3014, 3015, 3016, 3017, 3018, 3019, 3020, 3021, 3022, 3023, 3024, 3025, 3026, 3027, 3028, 3029, 3030, 3031, 3032, 3033, 3034, 3035, 3036, 3037, 3038, 3039, 3040, 3041, 3042, 3043, 3044, 3045, 3046, 3047, 3048, 3049, 3050, 3051, 3052, 3053, 3054, 3055, 3056, 3057, 3058, 3059, 3060, 3061, 3062, 3063, 3064, 3065, 3066, 3067, 3068, 3069, 3070, 3071, 3072, 3073, 3074, 3075, 3076, 3077, 3078, 3079, 3080, 3081, 3082, 3083, 3084, 3085, 3086, 3087, 3088, 3089, 3090, 3091, 3092, 3093, 3094, 3095, 3096, 3097, 3098, 3099, 3100, 3101, 3102, 3103, 3104, 3105, 3106, 3107, 3108, 3109, 3110, 3111, 3112, 3113, 3114, 3115, 3116, 3117, 3118, 3119, 3120, 3121, 3122, 3123, 3124, 3125, 3126, 3127, 3128, 3129, 3130, 3131, 3132, 3133, 3134, 3135, 3136, 3137, 3138, 3139, 3140, 3141, 3142, 3143, 3144, 3145, 3146, 3147, 3148, 3149, 3150, 3151, 3152, 3153, 3154, 3155, 3156, 3157, 3158, 3159, 3160, 3161, 3162, 3163, 3164, 3165, 3166, 3167, 3168, 3169, 3170, 3171, 3172, 3173, 3174, 3175, 3176, 3177, 3178, 3179, 3180, 3181, 3182, 3183, 3184, 3185, 3186, 3187, 3188, 3189, 3190, 3191, 3192, 3193, 3194, 3195, 3196, 3197, 3198, 3199, 3200, 3201, 3202, 3203, 3204, 3205, 3206, 3207, 3208, 3209, 3210, 3211, 3212, 3213, 3214, 3215, 3216, 3217, 3218, 3219, 3220, 3221, 3222, 3223, 3224, 3225, 3226, 3227, 3228, 3229, 3230, 3231, 3232, 3233, 3234, 3235, 3236, 3237, 3238, 3239, 3240, 3241, 3242, 3243, 3244, 3245, 3246, 3247, 3248, 3249, 3250, 3251, 3252, 3253, 3254, 3255, 3256, 3257, 3258, 3259, 3260, 3261, 3262, 3263, 3264, 3265, 3266, 3267, 3268, 3269, 3270, 3271, 3272, 3273, 3274, 3275, 3276, 3277, 3278, 3279, 3280, 3281, 3282, 3283, 3284, 3285, 3286, 3287, 3288, 3289, 3290, 3291, 3292, 3293, 3294, 3295, 3296, 3297, 3298, 3299, 3300, 3301, 3302, 3303, 3304, 3308, 3743, 3744, 3745, 3749, 3750, 3769, 3770, 3771, 3772, 3773, 3776, 634/3806, 2108/3809, 3182/3811, 2898/3812, 434/3815, 440/3819, 1062/3822, 1479/3823, 35/3826, 620/3829, 1221/3830, 2499/3831, 207/3832, 2206/3833, 61/3834, 1342/3835, 57/3837, 181/3838, 1433/3839, 209/3841, 1784/3842, 1434/3843, 2203/3845, 2406/3848, 2271/3851, 91/3852, 2410/3853, 1158/3855, 6/3856, 2041/3857, 382/3859, 3304/3861, 88/3864, 458/3865, 459/3866, 460/3867, 1819/3868, 3074/3870, 179/3872

593/3873, 1986/3874, 1135/3875, 2244/3876, 2480/3877, 54/3878, 284/3879, 2092/3880, 377/3881, 3060/3882, 356/3883, 31/3884, 31/3885, 31/3886, 31/3887, 31/3888, 30/3889, 92/3890, 111/3891, 111/3892, 111/3893, 89/3894, 246/3895, 339/3896, 1867/3897, 1865/3898, 2420/3899, 6/3900, 2093/3901, 2096/3902, 2031/3903, 2558/3904, 1344/3907, 3744/3909, 2523/3910, 1096/3911, 1780/3912, 2259/3913, 2209/3914, 2084/3915, 1992/3916, 678/3917, 1527/3918, 1527/3919, 476/3921, 138/3923, 139/3924, 2765/3926, 2765/3927, 895/3928, 476/3929, 476/3930, 476/3931, 476/3932, 2088/3933, 2394/3935, 165/3936, 17/3937, 2150/3938, 3002/3939, 1708/3944, 69/3946, 145/3947, 725/3948, 79/3949, 503/3950, 503/3951, 523/3952, 1253/3953, 1287/3954, 1717/3955, 1717/3956, 1717/3957, 1946/3958, 2608/3959, 2608/3960, 2598/3961, 2598/3962, 79/3963, 1895/3964, 1895/3965, 1895/3966, 2482/3967, 3102/3976, 3102/3977, 2496/3978, 2469/3979, 2408/3980, & 2408/3981.

7. ग्राम तेलीसिंगा (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लॉट सं. :—

1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812,

842, 843, 872, 873, 877, 878, 879, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150, 1151, 1152, 1153, 1154, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1186, 1187, 1188, 1189, 1190, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1208, 1209, 1210, 1211, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216, 1217, 1218, 1219, 1220, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1226, 1227, 1228, 1229, 1230, 1231, 1232, 1233, 1234, 1235, 1236, 1237, 1238, 1239, 1240, 1241, 1242, 1243, 1244, 1245, 1246, 1247, 1248, 1249, 1250, 1251, 1252, 1253, 1254, 1255, 1256, 1257, 1258, 1259, 1260, 1261, 1262, 1263, 1264, 1265, 1266, 1267, 1268, 1269, 1270, 1271, 1272, 1273, 1274, 1275, 1276, 1277, 1278, 1279, 1280, 1281, 1282, 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298, 1299, 1300, 1301, 1302, 1303, 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1309, 1310, 1311, 1312, 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1344, 1345, 1346, 1347, 1348, 1349, 1350, 1351, 1352, 1353, 1354, 1355, 1356, 1357, 1358, 1359, 1360, 1361, 1362, 1363, 1364, 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370, 1371, 1372, 1373, 1374, 1375, 1376, 1377, 1378, 1379, 1380, 1381, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386, 1387, 1388, 1389, 1390, 1391, 1392, 1393, 1394, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1406, 1407, 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1421, 1422, 1423, 1424, 1425, 1426, 1427, 1428, 1429, 1430, 1431, 1432, 1433, 1434, 1435, 1436, 1437, 1438, 1439, 1440, 1441, 1442, 1443, 1444, 1445, 1446, 1447, 1448, 1449, 1450, 1451, 1452, 1453, 1454, 1455, 1456, 1457, 1458, 1459, 1460, 1461, 1462, 1463, 1464, 1465, 1466, 1467, 1468, 1469, 1470, 1471, 1472, 1473, 1474, 1475, 1476, 1477, 1478, 1479, 1480, 1487, 1488, 1489, 1490, 1491, 1492, 1493, 1494, 1495, 1496, 1530(P), 1536, 1537, 1538, 1539, 1540, 1541, 1542, 1543, 1544, 1545, 1546, 1547, 1548, 1549, 1550, 1551, 1552, 1553, 1554, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560, 1561, 1562, 1563, 1564, 1565(P), 1566(P), 1567, 1568, 1569, 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1589, 1590, 1591, 1592, 1593, 1594, 1595, 1596, 1597, 1598, 1599, 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605, 1606, 1607, 1608, 1609, 1610, 1611, 1612, 1613, 1614, 1615, 1616, 1617, 1618, 1619, 1620, 1621, 1622, 1623, 1624, 1625, 1626, 1627, 1628, 1629, 1630, 1631, 1632, 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638, 1639, 1640, 1641, 1642, 1643, 1644, 1645, 1646, 1647, 1648, 1649, 1650, 1651, 1652, 1653, 1654, 1655, 1656, 1657, 1658, 1659, 1660, 1661, 1662, 1663, 1664, 1665, 1666, 1667, 1668, 1669, 1670, 1671, 1672, 1673, 1674, 1675, 1676, 1677, 1678, 1679, 1680, 1681, 1682, 1683, 1684, 1685, 1686, 1687, 1688, 1689, 1690, 1691, 1692, 1693, 1694, 1695, 1696, 1697, 1698, 1699, 1700, 1701, 1702, 1703, 1704, 1705, 1706, 1707, 1708, 1709, 1710, 1711, 1712, 1713, 1714, 1715, 1716, 1717, 1718, 1719, 1720, 1721, 1722, 1723, 1724, 1725, 1726, 1727, 1728, 1729, 1730, 1731, 1732, 1733, 1734, 1735, 1736, 1737, 1738, 1739, 1740, 1741, 1742, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1750, 1751, 1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757, 1758, 1759, 1760, 1761, 1762, 1763, 1764, 1765, 1766, 1767, 1768, 1769, 1770, 1771, 1772, 1773, 1774, 1775, 1776, 1777, 1778, 1779, 1780, 1781, 1782, 1783, 1784, 1785, 1786, 1787, 1788, 1789, 1790, 1791, 1792, 1793, 1794, 1795, 1796, 1797, 1798, 1799, 1800, 1801, 1802, 1803, 1804, 1805, 1806, 1807, 1808, 1809, 1810, 1811, 1812, 1813, 1814, 1815, 1816, 1817, 1818, 1819, 1820, 1821, 1822, 1823, 1824, 1825, 1826, 1827, 1828, 1829, 1830, 1831, 1832, 1833, 1834, 1835, 1836, 1837, 1838, 1839, 1840, 1841, 1842, 1843, 1844, 1845, 1846, 1847, 1848, 1849, 1850, 1851, 1852, 1853, 1854, 1855, 1856, 1857,

1858, 1859, 1860, 1861, 1862, 1863, 1864, 1865, 1866, 1867, 1868, 1869, 1870, 1871, 1872, 1873, 1874, 1875, 1876, 1877, 1878, 1879, 1880, 1881, 1882, 1883, 1884, 1885, 1886, 1887, 1888, 1889, 1890, 1891, 1892, 1893, 1894, 1895, 1896, 1897, 1898, 1899, 1900, 1901, 1902, 1903, 1904, 1905, 1906, 1907, 1908, 1909, 1910, 1911, 1912, 1913, 1914, 1915, 1916, 1917, 1918, 1919, 1920, 1921, 1922, 1923, 1924, 1925, 1926, 1927, 1928, 1929, 1930, 1931, 1932, 1933, 1934, 1935, 1936, 1937, 1938, 1939, 1940, 1941, 1942, 1943, 1944, 1945, 1946, 1947, 1948, 1949, 1950, 1951, 1952, 1953, 1954, 1955, 1956, 1957, 1958, 1959, 1960, 1961, 1962, 1963, 1964, 1965, 1966, 1967, 1968, 1969, 1970, 1971, 1972, 1973, 1974, 1975, 1976, 1977, 1978, 1979, 1980, 1981, 1982, 1983, 1984, 1985, 1986, 1987, 1988, 1989, 1990, 1991, 1992, 1993, 1994, 1995, 1996, 1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2207, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2255, 2256, 2257(P), 2258, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 1639/2491, 659/2492, 2311/2494, 1745/2495, 842/2497, 150/2498, 195/2499, 195/2500, 1315/2501, 1336/2502, 1807/2515, 1414/2516, 1495/2517, 966/2520, 1326/2521, 1568/2523, 755/2524, 435/2525, 14/2526, 1963/2534, 961/2535, 1484/2536, 1487/2538, 1548/2539, 1551/2540, 1339/2541, 1230/2542, 1230/2543, 1230/2544, 45/2548, 45/2549, 45/2550, 45/2551, 45/2552, 746/2553, 45/2554, 45/2555, 319/2556, 45/2557, 45/2558, 119/2559, 45/2560, 168/2561, 1487/2563, 163/2564, 45/2566, 282/2567, 169/2569, 721/2570, 990/2571, 1325/2572, 746/2573, 993/2574, 1643/2575, 758/2577, 1027/2581, 1025/2582, 1025/2583, 1025/2584, 1847/2585, 1847/2586, 982/2587, 982/2588, 1232/2590, 490/2600, 1423/2601, 273/2602, 395/2604, 395/2605, 395/2606, 45/2607, 45/2608, 45/2609, 126/2610, 126/2611, 126/2612, 1448/2613, 1251/2614, 1338/2615, 1338/2616, 1338/2617, 134/2618, 143/2619, 1343/2620, 1343/2621, 1343/2622, 1343/2623, 1343/2624, 1343/2625, 1343/2626, 1873/2627, 2210/2628, 2210/2629, 2210/2630, 2210/2631, 1826/2634, 1826/2635, 1826/2636, 796/2637, 574/2639, 574/2640, 291/2641, 1591/2642, 1591/2643, 1591/2644, 746/2645, 746/2646, 746/2647, 317/2648, 317/2649, 417/2650, 417/2651, 733/2652, 810/2653 & 761/2654.

8. ग्राम पाथरमुन्दा (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लॉट सं. :—

1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 389, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 580, 581, 582, 583, 585, 587, 604(P), 7/3168, 312/3188, 59/3189, 133/3190, 142/3191, 129/3196, 148/3200, 147/3201, 66/3213, 84/3214, 131/3220, 131/3221, 123/3222, 10/3226, 50/3230, 580/3231, 582/3233, 583/3234, 302/3239, 13/3246, 302/3257, 583/3259, 604/3261, 129/3263, 302/3271, 414/3274, 129/3275, 193/3279, 190/3280, 145/3282, 376/3283, 129/3286, 120/3291, 1/3292, 302/3293, 120/3294, 144/3297, 319/3305, 36/3311, 36/3312, 193/3313, 193/3314, 85/3315, 85/3316, 79/3322, 79/3323, 88/3324, 88/3325, 45/3330, 45/3331 & 89/3332.

सीमा वर्णन

क ख :

रेखा, ग्राम कनिहा और कंसमुन्दा की भागत: सम्मिलित सीमा के "क" बिन्दु से आरंभ होती है। तब यह प्लॉट सं. 1509 से होकर जाती है और प्लॉट सं. 1515 और 1514 की पश्चिमी सीमा के साथ आगे बढ़ती है तथा प्लॉट सं. 1545 से होकर जाती है और प्लॉट सं. 1548 की भागत: पश्चिमी और दक्षिणी सीमा से होकर जाती है। तब यह प्लॉट सं. 1552 और 1551 की पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 1560 की भागत: पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 4697 और 4695 की उत्तरी सीमा है और तब प्लॉट सं. 4594 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा के साथ जाती है। तब यह प्लॉट सं. 4689, 4690 और 1762 की पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 4709 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 4708 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 1759 की भागत: उत्तरी सीमा के साथ जाती है। तब यह प्लॉट सं. 1682 और 1757 की उत्तरी सीमा और भागत: पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 1751 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 1752 की भागत: पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 1745 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 1741 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 1740 की उत्तरी और भाग पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 1737 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा प्लॉट संख्या 1706 की भागत: पश्चिमी सीमा प्लॉट सं. 4412 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 1707 की पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 1713 की भागत: उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 1726 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 1721 की भागत: उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 4577 की पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 4839 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 1974 की भागत: उत्तरी सीमा के साथ जाती है और प्लॉट सं. 1974 को पार करती है। तब यह प्लॉट सं. 4060 की उत्तरी और भागत: पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 3962 की भागत: उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 3963 की पूर्वी और उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 3962 की भागत: पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 3903 की पूर्वी उत्तरी और पश्चिमी सीमा प्लॉट सं. 3982 की भागत: पश्चिमी सीमा प्लॉट सं. 4615 की पश्चिमी सीमा और प्लॉट सं. 4615 और 4055 की पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 4047 और 4046 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 4015 की पश्चिमी और भागत: दक्षिणी सीमा और प्लॉट सं. 4050 की भागत: पश्चिमी सीमा के साथ बढ़ती है। तब रेखा प्लॉट सं. 4038 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 4036 की भागत: पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 4026 और 4024 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा के साथ बि. प्लॉट सं. 4017, 4013, 4011, 4010, 4005 और 4004 की पश्चिमी सीमा, के साथ बढ़ती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख-ख 1-ग-ग 1-घ :

रेखा ग्राम जयपुर और कंसमुन्दा की भागत: सम्मिलित ग्राम सीमा पर से जाती है और "ख" बिन्दु पर मिलती है तब यह ग्राम जयपुर के प्लॉट सं. 415, 417, 270, 419, 422 और 287 की पश्चिमी सीमा के साथ जाती है और "ग" बिन्दु पर मिलती है। तब ग्राम जयपुर और अदायत प्रसाद की भागत: सम्मिलित ग्राम सीमा से होते हुए "ग" बिन्दु तक जाती है तब यह ग्राम अदायत प्रसाद के प्लॉट सं. 287, 288, 289, 290, 291, 255, 254, 179, 178, 177, 607, 186 और 185 की पश्चिमी सीमा के साथ जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ-घ 1-ङ :

रेखा अदायत प्रसाद और भाला, पाजी, अदायत प्रसाद और जमनिडा की सम्मिलित ग्राम सीमा से होकर जाती है। तब यह प्लॉट सं. 25 की पश्चिमी और दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 26 की दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 27 की पश्चिमी और दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 29 की भागत: पश्चिमी, दक्षिणी और भागत: पूर्वी सीमा, प्लॉट सं. 39 की दक्षिणी और भागत: पूर्वी सीमा और : प्लॉट सं. 40 और 41 की दक्षिणी सीमा के साथ जाती है तब रेखा प्लॉट सं. 42 की भागत: पश्चिमी और दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 43 और 48 की दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 49 की दक्षिणी और भागत: पूर्वी सीमा, प्लॉट सं. 50, 519 और 518 की दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 51 की भागत: पश्चिमी और दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 591 और 57 की पश्चिमी और दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 59 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा, प्लॉट सं. 359 की भागत: दक्षिणी सीमा के साथ जाती है और तब प्लॉट सं. 359 को पार कर सकती है। तब यह प्लॉट सं. 237, 615, 239 और 614 की दक्षिणी सीमा प्लॉट सं. 276 की भागत:

पश्चिमी और दक्षिणी सीमा प्लाट सं. 284, 285, 288, 598 और 597 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 287 की पश्चिमी और दक्षिणी सीमा और प्लाट सं. 286 और 285 की दक्षिणी सीमा से होकर जाती है और "ऊ" बिन्दु पर मिलती है।

ड-ब :

रेखा, ग्राम जमनिया और जरदा की भाग सम्मिलित ग्राम सीमा पर से जाती है। तब प्लाट सं. 1572, 1576, 1577, 1587, 1597, 1598, 1605, 1608, 1619, 1620, 1623 और 1624 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 1626 की भागतः पश्चिमी और दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 1630 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 1510 की भागतः पश्चिमी और दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 1509 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 1710 की भागतः पश्चिमी सीमा और प्लाट 1711 की दक्षिणी सीमा के साथ ग्राम जरदा से होते हुए जाती है तब यह प्लाट सं. 1709 को पार करती है और प्लाट सं. 3271, 3272, 3282, 3283, 3302 और 3304 की पश्चिमी सीमा प्लाट सं. 3861 की पश्चिमी और दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 3303 की भागतः दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 3308 की पश्चिमी और दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 3294, 3293 और 3292 की दक्षिणी सीमा के साथ चलती है और "ब" बिन्दु पर मिलती है।

रेखा प्लाट सं. 3242, 3241, 3234, 3233, 3232, 3228, 3215, 3184, 3183, 3181, 3180, 3179, 3177, 3176, 3173, 3172, 3166, 3165, 3162, 3161, 3157, 3156, 3150, 3142 और 3141 की दक्षिणी सीमा के साथ जाती है और प्लाट सं. 3080 को पार करती है। तब यह प्लाट सं. 3087, 3074, 3967, 3066 और 3063 की दक्षिणी सीमा प्लाट सं. 3062 की दक्षिणी सीमा, और प्लाट सं. 3053 की दक्षिणी सीमा, 3033, 3032 और 3031 प्लाट की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 3743 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 3745 की पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 2520 की भागतः दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 3749 की पश्चिमी और दक्षिणी सीमा और प्लाट सं. 3750 की भागतः पूर्वी सीमा के साथ चलती है तब यह प्लाट सं. 3769, 3770, 3773 और 3776 की दक्षिणी सीमा के साथ जाती है और बिन्दु "छ" पर मिलती है।

छ-ज-म :

रेखा ग्राम जरदा और तेलीसिवा की भागतः सम्मिलित सीमा के साथ जाती है तब यह प्लाट सं. 1493, 1492, 1491, 2600 और 1490 की दक्षिणी सीमा के साथ प्लाट सं. 2538, 2563, 1487, 1478, 1479 और 1480 की पश्चिमी और दक्षिणी सीमा के साथ ग्राम तेलीसिवा से होकर जाती है और तब प्लाट सं. 1565 और 1530 से होते हुए जाती है। तब रेखा प्लाट सं. 1536, 1537 और 1538 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 1562 की भागतः पश्चिमी दक्षिणी और पूर्वी भाग सीमा के साथ जाती है और तब रेखा प्लाट सं. 1566 से होते हुए जाती है और प्लाट सं. 1569 और 1577 की दक्षिणी सीमा के साथ चलती है। तब रेखा प्लाट सं. 1581 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 1580 की पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 1583, 2271 और 2270 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 2269 और 2267 की दक्षिणी और भागतः पूर्वी सीमा और प्लाट सं. 2258 की दक्षिणी सीमा के साथ आगे बढ़ती है। तब यह प्लाट सं. 2257 से होकर जाती है और बिन्दु "ज" पर मिलती है। तब यह प्लाट सं. 2255 की पूर्वी सीमा के साथ जाती है, प्लाट सं. 2236, प्लाट सं. 2217, 2216, 2214, 2213, 2212, 2211 की पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 2631 की पूर्वी और उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 2209 की भागतः उत्तरी सीमा प्लाट सं. 1877 की पूर्वी सीमा प्लाट सं. 1912 की भागतः दक्षिणी पूर्वी और भागतः उत्तरी सीमा प्लाट सं. 1913, 1994, 1995, 1996, 2019 और 2010 की पूर्वी सीमा प्लाट सं. 942 की भागतः दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 879 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 878, 877 और 873 की पूर्वी सीमा से होकर जाती है। फिर प्लाट सं. 873 और 872 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 843 और 842 की भागतः पश्चिमी और दक्षिणी सीमा प्लाट सं. 2497 की भागतः पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 812, 811, 2653 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 810 और 808 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा से होकर जाती है और बिन्दु "म" पर मिलती है।

स-ज-व-ठ-ड :

रेखा सेलीसिहा और आम्बापाल, सेलीसिहा और बिजगोल ग्रामों की भागत: सम्मिलित सीमा के साथ जाती है और बिन्दु "ज" पर मिलती है जो कि बिजगोल, लोधीबांधा और सेलीसिहा ग्रामों का तिराहा बिन्दु है। फिर यह प्लॉट सं. 806 की भागत: उत्तरी सीमा के साथ जाती है और बिन्दु "ट" पर मिलती है। फिर यह प्लॉट सं. 722 की पूर्वी सीमा प्लॉट सं. 770 की पूर्वी और भागत: उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 727 की पूर्वी सीमा और सेलीसिहा ग्राम के प्लॉट सं. 726 की भागत: दक्षिणी, पूर्वी और उत्तरी सीमा के साथ जाती है और बिन्दु "ठ" पर मिलती है जो कि सेलीसिहा और पाथरमुण्डा ग्रामों का दोराहा बिन्दु है। फिर रेखा सेलीसिहा और पाथरमुण्डा ग्रामों की भागत: सम्मिलित सीमा के साथ जाती है और बिन्दु "ड" पर मिलती है।

ड-ढ-ण-त-थ-द :

रेखा प्लॉट सं. 323, 325, 318, 137, 2648 और 2649 की पश्चिमी सीमा के साथ जाती है। फिर प्लॉट सं. 3091 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ और फिर प्लॉट सं. 291 की भागत: पूर्वी उत्तरी और पश्चिमी सीमा और फिर प्लॉट सं. 2641 की भागत: पूर्वी सीमा के साथ जाती है और बिन्दु "ब" पर मिलती है। तब रेखा प्लॉट सं. 290, 289 और 280 की उत्तरी सीमा फिर प्लॉट सं. 279 की पूर्वी और उत्तरी सीमा के साथ और फिर प्लॉट सं. 45 और 25, 48 भागत: पूर्वी सीमा, और प्लॉट सं. 320 की भागत: पूर्वी और उत्तरी सीमा के साथ जाती है। फिर प्लॉट सं. 2556 और 321 की पूर्वी और उत्तरी सीमा के साथ जाती है तथा सेलीसिहा और पाथरमुण्डा ग्रामों की सम्मिलित सीमा के "ण" बिन्दु पर मिलती है। फिर रेखा सेलीसिहा और पाथरमुण्डा ग्रामों की भागत: सम्मिलित सीमा के साथ "त" बिन्दु तक जाती है। फिर यह प्लॉट सं. 3291 और 3294 की पूर्वी उत्तरी और उत्तरी पश्चिमी के साथ पाथरमुण्डा ग्राम से होकर जाती है और बिन्दु "थ" पर मिलती है। रेखा इन ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ बिन्दु "द" तक जाती है।

द-ध-न-प :

रेखा प्लॉट सं. 116, 118, 119 और 106 की पूर्वी सीमा और प्लॉट सं. 105 की भागत: दक्षिणी, पूर्वी और उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 94 की पूर्वी सीमा, प्लॉट सं. 93 की पूर्वी और भागत: उत्तरी सीमा और प्लॉट सं. 92, 91, 89, 3332, 3325, 88, 3324, 70, 68, 3213, 65 और 61 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 136 और 3222 की भागत: पूर्वी सीमा प्लॉट सं. 136 की भागत: पूर्वी सीमा प्लॉट सं. 137 की दक्षिणी और भागत: पूर्वी सीमा, प्लॉट सं. 3196 की दक्षिणी सीमा प्लॉट सं. 3191 की भागत: पश्चिमी दक्षिणी सीमा प्लॉट सं. 3282 की दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 3275 की पश्चिमी सीमा और प्लॉट सं. 3286 और 3283 की पश्चिमी और दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है। फिर रेखा प्लॉट सं. 289, 291, 292, 295, 296, 297, 298 और 299 की पश्चिमी सीमा के साथ प्लॉट सं. 301 की पश्चिमी और दक्षिणी, पूर्वी सीमा के साथ-साथ भागे बढ़ती है और बिन्दु "ध" पर मिलती है। फिर प्लॉट सं. 301 और 300 की पूर्वी सीमा, फिर प्लॉट सं. 3257 की दक्षिणी पूर्वी और उत्तरी सीमा प्लॉट सं. 288, 287, 286 और 284 की पूर्वी सीमा प्लॉट सं. 272, 271, 270, 3188 और 321 की दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 322, 323, 324, और 325 की पश्चिमी सीमा प्लॉट सं. 326 की भागत: उत्तरी सीमा प्लॉट सं. 327 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 3297 की उत्तरी पश्चिमी और दक्षिणी सीमा प्लॉट सं. 3239 की दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 334 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा, प्लॉट सं. 336 और 337 की पूर्वी सीमा, प्लॉट सं. 340 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा, प्लॉट सं. 341 की दक्षिणी सीमा, प्लॉट सं. 3271 की पश्चिमी, दक्षिणी और पूर्वी सीमा और प्लॉट सं. 355 की भागत: दक्षिणी और पूर्वी सीमा के साथ जाती है और बिन्दु "न" पर मिलती है। फिर यह प्लॉट सं. 604 को पार करती है और प्लॉट सं. 604 की भागत: पूर्व सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "प" पर मिलती है।

प-फ-ब-क :

रेखा प्लॉट सं. 441 की भागत: उत्तरी सीमा, फिर प्लॉट सं. 587 की पूर्वी उत्तरी और भागत: पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 385, 383, 3259, 3234 और 3231 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 452 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 183 की भागत: उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 181 की भागत: पूर्वी सीमा प्लॉट सं. 3190 की दक्षिणी, पूर्वी और उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 178, 177 और 176 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 175 और 142 की उत्तरी और भागत: पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 3196 का उत्तरी और पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती

है और पाथेरमुण्डा और कानिहा ग्रामों की सम्मिलित ग्राम सीमा के बिन्दु "क" पर मिलती है। फिर रेखा प्लॉट सं. 1641 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है, फिर प्लॉट सं. 1143 को पार करती है, और प्लॉट सं. 1146 की उत्तरी और भागत पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 1009 और 1008 की उत्तरी सीमा, प्लॉट सं. 1020 और 1021 की उत्तरी और भागत पश्चिमी सीमा, प्लॉट सं. 1026, 1027, 979 और 980 की उत्तरी सीमा प्लॉट सं. 981 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, ग्राम कानिहा के प्लॉट सं. 1777 की पूर्वी उत्तरी और भागत पश्चिमी सीमा के साथ जाती है और कानिहा और कांसमुण्डा ग्रामों की सम्मिलित सीमा पर बिन्दु "व" पर मिलती है। फिर कानिहा और कांसमुण्डा ग्रामों की भागत सम्मिलित ग्राम सीमा के साथ साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[फा.सं. 43015/16/95—मल.एम. डब्ल्यू.]

प्रेमानन्द दास, निदेशक

MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 4th July, 1997

S.O. 1725.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal No. S.O. 3307 dated the 13th December, 1995, issued under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as said Act), published in the Gazette of India, In Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 23rd December 1995, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 3845.41 acres (approximately) or 1556.216 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule annexed to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of the said land;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the land measuring 1498.185 acres (approximately) or 606.307 hectares approximately) and all Rights in or over such land as described in the Schedule appended hereto;

Note 1 : The plan bearing No. MCL/SAMB/CGM(CP&P)/97/8 dated 5th February, 1997 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Angul (Orissa) or in the office of the Coal Controller, 1 Council House Street, Calcutta, for in the office of the Mahanadi Coalfields Limited (Corporate Planning and Project Department), Anand Vihar, Burla, Sambalpur-768018 (Orissa).

Note 2 : Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the said Act, which provide as follows :—

Objection to acquisition

8(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation

It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in res-

respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government containing his recommendations on the objections together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

- (3) For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act.

Note 3 : The Coal Controller, 1 Council House Street, Calcutta has been appointed by the Central Government as the Competent Authority under the Act vide notification No. S.O. 2015 dated the 10th July, 1995.

SCHEDULE

KANIHA BLOCK

TALCHER COALFIELD (HINGULA AREA)

DISTRICT ANGUL (ORISSA)

ALL RIGHTS

(Plan No. MCL/SAMB/CGM(CP&P)/97/8, dated the 5th February, 1997)

Serial Number	Village	Police Station and No.	Tahsil/Sub-Div.	District	Area in acres	Remarks
1.	Kaniha	Kaniha 60	Talcher	Angul	46.300	Part
2.	Kansmunda	Kaniha 63	Talcher	Angul	196.890	Part
3.	Jaipur	Kaniha 64	Talcher	Angul	7.590	Part
4.	Adaitprasad	Kaniha 65	Talcher	Angul	59.210	Part
5.	Jamaina	Kaniha 66	Talcher	Angul	13.280	Part
6.	Jarada	Kaniha 89	Talcher	Angul	535.970	Part
7.	Telisingha	Kaniha 90	Talcher	Angul	469.165	Part
8.	Patharmunda	Kaniha 91	Talcher	Angul	169.780	Part
Total					1498.185 acres (approximately) or 606.307 Hectares (approximately)	

1. Plot numbers to be acquired in village Kaniha (Part) :—

965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077,

1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1148(P), 1641, 1100/1648, 1100/1652, 1144/1658, 1031/1670, 1031/1671, 1031/1672, 1031/1673, 1041/1678, 1093/1682, 1138/1693, 1009/1703, 1122/1744, 1106/1747, & 964/1777

2. Plot numbers to be acquired in village Kansmunda (Part) :—

1509(P), 1514, 1515, 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1521, 1522, 1523, 1524, 1525, 1526, 1527, 1528, 1529, 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 1536, 1537, 1538, 1539, 1540, 1541, 1542, 1543, 1544, 1545, 1546, 1547, 1548(P), 1551, 1552, 1553, 1554, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560, 1561, 1562, 1563, 1564, 1565, 1566, 1567, 1568, 1569, 1570, 1571, 1572, 1573, 1574, 1575, 1576, 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1589, 1590, 1591, 1592, 1593, 1594, 1595, 1596, 1597, 1598, 1599, 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605, 1606, 1607, 1608, 1609, 1610, 1611, 1612, 1613, 1614, 1615, 1616, 1617, 1618, 1619, 1620, 1621, 1622, 1623, 1624, 1625, 1626, 1627, 1628, 1629, 1630, 1631, 1632, 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638, 1639, 1640, 1641, 1642, 1643, 1644, 1645, 1646, 1647, 1648, 1649, 1650, 1651, 1652, 1653, 1654, 1655, 1656, 1657, 1658, 1659, 1660, 1661, 1662, 1663, 1664, 1665, 1666, 1667, 1668, 1669, 1670, 1671, 1672, 1673, 1674, 1675, 1676, 1677, 1678, 1679, 1680, 1681, 1682, 1683, 1684, 1685, 1686, 1687, 1688, 1689, 1690, 1691, 1692, 1693, 1694, 1695, 1696, 1697, 1698, 1699, 1700, 1701, 1702, 1703, 1704, 1705, 1706, 1707, 1708, 1709, 1710, 1711, 1712, 1713, 1714, 1715, 1716, 1717, 1718, 1719, 1720, 1721, 1722, 1723, 1726, 1737, 1738, 1739, 1740, 1741, 1742, 1743, 1744, 1745, 1751, 1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757, 1760, 1761, 1762, 3962, 3963, 4004, 4005, 4006, 4007, 4008, 4009, 4010, 4011, 4012, 4013, 4017, 4018, 4019, 4020, 4021, 4022, 4023, 4024, 4025, 4026, 4027, 4028, 4029, 4030, 4031, 4032, 4033, 4034, 4035, 4036, 4037, 4038, 4045, 4046, 4047, 4048, 4049, 4050, 4051, 4052, 4053, 4054, 4055, 4056, 4057, 4058, 4059, 5060, 4061, 4062, 4063, 4064, 4065, 4066, 4067, 4068, 4069, 4070, 4071, 4072, 4073, 4074, 4075, 4076, 4077, 4078, 4079, 4080, 4081, 4082, 4083, 4084, 4085, 4086, 4087, 4088, 4089, 4090, 4091, 4092, 4093, 4094, 4095, 4096, 4097, 4098, 4099, 4100, 4101, 4102, 4103, 4104, 4105, 4106, 4107, 4108, 4109, 4110, 4111, 4112, 4113, 4114, 4115, 4116, 4117, 4118, 4119, 4120, 4121, 4122, 4123, 4124, 4125, 4126, 4127, 4128, 4129, 4130, 4131, 4132, 4133, 4134, 4135, 4136, 4137, 4138, 4139, 4140, 4141, 4142, 4143, 4144, 4145, 4146, 4147, 4148, 4149, 4150, 4151, 4152, 4153, 4154, 4155, 4156, 4157, 4158, 4159, 4160, 4161, 4162, 4163, 4164, 4165, 4166, 4167, 4168, 4169, 4170, 4171, 4172, 4173, 4174, 4175, 4176, 4177, 4178, 4179, 4180, 4181, 4182, 4183, 4184, 4185, 4186, 4187, 4188, 4189, 4190, 4191, 4192, 4193, 4194, 4195, 4196, 4197, 4198, 4199, 4200, 4201, 4202, 4203, 4204, 4205, 4206, 4207, 4208, 4209, 4210, 4211, 4212, 4213, 4214, 4215, 4216, 4217, 4218, 4219, 4220, 4221, 4222, 4223, 4224, 4225, 4226, 4227, 4228, 4229, 4230, 4231, 4232, 4233, 4234, 4235, 4236, 4237, 4238, 4239, 4240, 4241, 4242, 4243, 4244, 4245, 4246, 4247, 4248, 4249, 4250, 4251, 4252, 4253, 4254, 4255, 4256, 4257, 4258, 4259, 4260, 4261, 4262, 4263, 4264, 4265, 4266, 4267, 4268, 4269, 4270, 4271, 4272, 4273, 4274, 4275, 4276, 4277, 4278, 4279, 4280, 4281, 4282, 4283, 4284, 4285, 4286, 4287, 4288, 4289, 4290, 4291, 4292, 4293, 4294, 4295, 4296, 4297, 4298, 4299, 4300, 4301, 4302, 4303, 4304, 4305, 4306, 4307, 4308, 4309, 4310, 4311, 4312, 4313, 4314, 4315, 4316, 4317, 4318, 4319, 4320, 4321, 4322, 4323, 4324, 4325, 4326, 4327, 4328, 4329, 4330, 4331, 4332, 4333, 4334, 4335, 4336, 4337, 4338, 4339, 4340, 4341, 4342, 4343, 4344, 4345, 4346, 1532/4351, 1593/4359, 4205/4366, 1755/4368, 1563/4373, 1562/4374, 4076/4381, 4270/4389, 1546/4398, 1688/4400, 4021/4405, 4247/4406, 1735/4412, 1702/4414, 1695/4431, 1695/4432, 1532/4443, 1626/4452, 1627/4453, 4107/4458, 1603/4484, 1679/4485, 1679/4486, 4087/4497, 4067/4516, 4340/4527, 4342/4528, 4346/4529, 4292/4562, 1678/4564, 4288/4567, 1654/4575, 1722/4577, 4249/4583, 1522/4604, 4340/4611, 4337/4613, 4056/4615, 1613/4621, 1603/4631, 1679/4663, 1679/4664, 4069/4665, 4069/4671, 4069/4672, 4067/4678, 4087/4681, 1762/4689, 1762/4690, 1762/4692, 1762/4693, 1762/4694, 1762/4695, 1762/4696, 1762/4697, 1774/4708, 1774/4709, 1631/4710, 4130/4771, 4276/4773, 4276/4774, 4276/4775, 4341/4791, 1683/4796, 1683/4797, 1683/4798, 1709/4827, & 1724/4839.

3. Plot numbers to be acquired in village Jaipur (Part) :—

267, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 279/363, 300/376, 300/377, 300/378, 300/379, 300/380, 300/381, 300/382, 300/383, 300/384, 300/385, 300/386, 300/387, 300/388, 300/389, 270/415, 270/416, 270/417, 270/418, 270/419, 270/420, 270/421, & 270/422.

4. Plot numbers to be acquired in village Adaitprasad (Part) :—165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 388, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 539/580, 526/585, 489/586, 247/591, 574/593, 464/595, 399/602, 237/603, 556/604, 560/606, 351/614, 349/615, 448/616, 565/621, 522/622, 298/623, 301/624, 303/625, 215/626, 498/627, 211/635, 377/636, 405/637, 374/638, 411/639, 228/647, 401/650, 401/656, 320/657, 320/658, 249/659, 249/660, 342/661, 319/662, 177/667, 366/670, 366/671, 366/672, 406/673, 406/674, 349/675, 399/676, & 306/677.

5. Plot numbers to be acquired in Village Jamania (Part) :—1, 25, 26, 27, 28, 29, 39, 40, 41, 42, 43, 48, 49, 50, 51, 57, 59, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 284, 285, 272/485, 230/492, 236/498, 217/505, 321/506, 261/514, 50/518, 50/519, 229/529, 247/534, 253/535, 252/557, 269/574, 269/575, 269/576, 269/577, 269/578, 269/579, 52/591, 267/597, 267/598, 235/609, 230/610, 230/611, 234/612, 234/613, 239/614 & 239/615.

6. Plot numbers to be acquired in village Jarada (Part) :—1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535,

536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 495, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 227, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 843, 840, 841, 842, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 933, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150, 1151, 1152, 1153, 1154, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1186, 1187, 1188, 1189, 1190, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1208, 1209, 1210, 1211, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216, 1217, 1218, 1219, 1220, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1226, 1227, 1228, 1229, 1230, 1231, 1232, 1233, 1234, 1235, 1236, 1236, 1237, 1238, 1239, 1240, 1241, 1242, 1243, 1244, 1245, 1246, 1247, 1248, 1249, 1250, 1251, 1252, 1253, 1254, 1255, 1256, 1257, 1258, 1259, 1260, 1261, 1262, 1263, 1264, 1265, 1266, 1267, 1268, 1269, 1270, 1271, 1272, 1273, 1274, 1275, 1276, 1277, 1278, 1279, 1280, 1281, 1282, 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298, 1299, 1300, 1301, 1302, 1303, 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1309, 1310, 1311, 1312, 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1725, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1344, 1345, 1346, 1347, 1348, 1349, 1350, 1351, 1352, 1353, 1354, 1355, 1356, 1357, 1358, 1359, 1360, 1361, 1362, 1363, 1364, 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370, 1371, 1372, 1373, 1774, 1775, 1776, 1777, 1378, 1379, 1380, 1381, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386, 1387, 1388, 1389, 1390, 1391, 1392, 1393, 1394, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1406, 1407, 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1421, 1422, 1423, 1424, 1425, 1426, 1427, 1428, 1429, 1430, 1431, 1432, 1433, 1434, 1435, 1436, 1437, 1438, 1439, 1440, 1441, 1442, 1443, 1444, 1445, 1446, 1447, 1448, 1449, 1450, 1451, 1452, 1453, 1454, 1455, 1456, 1457, 1458, 1459, 1460, 1461, 1462, 1463, 1464, 1465, 1466, 1467, 1468, 1469, 1470, 1471, 1472, 1473, 1474, 1475, 1476, 1477, 1478, 1479, 1480, 1481, 1482, 1483, 1484, 1485, 1486, 1487, 1488, 1489, 1490, 1491, 1492, 1493, 1494, 1495, 1496, 1497, 1498, 1499, 1500, 1501, 1502, 1503, 1504, 1505, 1506, 1507, 1508, 1509, 1510, 1511, 1512,

1513, 1514, 1515, 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1521, 1522, 1523, 1524, 1525, 1526, 1527, 1528,
 1529, 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 1536, 1537, 1538, 1539, 1540, 1541, 1542, 1543, 1544,
 1545, 1546, 1547, 1548, 1549, 1550, 1551, 1552, 1553, 1554, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560,
 1561, 1562, 1563, 1564, 1565, 1566, 1567, 1568, 1569, 1570, 1571, 1572, 1573, 1574, 1575, 1576,
 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1589, 1590, 1591, 1592,
 1593, 1594, 1595, 1596, 1597, 1598, 1599, 1605, 1606, 1607, 1608, 1609, 1610, 1611, 1612, 1613,
 1614, 1615, 1616, 1617, 1618, 1619, 1620, 1623, 1624, 1625, 1627, 1628, 1629, 1630, 1709(P)
 1710, 1711, 1712, 1713, 1714, 1715, 1716, 1717, 1718, 1719, 1720, 1721, 1722, 1723, 1724, 1725,
 1726, 1727, 1728, 1729, 1730, 1731, 1732, 1733, 1734, 1735, 1736, 1737, 1738, 1739, 1740, 1741,
 1742, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1750, 1751, 1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757,
 1758, 1759, 1760, 1761, 1762, 1763, 1764, 1765, 1766, 1767, 1768, 1769, 1770, 1771, 1772, 1773,
 1774, 1775, 1776, 1777, 1778, 1779, 1780, 1781, 1782, 1783, 1784, 1785, 1786, 1787, 1788, 1789,
 1790, 1791, 1792, 1793, 1794, 1795, 1796, 1797, 1798, 1799, 1800, 1801, 1802, 1803, 1804, 1805,
 1806, 1807, 1808, 1809, 1810, 1811, 1812, 1813, 1814, 1815, 1816, 1817, 1818, 1819, 1820, 1821,
 1822, 1823, 1824, 1825, 1826, 1827, 1828, 1829, 1830, 1831, 1832, 1833, 1834, 1835, 1836, 1837,
 1838, 1839, 1840, 1841, 1842, 1843, 1844, 1845, 1846, 1847, 1848, 1849, 1850, 1851, 1852, 1853,
 1854, 1855, 1856, 1857, 1858, 1859, 1860, 1861, 1862, 1863, 1864, 1865, 1866, 1867, 1868, 1869,
 1870, 1871, 1872, 1873, 1874, 1875, 1876, 1877, 1878, 1879, 1880, 1881, 1882, 1883, 1884, 1885,
 1886, 1887, 1888, 1889, 1890, 1891, 1892, 1893, 1894, 1895, 1896, 1897, 1898, 1899, 1900, 1901,
 1902, 1903, 1904, 1905, 1906, 1907, 1908, 1909, 1910, 1911, 1912, 1913, 1914, 1915, 1916, 1917,
 1918, 1919, 1920, 1921, 1922, 1923, 1924, 1925, 1926, 1927, 1928, 1929, 1930, 1931, 1932, 1933,
 1934, 1935, 1936, 1937, 1938, 1939, 1940, 1941, 1942, 1943, 1944, 1945, 1946, 1947, 1948, 1949,
 1950, 1951, 1952, 1953, 1954, 1955, 1956, 1957, 1958, 1959, 1960, 1961, 1962, 1963, 1964, 1965,
 1966, 1967, 1968, 1969, 1970, 1971, 1972, 1973, 1974, 1975, 1976, 1977, 1978, 1979, 1980, 1981,
 1982, 1983, 1984, 1985, 1986, 1987, 1988, 1989, 1990, 1991, 1992, 1993, 1994, 1995, 1996, 1997,
 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013,
 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029,
 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045,
 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061,
 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077,
 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093,
 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109,
 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125,
 2126, 2127, 2118, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141,
 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157,
 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173,
 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189,
 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205,
 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221,
 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237,
 2238, 2239, 2249, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253,
 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269,
 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285,
 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301,
 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320,
 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338,
 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357,
 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375,
 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394,
 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412,
 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430,
 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448,
 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466,
 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485,
 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503,
 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522,
 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532,

2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551,
 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2466, 2567, 2568, 2569, 2570,
 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 3682, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589,
 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608,
 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625,
 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644,
 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662,
 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678,
 2679, 2680, 2681, 2682, 2683, 2684, 2685, 2686, 2687, 2688, 2689, 2690, 2691, 2692, 2693, 2694,
 2695, 2696, 2697, 2698, 2699, 2700, 2701, 2702, 2703, 2704, 2705, 2706, 2707, 2708, 2709, 2710,
 2711, 2712, 2713, 2714, 2715, 2716, 2717, 2718, 2719, 2720, 2721, 2722, 2723, 2724, 2725, 2726, 2727, 2728,
 2729, 2730, 2731, 2732, 2733, 2734, 2735, 2736, 2737, 2738, 2739, 2740, 2741, 2742, 2743, 2744, 2745, 2746,
 2747, 2748, 2749, 2750, 2751, 2752, 2753, 2754, 2755, 2756, 2757, 2758, 2759, 2760, 2761, 2762, 2763, 2764,
 2765, 2766, 2767, 2768, 2769, 2770, 2771, 2772, 2773, 2774, 2775, 2776, 2777, 2778, 2779, 2780, 2281, 2782,
 2783, 2784, 2785, 2786, 2787, 2788, 2789, 2790, 2791, 2792, 2793, 2794, 2795, 2796, 2796, 2797, 2798, 2799, 2800,
 2801, 2802, 2803, 2804, 2805, 2806, 2807, 2808, 2809, 2810, 2811, 2812, 2813, 2814, 2815, 2816, 2817, 2818, 2819,
 2820, 2821, 2822, 2823, 2824, 2825, 2826, 2827, 2828, 2829, 2830, 2831, 2832, 2833, 2834, 2835, 2836, 2837, 2838,
 2839, 2840, 2841, 2842, 2843, 2844, 2845, 2846, 2847, 2848, 2849, 2850, 2851, 2852, 2853, 2854, 2855, 2856, 2857,
 2858, 2859, 2860, 2861, 2862, 2863, 2864, 2865, 2866, 2867, 2868, 2869, 2870, 2871, 2872, 2873, 2874, 2875, 2876,
 2877, 2878, 2879, 2880, 2881, 2882, 2883, 2884, 2885, 2886, 2887, 2888, 2889, 2890, 2891, 2892, 2893, 2894, 2895,
 2896, 2897, 2898, 2899, 2900, 2901, 2902, 2903, 2904, 2905, 2906, 2907, 2908, 2909, 2910, 2911, 2912, 2913, 2914,
 2915, 2916, 2917, 2918, 2919, 2920, 2921, 2922, 2923, 2924, 2925, 2926, 2927, 2928, 2929, 2930, 2931,
 2932, 2933, 2934, 2935, 2936, 2937, 2938, 2939, 2940, 2941, 2942, 2943, 2944, 2945, 2946, 2947,
 2948, 2949, 2950, 2951, 2852, 2953, 2954, 2955, 2956, 2957, 2958, 2959, 2960, 2961, 2962, 2963,
 2964, 2965, 2966, 2967, 2968, 2969, 2970, 2971, 2972, 2973, 2974, 2975, 2976, 2977, 2978, 2979, 2980, 2981,
 2982, 2983, 2984, 2985, 2986, 2987, 2988, 2989, 2990, 2991, 2992, 2993, 2994, 2995, 2996, 2997, 2998, 2999,
 3000, 3001, 3002, 3003, 3004, 3005, 3006, 3007, 3008, 3009, 3010, 3011, 3012, 3013, 3014, 3015, 3016, 3017,
 3018, 3019, 3020, 3021, 3022, 3023, 3024, 3025, 3026, 3027, 3028, 3029, 3030, 3031, 3032, 3033,
 3034, 3035, 3036, 3037, 3038, 3039, 3040, 3041, 3042, 3043, 3044, 3045, 3046, 3047, 3048, 3048, 3050, 3051,
 3052, 3053, 3054, 3055, 3056, 3057, 3058, 3059, 3060, 3061, 3062, 3063, 3064, 3065, 3066, 3067, 3068, 3069,
 3070, 3071, 3072, 3073, 3074, 3075, 3076, 3077, 3078, 3079, 3080, 3081, 3082, 3083, 3084, 3085, 3086, 3087,
 3088, 3089, 3090, 3091, 3092, 3093, 3094, 3095, 3096, 3097, 3098, 3099, 3100, 3101, 3102, 3103, 3004, 3105,
 3106, 3107, 3108, 3109, 3110, 3111, 3112, 3113, 3114, 3115, 3116, 3117, 3118, 3119, 3120, 3121, 3122,
 3123, 3124, 3225, 3126, 3127, 3128, 3129, 3130, 3131, 3132, 3133, 3134, 3135, 3136, 3137, 3138, 3139,
 3140, 3141, 3142, 3143, 3144, 3145, 3146, 3147, 3148, 3149, 3150, 3151, 3152, 3153, 3154, 3155, 3156, 3157, 3158, 3159,
 3160, 3161, 3162, 3163, 3164, 3165, 3166, 3167, 3168, 3169, 3170, 3171, 3172, 3173, 3174, 3175, 3176, 3177, 3178,
 3179, 3180, 3181, 3182, 3183, 3184, 3185, 3186, 3187, 3188, 3189, 3190, 3191, 3192, 3193, 3194, 3195, 3195, 3197,
 3198, 3199, 3200, 3201, 3202, 3203, 3204, 3205, 3206, 3207, 3208, 3209, 3210, 3211, 3212, 3113, 3214, 3215, 3216,
 3217, 3218, 3219, 3220, 3221, 3222, 3223, 3224, 3225, 3226, 3227, 3228, 3229, 3230, 3231, 3232, 3232, 3234,
 3235, 3236, 3237, 3238, 3239, 3240, 3241, 3242, 3243, 3244, 3245, 3246, 3247, 3248, 3249, 3250, 3251, 3252, 3253,
 3254, 3255, 3256, 3257, 3258, 3259, 3260, 3261, 3262, 3263, 3264, 3265, 3266, 3267, 3268, 3269, 3270, 3271, 3272,
 3273, 3274, 3275, 3276, 3277, 3278, 3279, 3280, 3281, 3282, 3283, 3284, 3285, 3286, 3287, 3288, 3289, 3290,
 3291, 3292, 3293, 3294, 3295, 3296, 3297, 3298, 3299, 3300, 3301, 3302, 3303, 3304, 3308, 3743, 3744, 3745,
 3749, 3750, 3769, 3770, 3771, 3772, 3773, 3776, 634/3806, 2108/3309, 3182/3811, 2898/3812, 434/3815, 440/3819,

1062/3822, 1479/3823, 35/3826, 620/3828, 1221/3830, 2499/3831, 207/3832, 2206/3833, 61/3834, 1342/3835, 51/3837, 181/3838, 1433/3839, 209/3841, 1784/3842, 1434/3843, 2203/3845, 2406/3848, 2271/3851, 91/3852, 2410/3853, 1158/3855, 6/3856, 2041/3857, 382/3859, 3304/3861, 88/3864, 458/3865, 459/3866, 463/3867, 1819/3868, 3074/3870, 179/3872, 593/3873, 1986/3874, 1135/3875, 2244/3876, 2480/3877, 54/3878, 284/3879, 2092/3880, 377/3881, 3069/3882, 356/3883, 31/3884, 31/3885, 31/3886, 31/3887, 31/3888, 30/3889, 92/3890, 111/3891, 111/3892, 111/3893, 89/3894, 246/3895, 339/3896, 1867/3897, 1865/3898, 2420/3899, 6/3900, 2093/3901, 2096/3902, 2031/3903, 2558/3904, 1344/3907, 3744/3909, 2523/3910, 1096/3911, 1780/3912, 2259/3913, 2209/3914, 2084/3915, 1992/3916, 678/3917, 1527/3918, 1527/3919, 476/3921, 138/3923, 139/3924, 2765/3926, 2765/3927, 895/3928, 476/3929, 476/3930, 476/3931, 476/3932, 2088/3933, 2394/3935, 165/3936, 17/3937, 2150/3938, 3002/3939, 1708/3944, 69/3946, 145/3947, 724/3948, 79/3949, 503/3950, 503/3951, 523/3952, 1253/3953, 1287/3954, 1717/3955, 1717/3956, 1717/3957, 1946/3958, 2608/3959, 2608/3960, 2598/3961, 2598/3962, 79/3963, 1895/3964, 1895/3965, 1895/3966, 2482/3967, 3102/3976, 3102/3977, 2496/3978, 2469/3979, 2408/3980, & 2408/3981.

7. Plot numbers to be acquired in village Telisingha (Part) :—1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 320, 321, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 661, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 842, 843, 872, 873, 877, 878, 879, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957,

958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150, 1151, 1152, 1153, 1154, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1186, 1187, 1188, 1189, 1190, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1208, 1209, 1210, 1211, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216, 1217, 1218, 1219, 1220, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1226, 1227, 1228, 1229, 1230, 1231, 1232, 1233, 1234, 1235, 1236, 1237, 1238, 1239, 1240, 1241, 1242, 1243, 1244, 1245, 1246, 1247, 1248, 1249, 1250, 1251, 1252, 1253, 1254, 1255, 1256, 1257, 1258, 1259, 1260, 1261, 1262, 1263, 1264, 1265, 1266, 1267, 1268, 1269, 1270, 1271, 1272, 1273, 1274, 1275, 1276, 1277, 1278, 1279, 1280, 1281, 1282, 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298, 1299, 1300, 1301, 1302, 1303, 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1309, 1310, 1311, 1312, 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1344, 1345, 1346, 1347, 1348, 1349, 1350, 1351, 1352, 1353, 1354, 1355, 1356, 1357, 1358, 1359, 1360, 1361, 1362, 1363, 1364, 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370, 1371, 1372, 1373, 1374, 1375, 1376, 1377, 1378, 1379, 1380, 1381, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386, 1387, 1388, 1389, 1390, 1391, 1392, 1393, 1394, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1406, 1407, 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1421, 1422, 1423, 1424, 1425, 1426, 1427, 1428, 1429, 1430, 1431, 1432, 1433, 1434, 1435, 1436, 1437, 1438, 1439, 1440, 1441, 1442, 1443, 1444, 1445, 1446, 1447, 1448, 1449, 1450, 1451, 1452, 1453, 1454, 1455, 1456, 1457, 1458, 1459, 1460, 1461, 1462, 1463, 1464, 1465, 1466, 1467, 1468, 1469, 1470, 1471, 1472, 1473, 1474, 1475, 1476, 1477, 1478, 1479, 1480, 1481, 1482, 1483, 1484, 1485, 1486, 1487, 1488, 1489, 1490, 1491, 1492, 1493, 1494, 1495, 1496, 1500(P), 1501, 1502, 1503, 1504, 1505, 1506, 1507, 1508, 1509, 1510, 1511, 1512, 1513, 1514, 1515, 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1521, 1522, 1523, 1524, 1525, 1526, 1527, 1528, 1529, 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 1536, 1537, 1538, 1539, 1540, 1541, 1542, 1543, 1544, 1545, 1546, 1547, 1548, 1549, 1550, 1551, 1552, 1553, 1554, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560, 1561, 1562, 1563, 1564, 1565(P), 1566, 1567, 1568, 1569, 1570, 1571, 1572, 1573, 1574, 1575, 1576, 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1589, 1590, 1591, 1592, 1593, 1594, 1595, 1596, 1597, 1598, 1599, 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605, 1606, 1607, 1608, 1609, 1610, 1611, 1612, 1613, 1614, 1615, 1616, 1617, 1618, 1619, 1620, 1621, 1622, 1623, 1624, 1625, 1626, 1627, 1628, 1629, 1630, 1631, 1632, 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638, 1639, 1640, 1641, 1642, 1643, 1644, 1645, 1646, 1647, 1648, 1649, 1650, 1651, 1652, 1653, 1654, 1655, 1656, 1657, 1658, 1659, 1660, 1661, 1662, 1663, 1664, 1665, 1666, 1667, 1668, 1669, 1670, 1671, 1672, 1673, 1674, 1675, 1676, 1677, 1678, 1679, 1680, 1681, 1682, 1683, 1684, 1685, 1686, 1687, 1688, 1689, 1690, 1691, 1692, 1693, 1694, 1695, 1696, 1697, 1698, 1699, 1700, 1701, 1702, 1703, 1704, 1705, 1706, 1707, 1708, 1709, 1710, 1711, 1712, 1713, 1714, 1715, 1716, 1717, 1718, 1719, 1720, 1721, 1722, 1723, 1724, 1725, 1726, 1727, 1728, 1729, 1730, 1731, 1732, 1733, 1734, 1735, 1736, 1737, 1738, 1739, 1740, 1741, 1742, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1750, 1751, 1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757, 1758, 1759, 1760, 1761, 1762, 1763, 1764, 1765, 1766, 1767, 1768, 1769, 1770, 1771, 1772, 1773, 1774, 1775, 1776, 1777, 1778, 1779, 1780, 1781, 1782, 1783, 1784, 1785, 1786, 1787, 1788, 1789, 1790, 1791, 1792, 1793, 1794, 1795, 1796, 1797, 1798, 1799, 1800, 1801, 1802, 1803, 1804, 1805, 1806, 1807, 1808, 1809, 1810, 1811, 1812, 1813, 1814, 1815, 1816, 1817, 1818, 1819, 1820, 1821, 1822, 1823, 1824, 1825, 1826, 1827, 1828, 1829, 1830, 1831, 1832, 1833, 1834, 1835, 1836, 1837, 1838, 1839, 1840, 1841, 1842, 1843, 1844, 1845, 1846, 1847, 1848, 1849, 1850, 1851, 1852, 1853, 1854, 1855, 1856, 1857, 1858, 1859, 1860, 1861, 1862, 1863, 1864, 1865, 1866, 1867, 1868, 1869, 1870, 1871, 1872, 1873, 1874, 1875,

1876, 1877, 1878, 1879, 1880, 1881, 1882, 1883, 1884, 1885, 1886, 1887, 1888, 1889, 1890, 1891, 1892, 1893, 1894, 1895, 1896, 1897, 1898, 1899, 1900, 1901, 1902, 1903, 1904, 1905, 1906, 1907, 1908, 1909, 1910, 1911, 1912, 1913, 1914, 1915, 1916, 1917, 1918, 1919, 1920, 1921, 1922, 1923, 1924, 1925, 1926, 1927, 1928, 1929, 1930, 1931, 1932, 1933, 1934, 1935, 1936, 1937, 1938, 1939, 1940, 1941, 1942, 1943, 1944, 1945, 1946, 1947, 1948, 1949, 1950, 1951, 1952, 1953, 1954, 1955, 1956, 1957, 1958, 1959, 1960, 1961, 1962, 1963, 1964, 1965, 1966, 1967, 1968, 1969, 1970, 1971, 1972, 1973, 1974, 1975, 1976, 1977, 1978, 1979, 1980, 1981, 1982, 1983, 1984, 1985, 1986, 1987, 1988, 1989, 1990, 1991, 1992, 1993, 1994, 1995, 1996, 1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2207, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2255, 2256, 2257(P), 2258, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 1639/2491, 659/2492, 2311/2494 1745/2495, 842/2497, 190/2498, 195/2499, 195/2500, 1315/2501, 1336/2502, 1807/2515, 1414/2516, 1495/2517, 966/2520, 1326/2521, 1568/2523, 755/2524, 435/2525, 14/2526, 1963/2534, 961/2535, 1484/2536, 1487/2538, 1548/2539, 1551/2540, 1339/2541, 1230/2542, 1230/2543, 1230/2544, 45/2548, 45/2549, 45/2550, 45/2551, 45/2552, 746/2553, 45/2554, 45/2555, 319/2556, 45/2557, 45/2558, 119/2559, 45/2560, 268/2561, 1487/2563, 163/2564, 45/2566, 282/2567, 169/2569, 721/2570, 990/2571, 1325/2572, 746/2573, 993/2574, 1643/2575, 758/2577, 1027/2581, 1025/2582, 1025/2583, 1025/2584, 1847/2585, 1847/2586, 982/2587, 982/2588, 1232/2590, 490/2600, 1423/2601, 273/2602, 395/2604, 395/2605, 395/2606, 45/2607, 45/2608, 45/2609, 126/2610, 126/2611, 126/2612, 1448/2613, 1251/2614, 1338/2615, 1338/2616, 1338/2617, 134/2618, 143/2619, 1343/2620, 1343/2621, 1343/2622, 1343/2623, 1343/2624, 1343/2625, 1343/2626, 1873/2627, 2210/2628, 2210/2629, 2210/2630, 2210/2631, 1826/2634, 1826/2635, 1826/2636, 796/2637, 574/2639, 574/2640, 291/2641, 1591/2642, 1591/2643, 1591/2644, 746/2645, 746/2646, 746/2647, 317/2648, 317/2649, 417/2650, 417/2651, 733/2652, 810/2653 & 761/2654.

8. Plot numbers to be acquired in village Patharmunda (Part) :

1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 580, 581, 582, 583, 585, 587, 604(P), 7/3168, 312/3188, 59/3189, 453/3190, 142/3191, 129/3196, 148/3200, 147/3201, 66/3212, 84/3214, 131/3220, 131/3221, 123/3222, 10/3226, 50/3230, 580/3231, 582/3233, 583/3234, 302/3239, 13/3246, 302/3257, 583/3259, 604/3261, 129/3263, 302/3271, 414/3274, 129/3275, 193/3279, 190/3280, 145/3282, 376/3283, 129/3286, 120/3291, 1/3292, 302/3293, 120/3294, 144/3297, 319/3305, 36/3311, 35/3312, 193/3313, 193/3314, 85/3315, 85/3316, 79/3322, 79/3323, 88/3324, 88/3325, 45/3330, 45/3331 & 89/3332.

Boundary Description

A—B Line starts from point "A" the partly common village boundary of village Kaniha & Kansmunda. Then it passes through plot no. 1509 and proceeds along the western boundary of the plot numbers 1515 and 1514 then passes along the partly northern boundary of plot no. 1548 then passes through plot no. 1548 and moves along the

partly western and southern boundary of plot no. 1548. Then it proceeds along western boundary of plot numbers 1552 and 1551, partly northern and partly western boundaries of plot no. 1560, northern boundaries of plot numbers 4697 and 4695 and then northern and western boundary of plot no. 4694. Then it moves along the western boundary of plot numbers 4689, 4690 and 1762, northern boundary of plot no. 4709, northern and western boundary of plot no. 4708, partly northern boundary of plot no. 1759 and passes through plot no. 1759. Then it passes along the northern and partly western boundary of plot nos. 1682 and 1757, northern and western boundary of plot no. 1751, partly western boundary of plot no. 1752, northern and western boundary of plot no. 1745, northern boundary of plot no. 1741, northern and part western boundary of plot no. 1740, northern and western boundary of plot no. 1737, partly western boundary of plot no. 1706, northern and western boundary of plot no. 4412, western boundary of plot no. 1707, partly northern boundary of plot no. 1713, northern and western boundary of plot no. 1726, part northern and western boundary of plot no. 1721, western boundary of plot no. 4577, northern and western boundary of plot no. 4839, partly northern boundary of plot no. 1974 and crosses the plot no. 1974. Then it proceeds along the northern and partly western boundary of plot no. 4060, partly northern boundary of plot no. 3962, eastern, northern and western boundary of plot no. 3963, partly western boundary of plot no. 3962, eastern, northern and western boundary of plot no. 3963, partly western boundary of plot no. 3962, western boundary of plot no. 4615 and western boundary of plot no. 4615 and 4055, northern boundary of plot nos. 4047 and 4046, northern, western and partly southern boundary of plot no. 4015 and partly western boundary of plot no. 4050. Then line moves along the northern and western boundary of plot no. 4038, partly western boundary of plot no. 4036, northern and western boundary of plot nos. 4026 and 4024, then along the western boundary of plot nos. 4017, 4013, 4011, 4010, 4005 and 4004 and meets at point 'B'.

B—B1—C—C1—D Line passes over the partly common village boundary of village Jaipur and Kansmunda and meets at point "B1". Then it passes along the western boundary of plot nos. 415, 417, 270, 419, 422 and 267 of village Jaipur and meets at point 'C'. Then passes over the partly common village boundary of village Jaipur and Adaitprasad up to point C—1. Then it passes along the western boundary of plot numbers 287, 288, 289, 290, 291, 255, 254, 179, 178, 177, 667, 166 and 165 of village Adaitprasad and meets at point 'D'.

D—D1—E Line passes over the common village boundary of Adaitprasad and Malapasi, Adaitprasad and Jamonia and meets at point 'D1'. Then it passes along the western and southern boundary of plot no. 25, southern boundary of plot no. 26, partly western and southern boundary of plot number 27, partly western, southern and partly eastern boundary of plot number 29, southern and partly eastern boundary of plot no. 39 and southern boundary of plot no. 40 and 41. Then line passes along the partly western and southern boundary of plot no. 42 southern boundary of plot no. 43 and 48, southern and partly eastern boundary of plot no. 49,

southern boundary of plot nos. 50, 519, and 518, partly western and southern boundary of plot no. 51, western and southern boundary of plot nos. 591 and 57, southern and eastern boundary of plot no. 59, partly southern boundary of plot no. 359 and then crosses the plot no. 359. Then it passes southern boundary of plot nos. 237, 615, 239 and 614, partly western and southern boundary of plot no. 276, southern boundary of plot numbers 284, 285, 268, 598 and 597, partly western and southern boundary of plot no. 267 and southern boundary of plot nos. 266 and 265 and meets at point 'E'.

E—F Line passes over part common village boundary of village Jamania and Jarada. Then passes through village Jarada along the southern boundary of plot numbers 1572, 1576, 1577, 1587, 1599, 1598, 1605, 1606, 1619, 1620, 1623 and 1624, partly western and southern boundary of plot number 1626, southern boundary of plot no. 1630, partly western and southern boundary of plot number 1510, southern boundary of plot no. 1509, partly western boundary of plot no. 1710 and southern boundary of plot no. 1711. Then it crosses plot no. 1709 and moves along the western boundary of plot nos. 3271, 3272, 3282, 3283, 3302 and 3304, western and southern boundary of plot number 3861, partly southern boundary of plot no. 3303, western and southern boundary of plot no. 3308, southern boundary of plot nos. 3294, 3293 and 3292 and meets at point 'F'.

F—G Line passes along the southern boundary of plot nos. 3242, 3241, 3234, 3233, 3232, 3228, 3216, 3184, 3183, 3181, 3180, 3179, 3177, 3176, 3173, 3172, 3166, 3165, 3162, 3161, 3157, 3156, 3150, 3142 and 3141 and crosses plot no. 3088. Then it moves along the southern boundary of plot nos. 3087, 3074, 3067, 3066, and 3063, southern and eastern boundary of plot no. 3062, southern boundary of plot no. 3053, southern and partly eastern boundary plot no. 3035, southern boundary of plot nos. 3033, 3032 and 3031, southern and eastern boundary of plot no. 3743, eastern boundary of plot no. 3745, partly southern boundary of plot no. 2520, western and southern boundary of plot no. 3749, southern and partly eastern boundary of plot no. 3750. Then it passes along the southern boundary of plot nos. 3769, 3770, 3773 and 3776 and meets at point 'G'.

G—H—I Line passes along the partly common boundary of village Jarada and Telisingha. Then passes through village Telisingha along the southern boundary of plot nos. 1493, 1492, 1491, 2600 and 1490, western and southern boundary of plot nos. 2538, 2563, 1487, 1478, 1479 and 1480 and then passes through plot nos. 1565 and 1530. Then line passes along the southern boundary of plot nos. 1536, 1537 and 1538, partly western, southern and part eastern boundary of plot no. 1562 and then passes through plot no. 1566 and moves along the southern boundary of plot nos. 1569 and 1577. Then line proceeds along the southern and eastern boundary of plot no. 1581, eastern boundary of plot no. 1580, southern boundary of plot nos. 1583, 2271, and 2270, southern and partly eastern boundary of plot

nos. 2269 and 2267 and southern boundary of plot no. 2258. Then it passes through plot no. 2257 and meets at point 'H'. Then it passes along eastern boundary of plot no. 2255, passes through plot no. 2236, eastern boundary of plot nos. 2217, 2216, 2214, 2213, 2212 and 2211, eastern and northern boundary of plot no. 2631, part northern boundary of plot no. 2209, eastern boundary of plot no. 1877, partly southern eastern and partly northern boundary of plot no. 1912, eastern boundary of plot nos. 1913, 1994, 1995, 1996, 2017 and 2010, partly southern boundary of plot no. 942, southern and eastern boundary of plot no. 879 eastern boundary of plot nos. 878, 877, and 873. Then southern boundary of plot nos. 873 and 872, partly western and southern boundary of plot nos. 843 and 842, partly eastern boundary of plot no. 2497, southern boundary of plot nos. 812, 811, 2653. Southern and eastern boundary of plot nos. 810 and 808 and meets at point 'I'.

I—J—K—L—M

Line passes along the part common boundary of village Telisingha and Ambapal, Telisingha and Bijgol and meets at point 'J' which is the trijunction point of village Bijgol, Lodhabandha and Telisingha. Then it passes along the partly northern boundary of plot no. 806 and meets at point 'K'. Then it passes along the eastern boundary of plot no. 722, eastern and partly northern boundary of plot no. 727 and partly southern eastern and northern boundary of plot no. 726 of village Telisingha and meets at point 'L' which is the bijunction point of villages Telisingha and Patharmunda. Then line passes along the partly common village boundary of villages Telisingha and Patharmunda and meets at point 'M'.

M—N—O—P—Q—R Line passes along the western boundary of plot no. 323, 325, 318, 137, 2648, and 2649. Then along the northern boundary of plot no. 3091 and then along partly eastern, northern and western boundary of plot no. 291 and then partly eastern boundary of plot no. 2641 and meets at point 'N'. Line passes along the northern boundary of plot nos. 290, 289 and 280 then along the eastern and northern boundary of plot nos. 279 and then along the part eastern boundary of plot nos. 45 and 2548 and part eastern and northern boundary of plot no. 320. Then along the eastern and northern boundary of plot nos. 2556 and 321 and meets at point 'O' in the common boundary of villages Telisingha and Patharamunda. Then line passes along the partly common village boundary of villages Telisingha and Patharamunda upto point 'P'. Then it passes through village Patharamunda along the eastern northern and northern western boundary of plot no. 3291 and 3294 and meets at point 'Q'. The line passes along common boundary of these villages upto point 'R'.

R—S—T—U

Line passes along the eastern boundary of plot nos. 116, 118, 119 and 106 and partly southern, eastern and northern boundary of plot no. 105, eastern boundary of plot no. 94, eastern and partly northern boundary of plot no. 93 and northern boundary of plot nos. 92, 91, 89, 3332, 3325, 88, 3324, 70, 68, 3213, 65 and

61, partly eastern boundary of plot nos. 136 and 3222, partly eastern boundary of plot no. 136, southern and partly eastern boundary of plot no. 137, southern boundary of plot no. 3196, partly western southern boundary of plot no. 3191, southern boundary of plot no. 3282, western boundary of plot no. 3275 and western and southern boundary of plot nos. 3286 and 3263. Then line proceeds along the western boundary of plot nos. 289, 291, 292, 295, 296, 297, 298 and 299, western and southern eastern boundary of plot no. 301 and meets at point 'S'. Then it passes along the eastern boundary of plot no. 301 and 300. Then southern eastern and northern boundary of plot no. 3257, eastern boundary of plot nos. 288, 287, 286 and 284, southern boundary of plot nos. 272, 271, 270, 3188, and 321, western boundary of plot no. 322, 323, 324 and 325 partly northern boundary of plot no. 326, northern boundary of plot no. 327, northern, western and southern boundary of plot no. 3293, southern boundary of plot no. 3239, southern and eastern boundary of plot no. 334, eastern boundary of plot nos. 336 and 337, southern and eastern boundary of plot no. 240, southern boundary of plot nos. 341, western, southern and eastern boundary of plot no. 3271 and partly southern and eastern boundary of plot no. 355 and meets at point 'T'. Then it crosses plot no. 604 and moves along the part eastern boundary of plot no. 604 and meets at point 'U'.

U—V—W—A

Line passes along partly northern boundary of plot no. 441, then eastern, northern and partly western boundary of plot no. 587, northern boundary of plot nos. 585, 583, 3259, 3234 and 3231, northern and western boundary of plot no. 452, partly northern boundary of plot no. 183, partly eastern boundary of plot no. 181, southern, eastern and northern boundary of plot no. 3190, northern boundary of plot nos. 178, 177 and 176, northern and partly western boundary of plot nos. 175 and 142, northern and eastern boundary of plot no. 3196 and meets at point then 'V', on the common village boundary of village Patharamunda and Kaniha. Then line passes along the northern boundary of plot no. 1641, crosses plot no. 1148 and moves along the northern and partly western boundary of plot no. 1146, northern boundary of plot nos. 1009 and 1008, northern and partly western boundary of plot nos. 1020 and 1021, northern boundary of plot nos. 1026, 1027, 979 and 980, northern and western boundary of plot no. 981, partly northern boundary of plot no. 966, eastern, northern and partly western boundary of plot no. 1777 of village Kaniha and meets at point 'W' on the common village boundary of Kaniha and Kansmunda. Then it passes along the partly common village boundary of village Kaniha and Kansmunda and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/16/95-LSW]

PREMANAND DAS, Director

अम मंशालय

नई दिल्ली, 13 जून, 1997

का. आ. 1726 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स भारत कुकिंग कोल लि. के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 2) धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-6-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20012/280/86-डीIII(ए)/आईआर(सी-I)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 13th June, 1997

S.O. 1726.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 12-6-1997.

[No. L-20012/280/86-D.III (A)/IR (C-I)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri T. Prasad, Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947
Reference No. 86 of 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of 20/21 Pits Murulidih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—None.

On behalf of the employers—None.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 3rd June, 1997

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/280/86-D.III (A), dated, the 19th February, 1987.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of 20/21 Pits Murulidih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. is justified in superannuating Shri Chhatu Gope, Timber Mazdoor w.e.f. 13-1-1986 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The order of reference was received in this Tribunal on 31-3-87. Thereafter notices were served upon the parties. But none of the parties turned up nor took any steps. Then again notices were issued to them on several occasions. But none of them appeared nor took any steps in spite of the issuance of notice to them. It therefore leads me to an inference that there is no dispute existing

between the management and the workman. In the circumstances, I have no other alternative but to pass a 'No dispute' Award in this reference.

T. PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 13 जून, 1997

का.आ. 1727 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स भारत कुकिंग कोल लि. के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं -1) धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-6-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/143/93-आईआर(सी-I)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th June, 1997

S.O. 1727.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 1), Dhanbad, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 11-6-1997.

[No. L-20012/143/93-IR (C-I)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, AT DHANBAD

PRESENT :

Shri T. Prasad, Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947
Reference No. 63 of 1994

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sudamdih Shaft Mine of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workman.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri C. Prasad, Advocate.

On behalf of the employers—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 4th June, 1997

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/143/93-I.R. (Coal-I), dated, the 24th March, 1994.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Sudamdih Shaft Mine under the control of General Manager Sudamdih Area of B.C.L. in dismissing Smt. Mangli Devi wife of late Lakhan Bhuiya from service is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. In this case the work woman Mangli Devi was dismissed from service after domestic enquiry which was considered to be fair and proper vide order dated 18-9-85. Thereafter it was argued on behalf of the workman that in view of the ratio of Ml. Ramzan Khan's case as reported

in 1990 (61 F.L.R. 73 SC) and the case of ECIL Hyderabad Vrs. B. Karunakaran, reported in SCLJ Vol. 1991—93 at page 365, copy of enquiry report was not given to the work lady prior to her dismissal and prejudice was caused to her as she could not get opportunity to explain her case before the management prior to her dismissal. Thereafter the work woman was directed to satisfy this Tribunal as to how she was prejudiced by non-supply of enquiry report to her. It was also submitted that she obtained certified copy of the enquiry report from this Tribunal and no question of supplying of the same by the management does not arise at all. Thereafter I find that the sponsoring union of the work woman have filed a detailed petition dated 22-10-96 copy of which was received by the other side on 6-12-96 showing that she was prejudiced by non-supply of enquiry report. It was pointed out in this petition that in para-2 of the enquiry report it has been mentioned by the Enquiry Officer that it could not be held that she is Lalmani Devi and not Mangli Devi as no evidence is to this effect. It is also mentioned that she was produced as Mangli Devi by the deceased husband Lakhan Bhuiya during the life time for which there is sufficient evidence. It has been further stated that the Enquiry Officer has mentioned in his finding that the charges levelled was not established and he could not find her guilty. But even then the General Manager deferred from the report of the Enquiry Officer on the basis of the complaints of two minor boys who are claimed to be the step children of the said Mangli Devi and stated that she was their step mother, decided to dismiss her without mentioning any cogent and convincing reasons. It is also stated that had the copy of the enquiry report been given to the work woman prior to her dismissal, she would have got opportunity to explain to the management how the evidence of two minor boys could not be relied upon as they were their own children out of the work lady and her deceased husband Lakhan Bhuiya and this opportunity was denied to the work lady by not providing copy of the Enquiry report and in this view of the matter prejudice was certainly caused to her. It is further submitted that the action of the management in dismissing the work lady be held to be unjustified and order should be passed to reinstate her with full back wages and other reliefs.

3. On the other hand it has been pointed out on behalf of the management by filing written argument and has stated that the Hon'ble Supreme Court held in the case of Managing Director, ECIL Hyderabad Vrs. B. Karunakaran, reported in SCLJ Vol. 1991—93 page 365 and has made a distinction that non-supply of copy of the domestic enquiry cannot be taken into consideration in mechanical way. It was held by Their Lordships that in some cases the non-furnishing of the enquiry report may have prejudiced the dismissed workman gravely while in other cases it may have made no difference to the ultimate punishment awarded to him. It is also held by Their Lordships that the theory of reasonable opportunity and the principles of natural justice have been evolved to uphold the rule of law and to assist the individual to vindicate his just rights. They are not incantations to be invoked nor rites to be performed on all and supply occasions. At the same ratio it has also been held in Ramzan Khan's case as submitted on behalf of the management. It is further submitted that in the instant case no prejudice has been caused to the work lady as the enquiry report was not against her and it was open for the management to agree with or defer with the same for having sufficient reasonings. It is also submitted that as per the case of the sponsoring union the work woman had no grievance against the finding of the Enquiry Officer rather she had grievance against the order of dismissal and the sponsoring union has also tried to make out a case against the disciplinary authority and not against the Enquiry Officer. It is also submitted that whether or not the disciplinary authority applied his mind fairly or properly, it is the matter of merit which can be heard at the time of hearing of the case on merit and not on the preliminary issue whether the enquiry has been considered to be fair and proper.

4. After going through the evidence on record and the points raised by the work lady in her petition filed by her sponsoring union that there are circumstances to show that she has been prejudiced for non-supply of the copy of the domestic enquiry and the points raised on behalf of the management, I find much force in the contention of the work lady that had the copy of the report been given

to her, she would have represented her case before the management to show that only the evidence of two minor boys who are their own children stated that she was the step mother, cannot be relied upon at all and admittedly, at the time of death of her deceased husband she was only living wife of her husband and at no point of time she has impersonated herself to be some other person and did not try to cheat the management at all to get employment. But as the copy of the domestic enquiry was not given to her before passing the order of dismissal order she could not get opportunity to explain her case before the higher authority of the management and the matter was not considered by the management in the proper and prospective way and she was arbitrarily dismissed from service for no fault of her.

5. After considering these points, I agree to the contention of the work lady that certainly she has been prejudiced by non-supply of the copy of the report and her dismissal from service by the management cannot be justified in any way.

6. In the result, the dismissal of the concerned work lady from service by the management becomes unreasonable, unjustified and void abinitio and accordingly the management is directed to reinstate her from the date of her dismissal on payment of 30% of full back wages from the date of dismissal till her reinstatement. In case, if the management further intends to proceed with the domestic enquiry, it may do so from the stage of furnishing of copy of the enquiry report and give opportunity to the work lady to file representation against the enquiry report and to consider her case afresh and to pass order in accordance with law and principles of natural justice. This reference is decided in the light of the authority of the Hon'ble Supreme Court of India in the ratio of the above two cases and hence the following Award is rendered :—

"The action of the management of Sudamdih Shaft Mine under the control of General Manager Sudamdih Area of BCCL in dismissing Smt Mangli Devi wife of late Lakhan Bhuiya from service is not justified. Consequently, she is entitled reinstatement with 30% full back wages from the date of her dismissal to the date of her reinstatement."

The management is directed to reinstate her with 30% of full back wages within two months from the date of publication of the Award in the Gazette of India.

7. However, there will be no order as to costs.

T. PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 13 जून 1997

का.आ. 1728 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स बी. सी. सीएल के प्रबन्धन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं-2), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-6-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-24012/229/86-डी-IV/-(बी)/आईआर.
(सी-1)]

ब्रज मोहन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th June, 1997

S.O. 1728.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. BCCL and their workmen which was received by the Central Government on 11-6-1997.

[No. 1-24012/229/86-D-IV (B)/I R(C-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri T. Prasad, Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

Reference No. 197 of 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bhowra (North OCP) Colliery Bhowra Area XI, BCCI and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—None.

On behalf of the employers—None.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 3rd June, 1997

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012/229/86-D.IV (B) dated 3rd July, 1987.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Bhowra (North OCP) Colliery of Bhowra Area No. XI of M/s. B.C.C. Ltd., P.O. Bhowra, Dist. Dhanbad in not regularising Shri Munni Lal Nandan, Mechanic as Automobile Foreman, Gr. B, is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The order of reference was received in this Tribunal on 31-7-87. Thereafter notices were served upon the parties. But none of the parties turned up nor took any steps. Then again notices were issued to the parties but in spite of the issuance of notices to them none of them appeared. It therefore leads me to an inference that there is no dispute existing between the parties and in the circumstances, I have no other alternative but to pass a 'No Dispute' Award in this reference.

T. PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 16 जून, 1997

का.प्र. 1729 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ बड़ोदा के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-6-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/466/86/डीIIए]

मनातन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th June, 1997

S.O. 1729.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bank of Baroda and their workmen, which was received by the Central Government on 13-6-97.

[No. L-12012/466/86-D-II-A]
SANATAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU, MADRAS

Thursday, the 30th day of January, 1997

PRESENT :

Thiru S. Thangaraj, B.Sc., LL.B., Industrial Tribunal.
Industrial Dispute No. 19/1990

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workmen and the Management of Bank of Baroda, Madras).

BETWEEN :

The workman represented by :
The General Secretary,
Bank of Baroda Employees' Union,
31, Moore Street, Madras-600 001.

AND

The Regional Manager,
Bank of Baroda (Regional Office) (TN).
Club House Road/Mount Road,
Madras-600 002.

REFERENCE :

Order No. L-12012/466/86-D-II(A), Ministry of Labour, dated 7-2-90, Govt. of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Friday, the 20th day of December, 1996, upon perusing the claim, counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Tvl. K. Chandru and D. Bharathy, Advocates appearing for the petitioner and of Thiru S. Jayaraman, Advocate appearing for the respondent management, and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

This reference has been made for adjudication of the following issue :—

"Whether the management of Bank of Baroda, in relation to its Regional office (T.N.R.1) Alwarpet, Madras is justified in imposing the penalty of stoppage of two increments with cumulative effect and warning on the workman Sh. M. S. Mourougane, Shroff-cum-clerk, vide Order No. TRM:PD:TN-I: 21/2477, dated 8-10-85 read with Order No. SZ-ZIC 13: dated 11-1-1986? If not, to what relief the workman is entitled?"

Government of India, vide their Order No. L-12012/466/86-D-II(A) Ministry of Labour, dated 7-2-90, referred under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, this dispute to this Tribunal for adjudication of the following issue :—

"Whether the management of Bank of Baroda, in relation to its Regional Office (T.N.R.1) Alwarpet, Madras is justified in imposing penalty of stoppage of two increments with cumulative effect and warning on the workman Sh. M. S. Mourougane, Shroff-cum-Clerk, vide Order No. SZ:TRM:PD:TN-I: 21/2477 dated 8-10-85 with Order No. SZ-ZIC:13 dated 11-1-87. If not, to what relief the workman is entitled?"

2. On service of notices, both petitioner and respondent appeared before this Tribunal and filed their claim and counter statement respectively.

3. The main averments found in the claim statement are as follows.—Shri M. S. Mourougane working as Shroff-cum-Clerk in the respondent Bank of Baroda at the Pondicherry branch is a member of the petitioner-union. For an incident which was alleged to have been taken place on 4-6-84 a complaint was lodged against the workman. The management framed charges against him, conducted enquiry and finally imposed the punishment on the workman. The appeal filed by the workman was also dismissed by

the Appellate authority. The enquiry conducted against the workman was opposed to the principles of natural justice and the workman was not given reasonable opportunity to defend himself. After the chief examination of MW8 Sambasivan, the Enquiry Officer refused to adjourn the proceedings for cross-examination. The Enquiry Officer has also refused to give permission to cross-examine Mr. Padmanabhan, who conducted preliminary enquiry. Therefore, the principle of natural justice has not been followed in the domestic enquiry. In his findings the enquiry officer tried to shift the burden upon the workman to prove his innocence. The management did not establish any motive for the workman to behave strangely on that occasion. The version given in the charge sheet was not proved through the oral evidence let in the enquiry. The Enquiry Officer without considering admissions in favour of the workman has come to the conclusion and so the finding of the Enquiry Officer is perverse. The Disciplinary authority without analysing his mind has passed a final order. The punishment imposed on the workman was grossly disproportionate to the charge. The appellate authority without analysing his mind has rejected the appeal. The order passed by the Appellate Authority is not in accordance with law. During his suspension period, the workman had lost Rs. 13,000 and the punishment imposed on him would cause further loss of Rs. 20,000. The workman being the seniormost person will have to suffer because the prolonged period of suspension would not be counted for seniority. On that ground the workman will have to lose Rs. 300 approximate per month. Therefore, award may be passed setting aside the punishment imposed on the workman M. S. Mourougane.

4. The main averments found in the counter filed by the respondent are as follows.—The workman was employed as Shroff-cum-Clerk of the Pondicherry branch of respondent bank. On 4-6-84 he had applied for leave and had come to the branch for obtaining gift cheque and payment for his withdrawal. While he was sitting in front of the Accountant Mr. P. P. Palaniappan, at about 11.15 a.m. one Chandran Officer-in-charge of the branch came to the Accountant with the three depositors for some clarification. The Accountant asked the Peon to bring three chairs to accommodate the customers. Mr. Chandran put one chair in between his chair and the chair occupied by Mourougane and immediately Mr. Mourougane kicked Mr. Chandran and the lady customers who were standing by the side shouted as to why he kicked Mr. Chandran. Mr. Chandran suffered pain in the knee and he went back to his seat. For the said incident, three charges were framed against the workman and as the explanation given by him was not satisfactory, domestic enquiry was ordered against him. The workman appeared in the domestic enquiry alongwith his representative and 8 witnesses have been examined in the domestic enquiry. The workman had not chosen to examine anybody nor himself. The enquiry was conducted strictly in accordance with the principles of natural justice and the workman had all opportunities to cross-examine witnesses examined on the side of the management. Based on the finding of the enquiry officer, a second show cause notice was issued to the workman before passing the punishment. The workman gave his explanation. After considering the explanation offered by the workman, the final order was passed. The Appellate Authority after considering the entire records, dismissed the appeal filed by the workman. A perusal of the Enquiry proceedings would go to show that the workman was given all opportunities which he availed fully. The petitioner was given opportunity to cross-examine MW8 Sambasivan and he cross-examined the said witness. The allegation that the enquiry officer refused permission to the petitioner to cross-examine Mr. Padmanabhan is not correct. The alleged enmity between the unions had not resulted in the complaint against the workman. For the occurrence which had actually taken place on that day, the enquiry was held against the workman. The enquiry officer had given valid reasons to come to that conclusion. At any rate, it cannot be termed as perverse and there is ample evidence to support the conclusion arrived at by the enquiry officer. The allegation that the disciplinary authority has not analysed his mind and the punishment is grossly disproportionate are without basis. The punishment is not harsh and the same is reasonable. In these circumstances the industrial dispute may be dismissed.

5. Exs. W-1 and W-2 have been marked on the side of the petitioner and Exs. M.1 to M.18 have been marked on the side of the respondent. No witnesses have been examined on both sides.

6. The Point for our consideration is : Where the punishment of stoppage of 2 increments and warning on the workman M. S. Mourougane is justified ?

7. The Point.—Sh. M. S. Mourougane was Shroff-cum-Clerk in the Pondicherry Branch of respondent bank of Baroda. On 4-6-84, at about 11.15 a.m. he was on leave but however has come to the branch and was sitting in front of Th. Palaniappan, Accountant of the branch. Another Officer, of the same branch by name M. Chandran took there depositors to the accountant and he made seating arrangements for the depositors to sit. At that time, when Chandran put a chair in between his chair and the chair in which Mourougane was sitting, Mourougane kicked Chandran. One of the lady customers shouted "why you are kicking him like that". For the said occurrence Chandran gave the complaint Ex. M-1 and the complaint given by incharge of the branch Shri P. L. Palaniappan, is marked as Ex. M.2, Premkumar, another Officer who had seen Chandran catching his knee with pain gave the report Ex. M.3. On the basis of these reports the management issued Ex. M.4 charge against the workman, (i) failing to show proper consideration and courtesy towards the officer and customers, (ii) disorderly behaviour in the premises of the bank (iii) Act subversive of discipline which is an act prejudicial to the interest of the bank. The first act was considered to be a minor misconduct under Clause 19.7(i) of Bipartite Settlement of 1966. The second act is an act of gross misconduct under Clause 19.5 (c) of Bipartite Settlement, 1966 and the third act is a gross misconduct under Clause 19.5(i) of the Bipartite Settlement 1966. The workman received the charge and gave explanation Ex. M.6 saying that the complaint has been engineered against him by certain officials on account of his active participation in the bank of Baroda Employees' Union (AIREA). The workman has also given a counter complaint against Sh. Chandran, officer and alleged that he was victim of assault in the hands of said Chandran. The workman has denied the allegations in the charge and countered the same by saying that was assaulted by Chandran, Officer. The Enquiry proceedings are marked as Ex. M.7 to M.18. It was the main allegation on the side of the workman that he was not given opportunity to cross-examine MW8 Sambasivan. However, the respondent has denied the said allegation and said that sufficient opportunity was given to him to cross-examine MW8. The Enquiry proceedings show that the workman had cross-examined MW8. It was further contended that on the side of the workman that he was not permitted to cross-examine Mr. Padmanabhan who conducted preliminary enquiry. However, Mr. Padmanabhan was not examined as witness on the side of the management and therefore the opportunity to cross-examine him will not arise. A perusal of the enquiry proceedings would go to show that every opportunity was given to the workman to cross-examine all the witnesses examined on the side of the management. The Enquiry proceedings clearly shows that the principle of natural justice have been followed. It was argued on the side of the workman that the findings of the Enquiry Officer was perverse. However, Mr. Chandran Officer who gave the complaint Ex. M.1 has clearly stated that M. S. Mourougane kicked him on his knee in the presence of the Accountant and customers. MW6 Mr Palaniappan has also clearly stated that the workman kicked the officer MW1 and to that effect he has sent Ex. M.2 report. MW2 Palaniammal one of the customers an independent eye witness and who has got no axe to grind against the workman has clearly stated that the workman kicked the officer Chandran in the presence of the Accountants and others. The evidence of MW2 is very cogent and convincing and there is nothing on record either to discredit or disbelieve his evidence. She was subjected to elaborate cross-examination and even then she had clearly stated that she had seen the workman kicking Chandran. MW7 Premkumar another officer of the bank has clearly stated that he heard commotion and seen Mr. Chandran catching his knee in pain. So, there is ample evidence on record to show that the workman Shri M. S. Mourougane had kicked Chandran another officer of the bank during the working hours in the presence of accountant and customers. In Ex. M.15,

finding the enquiry officer has given various reasons to arrive at this conclusion. The main contention of the workman was that on the particular day he was assaulted by In. Chandran, Officer and he did not assault him. Eye witness for the occurrence Mr. Palanikumar and MW6, Palanappan, the Accountant, and acting manager of the branch on that day has clearly stated that it was only the workman who kicked the officer, Chandran. If really In. Chandran, Officer assaulted the workman these witnesses would not have spoken in such manner. Therefore, it is clear that it is only an invention on the part of the workman in order to explain and to put up a defence, he had stated that Chandran assaulted him. The other reason stated by the workman that since he is taking active part in Bank of Baroda Employees' Union (AlBEA) due to union enmity people belonging to other unions have foisted case against him. If it was so, the customer an independent witness MW2 Palaniammal would not have deposed saying that the workman had kicked the officer Chandran. The workman might have kicked Chandran for some reason known to him. But there is no valid reason to say that this charge was foisted against the workman because of trade union rivalry. A perusal of the Enquiry proceedings and also the findings would go to show that the incident was true and the charges are framed for valid reasons.

8. It was argued on the side of the workman that there is no clinging evidence on the side of the management to make out the charge framed against the workman. My attention was drawn to a decision of our Supreme Court in State of Haryana Vs. Kattan Singh (1982 I LLJ P. 46) wherein it has been held;

"It is well settled that in a domestic enquiry the strict and sophisticated rules of evidence under the Indian Evidence Act may not apply. All materials which are logically probative for a prudent mind are permissible. The simple point is, was there some evidence or was there no evidence not in the sense of the technical rules governing regular Court proceedings but in a fair common sense as men of understanding and worldly wisdom will accept."

From the decision of the Supreme Court it is clear that strict and sophisticated rules of evidence under Indian Evidence Act may not be applicable to the domestic enquiry and there must be some evidence which in a fair common sense way as men of understanding and worldly wisdom will accept. There is ample evidence on record to hold that the charges against the workman has been made out.

In Tata Oil Mills Company Limited Vs. Its Workmen (1963 II LLJ P. 78) wherein Apex Court held:

"If it is shown that the employer has held a proper enquiry, the tribunal would not be entitled to consider the propriety or correctness of the conclusions reached by the enquiry at such enquiry. The tribunal will be entitled to consider the said conclusions if they appear to be perverse or if the tribunal is satisfied that the enquiry was unfair, or either the proceedings or the final order passed against the workman amounted to victimisation or adoption of an unfair labour practice."

From these decisions also it is clear if there is proper and fair evidence on the side of the management to make out the charges framed against the workman, the same can be accepted. As already stated there is ample evidence on record to make out the charge against the workman. While considering the punishment awarded to the workman, it was argued on the side of the petitioner-union that the punishment awarded is disproportionate to the charge filed against him. The first charge was for, failing to show proper consideration and courtesy towards officer and customers of the bank. The workman had kicked an officer in the presence of the customers. Therefore, first charge under Clause 19.7(j) of the Bi-partite Settlement, 1966 has been clearly made out and it was only a minor misconduct and therefore a warning was given to the workman by the disciplinary authority. Giving a warning for charge of failure to show proper consideration and courtesy towards the officer and customers cannot be said to be disproportionate. The second charge

was for disorderly behaviour in the premises of the bank, an act of gross misconduct under Clause 19.5(c) of the Bi-partite Settlement, 1966. When the Officer Chandran tried to accommodate the customers, the workman who was sitting in front of MW6 Palanappan for no valid reason kicked the Officer in the presence of many. It is clear that the behaviour of the workman was disorderly in the premises of the bank. When there is clear evidence to make out the charge, the stoppage of one increment cannot be said to be disproportionate or too harsh. The third charge is for an act subversive of discipline which is an act prejudicial to the interest of the bank constituting an act of gross misconduct under Clause 19.5(j) of the Bi-partite Settlement, 1966 and for the said charge, stoppage of one increment had been passed. Though there are two different charges when already punishment was imposed for the same misconduct in charge No. 2 under Clause 19.5(d) of the Bi-partite Settlement, 1966, there need not be one more charge for the same incident. Though the incident can be taken in many ways, for one incident there cannot be two punishments. The punishment imposed vide charge No. 2 will also include charge No. 3. Therefore, the punishment of stoppage of one increment will amply meet the ends of justice.

9. For all these reasons, it has to be held that the punishment of warning for charge No. 1 and the punishment of stoppage of one increment for charge Nos. 2 and 3 are sufficient to meet the ends of justice.

In the result, award is passed confirming the warning issued under charge No. 1 and imposing the punishment of stoppage of one increment for charge Nos. 2 and 3. No costs. Dated, this the 30th day of January, 1997.

S. THANGARAJ, Industrial Tribunal

WITNESSES EXAMINED

For both sides : None.

DOCUMENTS MARKED

For Workman :

Ex. W-1/19-11-85—Appeal filed by the Petitioner-workman (xerox copy).

W-2/11-1-86—Rejection Order (xerox copy).

For Management :

Ex. M-1/4-6-84—Complaint given against the petitioner workman (xerox copy).

M-2/4-6-84—Report of the incharge of the Branch about the incident (copy).

Ex. M-3/4-6-84—Letter from Premkumar, Officer, Bank of Baroda (xerox copy).

M-4/26-10-84—Charge sheet issued against the petitioner workman (xerox copy).

M-54/26-10-84—List of documents shown as Exhibits in the enquiry (copy).

M-6/21-11-84—Reply given by the petitioner-workman to Ex. M.4 (copy).

M-7/23-11-84—Enquiry proceedings (copy).

M-8/10-12-84—do (copy).

M-9/1-2-85—do

M-10/13-2-85—do

M-11/12-3-85—do

M-12/1-4-85—do

M-13/8-4-85—do

M-14/10-6-85—Defence submission in the Enquiry proceedings (copy).

M-15/3-7-85—Findings of the Enquiry (copy).

M-16/17-8-85—Second show cause notice issued to the petitioner-workman (copy).

M-17/16-9-85—Reply by the petitioner-workman to Ex. M. 16 (copy).

M-18/8-10-85—Final Order (Copy).

नई दिल्ली, 16 जून, 1997

का.आ. 1730.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पांडेयन ग्रामा बैंक, सत्तूर के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, तमिल-नाडु, चेन्नई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-6-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12011/59/88-डी I (बी)/आईआर/बी/II/बी I]
पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th June, 1997

S.O. 1730.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Tamil Nadu, Chennai, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Pandyan Grama Bank, Sattur and their workman, which was received by the Central Government on 13-6-1997.

[No. L-12011/59/88-D.I (B)/IR B-II/(B-I)]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU
CHENNAI

Tuesday, the 29th day of April, 1997

PRESENT :

Thiru S. Thangaraj, B.Sc., L.L.B., Industrial Tribunal.
Industrial Dispute No. 11 of 1991

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of Industrial Disputes Act, 1947, between the Workmen and the Management of Pandyan Grama Bank, Sattur).

BETWEEN

The workmen represented by

1. The General Secretary,
Pandyan Grama Bank Employees Association,
Sattur-626203.
2. The General Secretary,
Pandyan Grama Bank Employees Union,
Sattur-626203.

AND

The Chairman.

Pandyan Grama Bank, 135/1, Vembakottai Road,
Sattur-626203.

REFERENCE :

Order No. L-12011/59/88-D.I. (B)/IR (B-II). Ministry of Labour, dated 31-1-1991, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing this day, upon perusing the claim statement and counter statement and all other material papers on record, and the petitioner being absent, this Tribunal made the following

AWARD

This reference has been made for adjudication of the following issue :

Whether the undermentioned demands of the Pandyan Grama Bank Employees Association and Pandyan Grama Bank Employees Union are justified ? If

so, the extent of relief to the workmen may be indicated :

1. Promotion policy of SCMs/Messengers.
2. Promotion to all cadres.
3. Dispensing of field supervisor certificate.
4. Provident fund trust.
5. No medical certificate for leave upto 3 days.
6. Security arrangement to all branches—in view of this supply Generator/Telephone to all branches.
7. New NVN Agents, appointments of NVN Agency Commission.
8. Compensatory leave for work attended on holidays or Sundays.
9. TA/duty relief for defence counsels in the domestic enquiry and representations in Tri partite Conciliations.
10. Officiating allowance to Jr. Clerk-cum-Cashiers.
11. Square up of recent Area Manager/Senior Managers promotion.
12. Enhancing jewel loans rate per gram at the rate of Rs. 200.

Petitioner called absent. Industrial dispute dismissed for default of petitioner.

Dated, this the 29th day of April, 1997.

S. THANGARAJ, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 19 जून, 1997

का.आ. 1731.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूको बैंक के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, भुवनेश्वर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/31/93-आईआर(बी-II)]

—सनातन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1997

S.O. 1731.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of UCO Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 19-6-97.

[No. L-12012/31/93-IR(B-II)]

SANATAN, Desk Officer

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL, ORISSA,
BHUBANESWAR

PRESENT :

Sri M. R. Behera, O.S.J.S. (Sr. Branch),
Presiding Officer, Industrial Tribunal,
Orissa, Bhubaneswar.
Industrial Dispute case No. 24 of 1993 (Central)

Bhubaneswar, the 9th June, 1997

BETWEEN

The Management of Uco Bank,
Abdalpur Branch,
At P.O. Abdalpur, Dist. Cuttack.

—First Party—Management

AND

Their Workman Sri Binod Bihari Sethy,
S/o. Bauli Sethy,
At. Mandhatapatna, P.O. Kapila,
Via. Binjharpur, Dist., Cuttack.

Second Party—Workman

APPEARANCES :

Sri N. K. Mishra, Advocate—For the First
Party—Management.

Sri S. N. Mishra, Advocate—For the Second
Party—Workman.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of powers conferred upon them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), have referred the following dispute for adjudication vide their Order No. L-12012/31/93-IR(B-II), dated 29-7-93 :—

“Whether the action of the Branch Manager, Abdalpur Branch of Uco Bank in refusing employment to Sri Binod Bihari Sethy, Casual workman, is justified ? If not, what relief is the workman entitled to ?”

2. The brief facts outlined in the claim statement of Binod Bihari Sethy succinctly stated :

Binod Bihari Sethy was engaged by the Branch Manager as a casual labourer @Rs. 12 per day in Abdalpur Branch of Uco Bank to fill-in the permanent vacancy of the post of a Sub-Staff. The workman was terminated from his service on 1-12-90 without following the principle envisaged under Section 25-F of the Industrial Disputes Act. The termination of service of the workman amounts to ‘retrenchment’ within the meaning of Section 2(oo) of the Industrial Disputes Act. The workman is entitled to reinstatement in his service, besides back wages.

3. The case presented by the management of Uco Bank, Abdalpur Branch in its written statement shortly stated :

Abdalpur Branch is a Rural Branch, the work load do not instify engagement of a second sub-staff. The claimant-workman being the nephew

of the Branch Manager (N. C. Sethy) was appointed as a second sub-staff, not in a permanent vacancy of sub-staff, from 8-11-89 without the approval of the competent authority.

The appointment of the second sub-staff is against the principles outlined by the first-party-management, since after several discussions between the Unions and the Bank Management at the National level by settlement dated 12-10-89 it was agreed that those sub-staffs who have passed Class-VIII and are within the age-group of 18 to 26 years and have completed 240 days of the work day preceding three years from the day of settlement, will be considered to be empanelled for the post of sub-staff and for that purpose the said persons are required to make applications on or before 30-11-89. All the branches of Uco Bank had been communicated with the aforesaid principles to be observed hereafter vide Circular No. CHO/PAS/16/89, dated 19-10-89, besides Circular No. 2M/PAD/GR/1/90 dated 12-1-90. Further, specific instructions were issued to all the branches of Uco Bank not to engage any person on daily wage basis.

The then Branch Manager Sri N. C. Sethy informed the Divisional Manager (P&A), Uco Bank, Cuttack on 24-8-89 to permit him to appoint Sri B. B. Sethy (the claimant-workman) on daily wage basis and appointed said Binod Bihari Sethy as a casual daily wagger sub-staff on 8-11-89. The Divisional Manager, Uco Bank, Cuttack disapproved the engagement of a second daily wagger by his letter dated 20-11-89. In his letter dated 26-12-89 the Branch Manager put-forward that a second sub-staff be allowed to be retained for four days in a week. The Divisional Manager, Uco Bank, Cuttack did not approve such proposal. At last the workman was dis-engaged from 1-12-90.

Sri N. C. Sethy, Branch Manager has suffered disciplinary proceeding for having given unauthorised appointment to his nephew Binod Bihari Sethy.

4. On these rival pleadings, the following issues have been framed :

ISSUES

- (1) If the refusal of employment to Sri Binod Bihari Sethy, casual workman amounts to termination within the scope of Section 2(oo) of the I.D. Act ?
- (2) If the termination of service of Binod Bihari Sethy amounts to retrenchment ?
- (3) To what relief, if any, the workman is entitled ?

5. Both the witnesses examined on behalf of the management emphatically deposed that during 3-11-89, N. C. Sethy was the Branch Manager, Abdalpur Branch, Binod Bihari Sethy was the

nephew of N. C. Sethy. N. C. Sethy favoured Binod Behari Sethy by giving the appointment in the post of sub-staff, even though the authorities did not approve the appointment, thus given to Binod Bihari Sethy. The giving of appointment by doing favour to someone is a matter outside the scope of adjudication of this Tribunal. But however, it is certain that Binod Bihari Sethy had been appointed as a sub-staff by the Manager, Abdalpur Branch from 8-11-89 to 1-12-90 subject to approval by the Divisional Manager, UCO Bank. The Divisional Manager, Uco Bank has not at all approved the appointment of Binod Bihari Sethy. M.W. Nos. 1 and 2 and W.W. No. 1 have said that Binod Bihari Sethy was appointed on 8-11-89 and was disengaged on 1-12-90 and has rendered a period of 273 days before his disengagement on 1-12-90.

The workman Binod Bihari Sethy has testified that while he was appointed he had not been sponsored by any Employment Exchange, or that, he had submitted any application to be appointed as a Peon in that Branch. In his claim statement, Binod Bihari Sethy said that in the vacant post of a sub-staff he had been appointed, but in his cross-examination he has said, by the time he joined as a Peon in Abdalpur Branch, Nityananda Nayak was continuing as a sub-staff in that branch. Add to it, Exts. 1 and 3, letters from Manager, Abdalpur Branch do not say that Binod Bihari Sethy was appointed in any vacant post. Also, there is absolute dearthness of evidence that Binod Bihari Sethy was appointed in any vacant post, therefore, it can be said that the assertion of Binod Bihari Sethy that he was appointed in a vacant post is tainted with falsehood.

6. The testimony of M.W. Nos. 1 and 2 read with Exts. 4, 5, 6 and 7 go to show the origin of the settlement dated 12-10-89 entered into between the management of UCO Bank and its three Employees' Union highlighting that persons who are of Class-VIIIth standard, besides within the age group of 18 to 26 years and that, who have been engaged as casual worker for full day's work and who have been discharging any of the normal duties in the Bank in the subordinate cadre as casual workers for a period of 240 days or more with or without interruption during the period of three years immediately preceding this settlement, will be empanelled as sub-staff from which stock gradually appointment to the Bank service will be made.

On a plain construction of this settlement, persons appointed as sub-staff after 12-10-89 can not be empanelled in any circumstance, and that persons not fulfilling the criteria can not be appointed to the post of sub-staff after the settlement dated

12-10-89. In the case at hand, Binod Bihari Sethy has been appointed on 8-11-89 subject to approval by the Divisional Manager, UCO Bank as evidenced by Exts. 1 and 3. The settlement being a sanctified document between the management and the Unions, the appointment of Binod Bihari Sethy on 8-11-89 can not confer any right to the post held by Binod Bihari Sethy. Add to it, the Divisional Manager, UCO Bank has not approved the appointment of Binod Bihari Sethy as is evidenced by Exts. 2 and 8. In the circumstance, the appointment of Binod Bihari Sethy not being an approved one, further, could not have conferred any right to the post of sub-staff, which Binod Bihari Sethy had held for a brief period.

7. The appointment of Binod Bihari Sethy not having concurred or approved by the Divisional Manager, UCO Bank the provisional appointment made by the Manager, UCO Bank, Abdalpur Branch is a termination simpliciter within the meaning of sub-section (bb) of Section 2(oo) of the Industrial Disputes Act. In the case at hand, the appointment of Binod Bihari Sethy was not renewed by the competent authority i.e., the Divisional Manager, UCO Bank. In the circumstance, the termination simpliciter can not be said to be a 'retrenchment' to attract Section 25-F of the Industrial Disputes Act.

8. In the net, this Tribunal is of the view that the refusal of employment to Binod Bihari Sethy, casual workman has no consequential effect, the refusal of employment to Binod Bihari Sethy is justified. The workman Binod Bihari Sethy is not entitled to any relief.

The reference is answered and the Award is passed accordingly.

M. R. BEHERA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 जून, 1997

का.प्र. 1732:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन बैंक के प्रबन्धन के संघर्ष नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/268/92-आईआर(बी-II)]
सनातन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1997

S.O. 1732.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 19-6-1997.

[No. I-12012/268/92-IR (B-II)]
SANATAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU
MADRAS

Tuesday, the 4th day of February, 1997

PRESENT :

Thiru S. Thangaraj, B.Sc., L.L.B., Industrial Tribunal.
Industrial Disputes No. 109 of 1992

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, between the Workmen and the Management of Indian Bank, Madras)

BETWEEN

The Workman represented by :

The General Secretary,
Indian Bank Employees Association,
115, Angappan Street,
1st Floor, Madras-600001.

AND

The General Manager,
Indian Bank,
Rajaji Salai,
Madras-600001.

REFERENCE :

Order No. L-12012/268/92-IR (B-II), Ministry of Labour, dated 11-12-92, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Tuesday, the 31st day of December, 1996, upon perusing the claim, counter and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Tvl. K. Chandru and D. Bharathy, Advocates appearing for the petitioner and of Tvl. Aiyar and Dolia, Advocates appearing for the respondent, and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

Government of India, vide their Order No. L-12012/268/92-IR (B II), Ministry of Labour, dated 11-12-92, have referred this dispute to this Tribunal for adjudication of the following issue :

"Whether the action of the management of Indian Bank in imposing punishment of stoppage of one increment with cumulative effect on Smt. Vasanthi Bharath is justified? If not, to what relief is the workman entitled to?"

2. On service of notices both the petitioner and respondent appeared before this Tribunal and filed their claim and counter statement respectively.

3. The main averments found in the claim statement are as follows :

Mrs. Vasanthi Bharath is a member of the petitioner-union and was working in the Central Office of the Indian Bank at the Estate Department. A memo was issued to her stating that on 28-6-88 she did not do the work assigned and that she did not inform the officer in charge before leaving the office, that on 27-8-88 she did not perform the work assigned to her, that on 19-8-1988 she made the customers to wait and that on 26-8-88 once again she made the customer to wait. She gave her explanation and thereafter charges were framed against her, and departmental enquiry was initiated. The workman participated in the enquiry. On the basis of the findings given by the Enquiry Officer, a second show cause notice was issued to her and on obtaining her explanation, the final order was passed with the punishment of stoppage of one increment without cumulative effect. The appeal filed by the workman was also dismissed by the Appellate Authority. The enquiry conducted against petitioner was illegal and opposed to the principles of natural justice. Findings of enquiry officer are perverse and not supported by material on record.

The reasons stated by the workman in her summing up dated 19-4-90 was not at all considered by the disciplinary authority and the appellate authority. The workman has been unjustly punished. Therefore, the punishment imposed on the workman may be set aside and award may be passed for sanctioning the increment withheld from 15-9-90 with monetary benefits.

4. The main averment found in the counter filed by the respondent are as follows :

The punishment awarded to the petitioner was stoppage of one increment without cumulative effect. However, the reference says it was with cumulative effect and that unless the reference is suitably modified, the Tribunal cannot take up the matter. Charge has been framed against the respondent on seven grounds for acts of misconducts. The acts of misconducts were :

- (i) wilful insubordination or disobedience of lawful and reasonable order of the management or of a Superior a gross misconduct as per 19.5 (c) of the Bipartite Settlement ;
- (ii) Absence without leave ;
- (iii) Neglect of work, Negligence in performing duty
- (iv) Failure to show proper consideration, courtesy or attention towards Officers, customers, or others employees of the bank, a minor misconduct as per 19.7 (a)(c) and (j) of the Bipartite Settlement 1966.

The workman participated in the enquiry and she had all opportunities to cross-examine the witnesses examined on the side of the management and also to examine five witnesses including her on her side. Finally, the disciplinary authority awarded the punishment of stoppage of one increment falling due on 15-11-90 without cumulative effect. Appeal preferred by the workman was also dismissed by the Appellate authority. The enquiry officer has taken into consideration of evidences and he has come to the conclusion on the basis of materials available. Therefore, the findings of the Enquiry officer cannot be termed as perverse. Both the disciplinary authority as well as the appellate authority had taken into consideration all the various points raised by her in the appeal. The punishment awarded to her is neither harsh nor excessive. Hence award may be passed dismissing the industrial dispute.

5. Exs. W-1 to W-5 have been marked on the side of the respondent. Exs. M-1 to M-10 have been marked on the side of the management. No witnesses have been examined on both sides.

6. The only point for our consideration is : Whether the punishment of stoppage of one increment falling due on 15-11-90 without cumulative effect is just and proper ?

7. The Point : The workman Mrs. Vasanthi Bharath was working as a typist in the Central Office in the Estate Department, of the Indian Bank. A Charge memo was issued to her under Ex. M.1 making 7 grounds of misconducts quoting the provisions in the Bipartite Settlement, dated 19-10-1966. Ex. M.2 is the Enquiry proceedings. Five witnesses have been examined on the side of the management and workman was given a person of her choice to defend her in the enquiry. One Sh. V. Ramanan of Pondicherry branch was her defence representative

in the enquiry. The enquiry proceedings marked as Ex. M.2 runs to 108 pages. A perusal of the enquiry proceedings goes to show that apart from the defence representative of her choice the workman had all opportunities to defend her case in the enquiry. While going through the evidence of various witnesses it was found that the defence representative has tried his level best to see that the case of the workman did not suffer in the enquiry. Against the five witnesses examined on the side of the management, five witnesses have been examined on the side of the workman. The workman examined herself as DW1 and four more persons have also been examined. DW2 Anandan has stated that she was obedient and dutiful. DW3 Jaganathan who was the union leader has stated that the workman has been very often complained to the Union leaders that as single typist she has to work under four officers and everyone of them want to finish their work earlier to others and thereby she has to incur the displeasure of officials. Further he added that she was over worked and the management has not posted any more typist in that section. DW4 Vijayakumar the committee member of the union has almost corroborated the evidence of DW-3. DW-5 Officer working in the bank did not say anything in favour of the workman. However, a perusal of the reference would go to show that the workman had every reasonable opportunity to put forth her defence. Even at the beginning the defence representative wanted to know the classification of charges and the clauses of the Bipartite Settlement which attracts the said alleged misconduct. It was explained to them that charge No. 1, 3 and 4 relates to Clause 19.5(e) of the Bipartite Settlement, 1966 and charge Nos. 5 and 7 relate to clause 19.7(c), charge No. 6 relates to clause 19.7(i) and charge No. 2 relates to clause 19.5(e) and 19.5(i) of the Bipartite Settlement, 1966. So, a clear idea regarding the charges have been given to the workman. The workman also admitted that she had understood the charges. Therefore the Enquiry Officer has followed the principles of natural justice and the workman had availed of all the opportunities. Therefore the enquiry proceedings are in order.

8. It was argued on the side of the workman that the findings of the Enquiry Officer is perverse. The findings of the Enquiry Officer is marked as Ex. M-5. The Enquiry Officer has stated the nature of the charges and also the witnesses examined in respect of each charge. Regarding charge No. 1, MW-1 Margasagayam, Chief Officer (Expenditure Cell) has clearly stated the reports received against the workman from the Estate Department Officers that she was reading newspapers and magazines during hours and not attending to the office work that she used to leave office earlier than the clearing hours without obtaining prior permission from the competent authority that when the Estate Department Officials asked her to prepare cheques for payment of bills and asked her to prepare her cheques in connection with parties of Alwarpet branch premises she never attended to that job. He has enumerated the various complaints received against the workman from the officials of the bank. MW-2 Singaravelu, Civil Engineer, Estate Department has stated that she left office at 4.48 p.m. on 26-8-88 without informing the officer concerned or the Chief Officer. To prove that D exhibit 16 was marked through him. MW-3 S. Sridharan, Officer, Estate Department has clearly stated the various misconducts for which the workman was charged. He has also stated various incidents in respect of the charges framed against the workman. His evidence is very cogent and convincing. There is nothing on record to discredit, the evidence of MW-3, an officer under whose control the workman was working as a typist. MW-4 Subramanian Deputy Chief Officer of bank has stated that the petitioner did not obey the orders of the officials and had stated the incidents. MW-5, Dwarkanathan, Maintenance Engineer has stated the occasion on which payment of bills and typing of letters have been delayed by the workman. So, the various witnesses examined on the side of the management have uniformly stated the reasons to substantiate the charges framed against her.

9. Among the 7 charges framed against the workman, the Enquiry officer held in his findings Ex. M-5 that charge nos. 3, 4, 7 are proved. Charge Numbers 1, 2, 5 are partially proved and charge no. 6 not proved. In charge number 1, Enquiry Officer held that the workman has failed to take out the accounts on 28-6-1988 and thereafter. The other part of the charge that she used to sit idle in her seat reading magazines and newspapers was held to be not proved. Regarding the said charge, MW3 has deposed in a cogent and convincing manner, and the findings of the Enquiry Officer cannot be said to be perverse.

10. Charge Number 2 was for leaving office at 4.48 p.m. on 28-8-1988 and leaving office earlier without informing officer incharge. However, the enquiry officer held that the first part of the charge that on 28-8-1988 at 4.48 p.m. she left the office has been proved. MW3 who was one of the Officers of the said section has clearly stated that on 28-8-1988 she left the office early at 4.48 p.m. without attending to work. It was alleged on the side of the workman that MW3 expected that the work given by him should be completed prior to other works given by other Officers and as the work was leaves the workman was unable to cope up with the work and thereby MW3 was biased against the workman. However, the evidence of MW3 cannot be taken as a biased one. He has clearly stated the difficulties experienced in the office due to the failure on the part of the workman to attend to the work entrusted to her in time. Further, he has also stated that on 26-8-1988 she left office at 4.48 p.m. without obtaining prior permission. That apart the evidence stands acceptable. Therefore, the findings of the enquiry officer that part of charge no. 2 has been proved can also be accepted.

11. Charge No. 3 was for that on 27-8-1988 at 10 a.m. when she was orally instructed to prepare voucher|cheque relating to payment to M/s. Electro-Technic she did not carry out the work till 11.20 a.m. MW3 had deposed about the said fact also. So, the findings of the Enquiry Officer can be accepted.

12. Charge no. 4 was for that on 27-7-1988 at 11.20 a.m. workman failed to prepare the voucher relating to the payment of M/s. Electro Technic, despite oral instructions. This charge also goes along with charge Nos. 2 and 3. MW3 has cogently stated that she failed to prepare the voucher relating to the payment of M/s. Electrotechnic on 27-8-1988. Therefore, the findings of the Enquiry officer cannot be said to be perverse as far as charge no. 4 is concerned.

13. Charge no. 5 consists of two parts and charge 5(a) says that on 19-8-1988 when she was asked to write five cheques in the morning itself in respect of Alwarpet Property Registration, she wrote the cheques only at 3.15 p.m. and that it caused inconvenience to people who went to Sub-Registrar's Office for the purpose of registration. MW3 has spoken about this charge. MW5 has stated that on number of occasions payment of bills and typing of letters have been delay-

He has not stated anything specifically about the said incident, covered under charge no. 5(a). However, the Enquiry Officer found the workman has neglected the work or had shown negligence in performing duties. Charge no. 5 relates to 19.7(c) of the Bipartite Settlement 1966. The misconduct committed by the workman amounts to neglect of work or negligence in performing duty. Therefore, the findings of the enquiry officer can be accepted. Charge No. 8 was for the failure on the part of the workman to submit her explanation to the letter dated 29-8-1988 which was issued calling for her explanation. The Enquiry Officer has not given any reason to hold that the charge has been proved. It was also not shown the evidence available on record to prove charge No. 7. Since the Enquiry officer has given his finding without any reason, the finding cannot be accepted. Therefore, it has to be held that charge No. 7 also is not proved.

14. As DW1, the workman has stated that she had to work under the control of four officers and every one demanded that she should give preference to the work allotted by them. As the work load was very heavy she was unable to copeup with the work and therefore, those officials had bias against her and on account of that the disciplinary action has been initiated against her. DW2 Anandan has stated that she was obedient and attending to her work regularly. However, he speaks about the general conduct of work and he has not shown any specific reasons to show that any one of the specific charges framed against her will not lie. DW3 Jaganathan and DW4 Vijayakumar are union leaders and they stated that on number of occasions the workman reported to them that the officials are giving her more work and harass her. However, they are counter allegations of general nature and such contention will not lead us to the inference that the specific charges framed against the workman are false. DW5 Srinivasan has not stated anything specifically and there is nothing in his evidence which will go in favour of the workman. So, from the evidence adduced on the side of the workman, it can be said that due to heavy work there was unavoidable delay in finishing the work. However, the specific allegations spoken to by officials cannot be thrown out on the ground that they are biased. In these circumstances, it can be said, charge Nos. 3 and 4 are proved and charge Nos. 1, 2 and 5 are partially proved and charge No. 7 is not proved. The Enquiry Officer has already held that charge No. 6 was not proved.

15. The workman was awarded punishment of stoppage of one increment falling due on 15-11-1990 without cumulative effect. However, the reference reads "with cumulative effect." It was argued on the side of the management as there were no punishment awarded "with cumulative effect" and so the reference is bad in law. Instead of saying "without" the reference reads "with". The failure to add word "out" in "without" may be due to many reasons and the same will not make the reference invalid. Though charge No. 7 has not been proved, considering the punishment imposed on the workman even by leaving charge No. 7 the punishment cannot be said to be excessive 1614 GI/97—8.

or severe in respect of the charge already proved against her. There is no valid reason to interfere with the punishment awarded to the workman. Therefore, the industrial dispute has to be dismissed.

In the result, award is passed dismissing the claim of the petitioner. No costs.

Dated, this the 4th day of February, 1997.

S. THANGARAJ, Industrial Tribunal
WITNESSES EXAMINED

zzFor both sides : None.

DOCUMENTS MARKED

For the workman.

- Ex. W-1/1-10-90 : Letter from respondent to workman (xerox copy).
- Ex. W-2/12-11-90 : Letter from workman to respondent (xerox copy).
- Ex. W-3/12-3-91 : Letter from Petitioner union to conciliation officer (xerox copy).
- Ex. W-4/14-5-91 : Notice from conciliation officer to parties (xerox copy).
- Ex. W-5/10-5-92 : Reply from respondent to Conciliation officer (xerox copy).

For Management :

- Ex. M-1/17-11-88 : Charge sheet issued to the workman (xerox copy).
- Ex. M-2/12-7-89 : Enquiry proceedings (xerox copy).
- Ex. M-3/31-12-89 : Summing up by Presenting Officer (xerox copy).
- Ex. M-4/14-4-90 : Summing up (xerox copy).
- Ex. M-5/6-6-90 : Findings of the Enquiry Officer (xerox copy).
- Ex. M-6/3-7-90 : Second show cause notice issued by Respondent (xerox copy).
- Ex. M-7/23-8-90 : Explanation given by petitioner-workman (xerox copy).
- Ex. M-8/1-10-90 : Final order issued by respondent (xerox copy).
- Ex. M-9/12-11-90 : Appeal preferred by petitioner-workman (xerox copy).
- Ex. M-10/27-11-90 : Order passed by the Appellate Authority (xerox copy).

नई दिल्ली, 19 जून, 1997

का आ. 1733.--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन ओवरसीज बैंक के प्रबन्धन के संबंध निर्योजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12012/353/91-आर्षार(बी-II)]
सदानन्द, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1997

S.O. 1733.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Indian Overseas Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 17-6-1997.

[No. L-12012/353/91-IR(B-II)]

SANATAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU MADRAS

Thursday, the 13th day of February, 1997

PRESENT :

Thiru S. Thangaraj, B.Sc., L.L.B., Industrial Tribunal.

INDUSTRIAL DISPUTE No. 14 of 1992

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workmen and the Management of Indian Overseas Bank, Madras-2).

BETWEEN

The workmen represented by :

The General Secretary,
All India Overseas Bank Employees' Union,
P.B. No. 5231, 763, Anna Salai,
Madras—600002.

AND

The General Manager,
Indian Overseas Bank,
Central Office,
762, Anna Salai,
Madras—600002.

REFERENCE :

Order No. L-12012/353/91-IR(B.II), Ministry of Labour, dated 24-2-1992, Govt. of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Thursday, the 5th day of December, 1996, upon perusing the claim, counter statements and all other material papers on record, and upon hearing the arguments of Tvl. K. Chandru and D. Bharathy, Advocates appearing for the petitioner and of Tvl. N.G.R. Prasad, S. Vaidyanathan and R. Kamatchisundaran, Advocates appearing for the respondent-management, and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

Government of India, vide their Order No. L-12012/353/91-IR(B.II), Ministry of Labour, dated -2-1992, have referred this dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication of the following issue :

“Whether the termination of Shri S. Sivasankaran by the management of Indian Overseas Bank is justified ? If not to what relief he is entitled to ?”

2. On service of notices, both the petitioner and the respondent appeared before this Tribunal and filed their claim and counter statement respectively.

3. The main averments in the claim statement are as follows :

The workman Shri S. Sivasankaran, a member of the petitioner union was working as Shroff-cum-Godown keeper in the regional office of the respondent bank. The workman was charged that he had paid Rs. 40,000 against cash voucher purported to have been prepared to the debit of DD payable A/c. without verifying whether that voucher has been entered in the scroll. The workman explained it by saying that it was signed by the officer and the Accountant and he had no suspicion of their signatures and they tallied with the signatures of the officers concerned and he had made the payment. Even before the workman could give the explanation the respondent bank appointed the Enquiry Officer. In the enquiry nine witnesses have been examined on the side of the management and 84 documents have been filed. Enquiry officer gave a finding stating that the workman was guilty of the charges. Basing on the findings, the management gave a second show cause notice and in his explanation dated 16-11-1987 the workman refuted each and everyone of the charges. The disciplinary authority without proper appreciation of the materials on record and had passed an order of dismissal against the workman. Against the said order, the workman preferred an appeal to the Asst. General Manager. The Appellate Authority dismissed the appeal concurring with the disciplinary authority. The evidence of MW8 that the workman had prepared the voucher for Rs. 40,000 cannot be accepted. None of the employees of the bank who might have got acquainted with the handwriting of the workmen were examined to prove his handwriting. There is no proof that Token No. 108 was in the custody of MW6 Ravisankaran. There is also no written proof that MW6 has been entrusted with Token No. 108. There is no register to show the token issued on 3-6-1982. It was alleged that one Vijayan a temporary messenger had noticed the workman had gone to the DD section, was not examined in the enquiry. There is no proof that the workman had paid Rs. 40,000 to one Antony against token no. 108 after business hours even though the debit voucher did not contain the scroll number of the Officer and the signature found therein was not that of the passing officer. The evidence shows that the workman had paid a sum of Rs. 40,000 against Token No. 108 tendered by a person across the cash counter and he had signed as Antony which tallied with the signature found on the reverse of the voucher. The payment of instrument without the scroll number has been the practice in the branch. There is no authority to obtain the address of the payee on the backside of the voucher. The evidence MW-1 has not been properly considered by the Enquiry officer. There has been failure at various levels and the responsibility was collective and the individual cannot be furnished for the failure at the various levels. On 3-6-82 the workman was working in the Savings Bank Account Department and he was asked to attend to cash department work only for one hour, without sufficient material, the Enquiry Officer has come to the con-

department work only for one hour, without sufficient material, the Enquiry Officer has come to the conclusion and the same is perverse. For the aforesaid reasons, award may be passed setting aside the order of dismissal against the workman, and to reinstate the workman with full back wages, continuity of service and other attendant benefits.

4. The main averments found in the country filed by the respondent are as follows :

As the explanation given by the workman was not found satisfactory, an enquiry was conducted by the Disciplinary authority. In the enquiry, all reasonable opportunities were given to the workman and he was defended by the President of the recognised union. At the end of the enquiry, the Enquiry Officer found the workman guilty of the charges. The Disciplinary authority as well as Appellate authority have considered the various points raised by the workman and therefore passed the respective orders. As per the opinion of the expert the handwriting on the debit voucher for Rs. 40,000 as well as the handwriting "Antony" on the reverse were found to be that of the workman. The opinion was properly introduced by the Enquiry officer in the enquiry. ME2 had found out the similarities in the signature and that of the hand writing of the workman and the same was corroborated by the opinion of the handwriting expert. MW6 has clearly stated that Token No. 106 to 110 were in his custody and some one had removed token no. 108 from his table when he went for lunch at about 2.00 p.m. on 3-6-1982. The workman had received the amount vide Token No. 108 in the name of one 'Antony' a fictitious person and misappropriated the same. The non-examination of Vijayan will not go against the case of the management. The evidence of MW6 clearly proves the missing of T No. 108 between 2.00 and 2.30 p.m. on that day. The workman had presented the demand draft as if draft was received for payment and he prepared the voucher thereafter. The workman having worked for long number of years, the procedure and he cannot plead ignorance of the same. The workman had contended that he was not conversant with the signature of the various officials but however, without inquiring into genuineness of the voucher, he had effected payment. The particulars of the payee is insisted upon when the amount is large to enable the bank to trace the person in case of need. The paid voucher does not have scroll number of the voucher. The loss of Rs. 40,000 had been caused by the conduct of the workman and not because of the lacunae in the system. There is provision in the Bipartite Settlement to proceed departmentally whenever the C.B.I. decided not to prosecute. The workman has created false records to misappropriate bank's money. The findings of the Enquiry officer is based on oral and documentary evidence available on record and the charges are proved. The punishment awarded to the workman was proportionate to the gravity of the charges framed and proved against the workman. The proved charges show moral turpitude on the part of the workman. Since the workman had misappropriated a sum of Rs. 40,000 on the ground that he had paid the money under a demand

draft to one "Antony" who was non existant, bank has lost confidence in him. It will be detrimental to the interest of the bank to reinstate the workman. In these circumstances, there are no merits in the claim petition and the same may be dismissed.

6. Exs. M-1 to M-102 have been marked on the side of the management. No document has been marked on the side of the petitioner. No witnesses were examined on both sides.

7. The Point for our consideration is : Whether the termination of Shri S. Sivasankaran by the management of Indian Overseas Bank is justified ? If not, to what relief he is entitled to ?

8. The Point : The workman by name Sivasankaran was working as Cashier in one of the cash counters of the esplanade branch of the respondent Indian Overseas Bank. He was charged that on 3-6-1982, he prepared a debit cash voucher of Rs. 40,000 said to be the proceeds of a demand draft no. 695463 dated 28-5-1982 purported to have been issued by Salem branch of the Indian Overseas Bank, and paid Rs. 40,000 to one Mr. Antony against Token No. 108, that he had prepared in his own handwriting the debit cash voucher for Rs. 40,000 that he had removed token no. 108, that he had prepared in his own handwriting the debit cash voucher for Rs. 40,000 that he had removed token no. 108 which was in the custody of one Mr. Ravisankaran of demand drafts payable section that he paid cash of Rs. 40,000 immediately after business hours. Even though the cash voucher did not contain the scroll number of the passing officer and the signatures appearing thereon are not the signatures of the Passing Officials that he had failed to obtain the address of the payee Mr. Antony on the reverse of the voucher in as much as the amount was large. To the said misconduct he has charged under para 17.5(d) and para 17.5(j).

17.5(d) : Willful damage or attempt to cause damage to the property of the bank or any office customers;

17.5(j) : Doing any act prejudicial to the interests of the bank, or gross negligence or negligence involving or likely to involve the bank in serious loss;

The charge sheet issued to the workman is marked as Ex. M-1, and his reply Ex. M-2 workman has denied all the allegations levelled against him in the said charge. Not satisfied with the explanation offered by the workman the management ordered domestic enquiry against him. The Enquiry proceedings are marked as Ex. M-3 to M-28. List of witnesses and list of documentary evidence for the management have been given to the workman well in advance and they are marked as Ex. M-3. A perusal of the Enquiry proceedings would go to show that Enquiry Officer had given all necessary opportunities to the workman following the principles of natural justice. In fact the validity of the Enquiry proceedings has not been challenged by the workman before this Tribunal and the matter was argued by attacking the report of the Enquiry Officer, and also under Section 11-A challenging the punishment imposed on the workman. However, as already stated the workman had every opportunity to defend himself in the enquiry. After the

completion of the evidence the workman had submitted a summing up of Ex. M-29 raising various contentions. The findings of the Enquiry Officer is marked as Ex. M-30.

9. It was argued on the side of the workman that the findings of the Enquiry Officer is perverse and the Enquiry Officer has not weighed the evidence in proper perspective and therefore the findings should not be accepted.

10. It was argued on the side of the workman that the findings of the enquiry officer marked as Ex. M-13 is perverse. The main charge against the workman was that on 3-6-1982 he prepared the debit voucher for Rs. 40,000 vide demand draft no. 695463 dated 28-5-1982 purported to have been issued by Salem branch of respondent bank; that he paid the cash of Rs. 40,000 to one Antony; that he has removed the token no. 108 from the custody of Thiru V. Ravisanakar, that at the time of payment of amount the debit cash voucher did not contain the scroll number and that he failed to obtain the address of Mr. Antony on the reverse of the voucher as much as the amount. The management has examined nine witnesses on its side and marked 84 exhibits. MW2 Thiru Natarajan Accountant of the bank has clearly stated that he had not signed the debit cash voucher. M.W.3 Thiru Iyasamy has also clearly stated that he has also not signed the debit voucher. M.W. 4 Purushothaman, Telephone Operator has stated that he found the workman writing something on the date of incident in the cabin. MW5 Chief Cashier has clearly stated that on 3-6-1982 the workman had received Rs. 40,000 for disbursement from him. MW6 Thiru Ravisankaran has stated that token no. 108 was removed without his knowledge. M.W.7 the Officer has clearly stated that the voucher has been passed without his knowledge. MW2 Thiru Sundarajan and M.W.9 Thiru Chidambaram have spoken about the investigation and the report submitted by them. M.W.8 Thiru Jaganathan, the Inspector of Police, C.B.I. Madras who investigated the matter and obtained the handwriting expert's opinion has clearly spoken about the investigation done by him. Apart from that 84 documents marked on the side of the management stand to prove the charges framed against the workman. A careful perusal of the findings Ex. M-30 clearly shows that the enquiry officer has taken pains to discuss the evidence available on record and also came to the fair and proper conclusion. There is no valid reason to call the findings of the enquiry officer as perverse. Though it has been contended on the side of the management that the findings of the enquiry officer is perverse and the same was not substantiated by them by assigning reasons. In *Cominco Binant Zinc Ltd., K. N. Mohanan* (1993 Lab. I.C. 1298) the Kerala High Court held that a finding can be said to be perverse in case is not supported by any legal evidence. If a finding arrived at by the enquiry officer is such that no reasonable person could have arrived at that finding on the materials before it. MW-1 has clearly stated that he was the Accountant at the relevant period and he has not signed the debit voucher. Ex. M.37. shows the signature of MW3 Thiru Iyasamy. His admitted signatures containing bunch of leave applications and other applications submitted by him marked as Ex.

M.63 have been sent for verification. Alongwith the signatures found in Ex. M.37 debit voucher. The opinion of the handwriting expert is marked as Ex. M-77 wherein the expert has clearly stated that the signature found in Ex. M37 is not that of Thiru Iyasamy. So it is clear that the signature of Thiru Iyasamy has been forged. The opinion of the handwriting expert corroborates the evidence of MW3. The debit cash voucher for Rs. 40,000 marked as Ex. M.37 has been prepared by the workman and it has been proved through the opinion of the handwriting expert also. It was argued on the side of the petitioner that the handwriting expert was not examined and MW8 the Inspector, C.B.I. was not a competent witness to prove the hand writing expert's opinion and the documents kept therewith. The non examination of handwriting expert would not bring any doubt regarding the opinion offered by the expert. MW8 during investigation gathered various documents containing the admitted hand writings and signatures of MW3 Shri Iyasamy the workman and others and had sent the same for the opinion of the expert. The opinion has been given by the Government examiner of questioned documents, Government of India, Hyderabad. So, it is an authenticated document. MW8 who had sent the document for comparison of the signature and opinion is a competent witness to speak about the fact of sending the documents and also getting the expert's opinion. Ex. M.77 is the opinion given by the competent department of the Government of India whose authenticity cannot be questioned. Unlike a criminal trial if there is sufficient evidence to admit the documents the same need not be proved beyond all reasonable doubt. A fair and proper appreciation of the documents Ex. M-77 shows that the same can be accepted. Hence the argument of the workman that the expert was not examined cannot be accepted.

11. M.W.4 the telephone operator Thiru Purushothaman has seen the workman on the date of incident writing something in his cabin. Though he had not exactly seen what the workman had written, the other piece of evidence connects the workman with the charges framed against him. M.W.6 Thiru Ravisankar under whose custody the token no. 108 was kept had clearly stated that he had not issued the token no. 108. It was argued on the side of the workman that the custody of token no. 108 by MW6 Ravisankar has not been proved. However, M.W.-6 has clearly stated that he had kept three counter token nos. 108, 109 and 110. It is clear that the workman had removed the counter token no. 108 and filled up the same to draw the sum of Rs. 40,000 MW.5 the Chief Cashier has clearly identified that on 3-6-1982 the workman had received the sum of Rs. 40,000 from him for disbursement. MW7 Thiru Mani an Officer at DD Payable section on 3-6-1982 had clearly stated that the concerned voucher Ex. M.37 has been passed without his knowledge and further this scroll number was also not found on the voucher. MW.1. Thiru Natarajan has clearly stated that he received the voucher by assigning scroll No. and that when he asked MW7 Mani to produce the original draft for verification since he had not seen such voucher earlier. Thiru Mani replied that he did not have say draft

for that amount and further stated that he had closed the transaction on that day. So even without the scroll number the amount has been paid hurriedly by the workman. The workman has admitted payment of amount by him. While perusing the evidence available on record it is clear that the charges framed against the workman have been proved and there is nothing on record on any valid ground to call the report of the enquiry officer as perverse. It was contended on the side of the workman that the non-examination of the temporary messenger Thiru Vijayan was suicidal to the case of the respondent bank. However when there is ample evidence on record and so many officials who had no axe to grind against the workman have deposed clearly as to what had happened on that day. The non-examination of a temporary messenger cannot go against the case of the management.

12. It was argued on the side of the workman that it was the practice of the said branch to pay the amount without scroll number. However it is clear from the evidence of the witnesses examined that such a practice was not there and the amount found in the debit voucher was heavy amount of Rs. 40,000 and the payment could not have been made without the scroll number. Further MW7 has clearly stated that he had not passed the voucher. MW1 Thiru Natarajan, the officer has also clearly stated that he had not given scroll number. So, the contention of the petitioner that the voucher have been paid even without scroll number cannot be accepted. MW5 Chief Cashier has clearly stated that the workman had received the cash of Rs. 40,000 from him. Therefore when there is clear evidence to show that the workman had received Rs. 40,000 from the Chief Cashier the other argument need not be considered.

13. It was argued on the side of the petitioner that no one could be able to show any authority that the address of the payee should be obtained on the back side of the debit voucher. Since the amount was heavy and since the said Mr. Antony was not known to the workman, he should have obtained the address of Antony, in order to safeguard the interest of the bank. The workman had not done so. There is no evidence to show that really a person by name Antony came on that day to the bank and that he had received the amount of Rs. 40,000 from the workman. The D.D. No. 695463 dated 28-5-1982 drawn on Salem Bank was not issued by the said bank. Ex. M.39 letter received from the Indian Overseas Bank, Salem clearly shows that they have not issued any draft for Rs. 40,000 during the period from 1-4-1982 to 3-6-1982. So, the said D.D. alleged to have been issued by the Salem branch of the Indian Overseas Bank is also not a document really issued by the said branch. Ex. M. 40 to 61 show that the various D.Ds payable voucher contained all the particulars and signed by the competent officers but whereas the DDs payable vouchers in question Ex. M. 37 does not contain the necessary particulars. Therefore, it is clear that the DD, Debit voucher and the person to whom the amount alleged to have been paid were all fictitious. The workman had handled the entire affairs and he had not denied the same. It was contended on the side of the workman that the signatures of officers those who signed were not given to him for verification before making payment of the amount.

The workman was working in the branch for many years and there was every reason to believe that the workman had known the signatures of the officers those who pass the debit vouchers. The workman cannot contend that without knowing the signatures he has been making payments so far. If he was a sincere employee of the bank he would have verified the signatures and other particulars before making payment. As already stated when the entire transaction was suspicious in character the contention of the workman cannot be accepted.

14. It was contended on the side of the workman that in para 18 of the claim statement it is stated that there is a failure at various levels and the responsibility is collective and the individual cannot be punished for the failure at various levels. Such a contention on the part of petitioner clearly shows that the workman was also responsible. However, there is no evidence on record to show that except the workman any others have involved in the affair. It is clear from the various documents filed on the side of the management that MW8 has taken every step to find out the truth. He has pointed out the admitted signatures of the workman in his leave letter, LTC declaration and vouchers marked as Ex. M. 68 to M. 75. At this juncture it was argued on the side of the workman that no person who was acquainted with the signature of the workman was examined in the enquiry. The leave letter and LTC declaration are documents which the workman had written in his own handwriting. The workman has not denied these documents. Therefore there need not be any separate witness to speak about the fact that those documents contain the signature of the workman. As already stated in a domestic enquiry the documents and other particulars need not be proved to be guilt. Sufficient evidence to substantiate the charge will be enough, to prove the guilt of the delinquent. The admitted handwritings of the workman and other handwritings of MWs 5, 6 and others have been sent. Only after verifying these signatures the expert has given his opinion Ex. M.77. Further the voucher had not gone to MW1 before making payment. MW 5 has clearly stated that he paid the cash of Rs. 40,000 to the workman. Therefore the contention of the workman that he was made a scapegoat cannot be accepted.

15. The various contentions raised by the petitioner are all untenable. There is sufficient evidence on record to prove the charges framed against the workman. The reason that the workman failed to obtain the address of the payee on the reverse of the voucher is not so serious because generally such things are not done. However in the special circumstances inasmuch as the amount was large he ought to have obtained the address. Even leaving the aspect of the charge and other aspects of the said charge marked as M.1 are grave in nature which will equally form as a moral turpitude against the workman. The main charge against the workman was under para 17(5)(d) for willful damage to the property of the bank or any of its customers and 17(5)(j) for doing any act prejudicial to the interest of the bank or gross negligence. It is a clear case for the charge under para 17(5)(i) of the bipartite settlement. When there is sufficient evidence to prove the charge of misconduct and also by considering the seriousness of the charges

the punishment of dismissal passed against the workman cannot be said to be disproportionate or too serious. Therefore, while considering the proved charges, the punishment of dismissal is quite reasonable and the same can be accepted. For all the foregoing reasons the I.D. has to be dismissed.

In the result award passed dismissing the I.D. No costs.

Dated, this the 13th day of February, 1997.

S. THANGARAJ, Industrial Tribunal.

WITNESSES EXAMINED

For both sides : None.

DOCUMENTS MARKED

For Petitioner/workman : Nil.

For Management :

Ex. M. 1/17-6-83 : Charge sheet issued to the petitioner-workman (copy).

Ex. M-2/10-8-83 : Reply by the petitioner-workman to Ex. 1(copy).

M-3/16-12-83 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-4/9-1-84 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-5/31-3-84 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-6/8-5-84 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-7/13-8-84 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-8/20-9-84 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-9/21-9-84 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-10/22-1-85 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-11/23-1-85 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-12/28-1-85 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-13/30-1-85 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-14/14-5-85 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-15/8-11-85 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M16/21-11-85 : Enquiry proceedings (copy).

Ex. M-17/7-1-86 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-18/9-1-86 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-19/4-3-86 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-20/5-3-86 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-21/14-5-86 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-22/16-5-86 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-23/28-10-86 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-24/10-4-87 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-25/13-4-87 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-26/16-4-87 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-27/10-6-87 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-28/11-6-87 : Enquiry Proceedings (copy).

Ex. M-29-14-8-87 : Summing up of the Proceedings (copy).

Ex. M-30/ : Findings of the Enquiry officer (copy).

Ex. M-31/29-9-87 : Show cause notice issued to the petitioner-workman (xerox copy).

Ex. M-32/15-11-87 : Reply the petitioner's representative to Ex. M-31 (xerox copy).

Ex. M-33/24-11-87 : Proceedings of the Disciplinary authority (xerox copy).

Ex. M-34/14-12-87 : Dismissal order (xerox copy).

Ex. M-35/30-1-88 : Appeal preferred by the petitioner-workman (xerox copy).

Ex. M-36/10-6-88 : Order of the Appellate authority (xerox copy).

Ex. M-37/3-6-82 : Debt DD's payable voucher for Rs. 40,000 (xerox copy).

Ex. M-38/3-6-83 : Payment counter cash book (xerox copy).

Ex. M-39/4-3-83 : Letter from Salem Main branch regarding non-issuance of DD for Rs. 40,000 (xerox copy).

Ex. M-40/27-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 1,000 (xerox copy).

Ex. M-41/2-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 360 (xerox copy).

Ex. M-42/2-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 1,000 (xerox copy).

Ex. M-43/3-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 20,000 (xerox copy).

Ex. M-44/3-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 2,500 (xerox copy).

Ex. M-45/5-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 50 (xerox copy).

Ex. M-46/5-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 30,000 (xerox copy).

Ex. M-47/5-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 10,375 (xerox copy).

Ex. M-48/6-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 2,500 (xerox copy).

Ex. M-49/12-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 4,800 (xerox copy).

Ex. M-50/16-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 1,000 (xerox copy).

Ex. M-51/17-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 300 (xerox copy).

Ex. M-52/6-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 125 (xerox copy).

Ex. M-53/6-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 4,000 (xerox copy).

Ex. M-54/8-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 1,600 (xerox copy).

Ex. M-55/12-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 3,000 (xerox copy).

Ex. M-56/16-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 5,000 (xerox copy).

Ex. M-57/17-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 4,000 (xerox copy).

Ex. M-58/19-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 2,500 (xerox copy).

- Ex. M-59/19-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 55 (xerox copy).
- Ex. M-60/19-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 16,000 (xerox copy).
- Ex. M-61/7-4-82 : DD's payable voucher for Rs. 750 (xerox copy).
- Ex. M-62/5-6-82 : Investigation report of Sh. P. Sundarraj (xerox copy).
- Ex. M-63 : Admitted handwriting of Shri Ayyasamy (xerox copy).
- Ex. M-64/3-6-82 : Photocopy of chief cashier's note book (folios 58 to 61).
- Ex. M-65/4-9-82 : FIR registered by Sh. S. Jaganathan.
- Ex. M-66/8-9-83 : Para 5(a) settlement between IBA and NCBE & AIBEA (xerox copy).
- Ex. M-67/6-4-82 : Paying counter cash book from 6-4-82 to 4-6-82 (xerox copy).
- Ex. M-68/22-7-82 : Leave letter of CSE (xerox copy).
- Ex. M-69/ : LTC declaration of CSE (xerox copy).
- Ex. M-70/3-2-82 : Dr. Vouchers bearing SCE's handwriting (xerox copy).
- Ex. M-71/3-2-82 : Dr. Vouchers bearing SCE's handwriting (xerox copy).
- Ex. M-72/11-2-82 : Dr. Vouchers bearing SCE's handwriting (xerox copy).
- Ex. M-73/11-2-82 : Dr. Vouchers bearing SCE's handwriting (xerox copy).
- Ex. M-74/12-2-82 : Dr. Vouchers bearing SCE's handwriting (xerox copy).
- Ex. M-75/12-2-82 : Dr. Vouchers bearing SCE's handwriting (xerox copy).
- Ex. M-76/2-3-83 : Letter from Office of the Government examiner of questioned documents, Hyderabad (xerox copy).
- Ex. M-77/28-2-83 : GEQD Opinion (xerox copy).
- Ex. M-78/3-6-82 : Photo copy of Cash note book (xerox copy).
- Ex. M-79 : Admitted handwriting of S. Mani (xerox copy).
- Ex. M-80 : Admitted handwriting of S. Harishankar (xerox copy).
- Ex. M-81 : Admitted handwriting of M. Kalai-vanan (xerox copy).
- Ex. M-82/ : Admitted handwriting of R. Tulasi-das (xerox copy).
- Ex. M-81 : Admitted handwriting of R. Venkataraman (xerox copy).
- Ex. M-84 : Admitted handwriting of S. Mani (xerox copy).
- Ex. M-85 : Admitted handwriting of A. J. Lakshmanan (xerox copy).
- Ex. M-86 : Admitted handwriting of O. D. Sekar (xerox copy).
- Ex. M-87 : Admitted handwriting of G. Kannappan (xerox copy).
- Ex. M-88 : Admitted handwriting of V. Mohan Kondal Rao (xerox copy).
- Ex. M-89 : Admitted handwriting of Ravishankar (xerox copy).
- Ex. M-90 : Admitted handwriting of D. Parthasarathy (xerox copy).
- Ex. M-91 : Admitted handwriting of S. Sivasankaram (xerox copy).
- Ex. M-92/21-9-82 : Statement of A. J. Lakshmanan (xerox copy).
- Ex. M-93. 11-4-83 : Statement of S. Natarajan (xerox copy).
- Ex. M-94/27-12-82 : Statement of S. Ayyaswamy (xerox copy).
- Ex. M-95/21-9-82 : Statement of P. Sundarraj (xerox copy).
- Ex. M-96/1-3-83 : Statement of S. Mani (xerox copy).
- Ex. M-97/27-12-82 : Statement of V. Ravishankar (xerox copy).
- Ex. M-98/27-12-82 : Statement of D. Parthasarathy (xerox copy).
- Ex. M-99/1-3-83 : Statement of D. Purushothaman (xerox copy).
- Ex. M-100/27-12-82 : Statement of R. Rajagopalan (xerox copy).
- Ex. M-101/7-12-82 : Statement of S. Natarajan (xerox copy).
- Ex. M-102/14-12-66 : Para 17.3 of Bipartite settlement (xerox copy).

नई दिल्ली, 19 जून, 1997

का.ग्रा. 1734 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण जोधपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19-6-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/50/91-आईआर(बी-II)]

सनातन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1997

S.O. 1734.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Jodhpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the

management of Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 19-6-1997.

[No. L-12012/50/91-IR (B-II)]
SANATAN, Desk Officer

अनुबन्ध

औद्योगिक विवाद अधिकरण एवं श्रम न्यायालय,

जोधपुर

औद्योगिक विवाद (केन्द्रीय) सं. :—6/1991

जगदीश प्रसाद आसोपा जरिये महासचिव राजस्थान बैंक,
एम्पलाईज यूनियन पर्वना भवन, माधोबाग, जोधपुर।

... प्रार्थी

बनाम

रीजनल मैनेजर, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, संसार चन्द्र रोड़,
जयपुर।

... अप्रार्थी

उपस्थिति :—

- (1) प्रार्थी की तरफ से श्री विजय मेहता प्रतिनिधि उप
- (2) अप्रार्थी की तरफ से कोई उपस्थित नहीं।

अधिनिर्णय

दिनांक 13-5-1997

डैस्क अधिकारी श्रम मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
ने अपनी अधिसूचना क्रमांक एल० 12012/50/94 आई०
आर०बी०/केन्द्रीय दिनांक 27-6-91 के द्वारा निम्न विवाद
वास्ते अधिनिर्णय इस न्यायालय को प्रेषित किया है :—

“Whether the management of Central Bank of India is justified in refusing to allow extra-ordinary leave to Sh. J. P. Asopa, Cashier in Basni, Jodhpur branch of Central Bank of India for the period he remained sick, 26th April, 1986 onwards, on health grounds and count the period of his absense from duty for earning increments is just and legal? If not, to what relief is the workman entitled to?”

2. उक्त रेफरेन्स प्राप्त होने पर दिनांक 24-12-91 को दर्ज रजिस्टर किया जाकर पक्षकारों को जरिये नोटिस तलब किया गया है। प्रार्थी ने अपना मांग-पत्र प्रस्तुत किया। प्रकरण में दिनांक 4-7-1996 को श्रमिक के शपथ-पत्र पेश करने हेतु 23-9-1996 तारीख पेशी नियत की गई लेकिन दिनांक 23-9-96 व उसके पश्चात् नियत तारीख पेशी 20-11-96, 13-1-97, 27-2-97, 17-4-97 व आज दिनांक 9-5-1997 को श्रमिक की तरफ से कोई शपथ-पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है। इस तरह श्रमिक की तरफ से पर्याप्त अवसर विये जाने के बावजूब भी मांग सूची के समर्थन में शपथ-पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है तथा श्रमिक के प्रतिनिधि ने आज श्रमिक

की तरफ से हिदायत पौरबी नहीं होना जाहिर किया है व श्रमिक स्वयं आज उपस्थित नहीं है। उक्त तथ्यों एवं परिस्थितियों से यही जाहिर होता है कि श्रमिक इस विवाद को आगे चलाने में रुचि नहीं रखता तथा श्रमिक व अप्रार्थी नियोजक के मध्य अब कोई विवाद शेष नहीं रहा है। अतः समस्त तथ्यों एवं परिस्थितियों को देखते हुए इस प्रकरण में “नो डिस्पयुट एवार्ड” पारित किया जाना उचित व न्यायसंगत प्रतीत होता है।

3. परिणामस्वरूप इस प्रकरण में कोई विवाद नहीं अधिनियम (नो डिस्पयुट एवार्ड) पारित किया जाता है।

4. इस अधिनिर्णय को वास्ते सूचना एवं प्रकाशनार्थ भारत सरकार के श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली को भेजा जावे।

5. यह अधिनिर्णय आज दिनांक 09-5-1997 को खुले न्यायालय में हस्ताक्षर कर सुनाया गया।

महेन्द्र कुमार जैन न्यायाधीश

नई दिल्ली, 19 जून, 1997

का०आ० 1735.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार मै० बी० सी० सी० एल० के प्रबंधतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं० 1) धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-6-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20012/30/97-आई आर (सी-I)]

के. वी. बी. उन्नी, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th June, 1997

S.O. 1735.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 1), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. B.C.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on 17-6-1997.

[No. L-20012/30/97-IR(C-1)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1,
DHANBAD

In the matter of a reference under Section
10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes
Act, 1947

Reference No. 4 of 1994

PARTIES :

Employers in relation to the management
of Nichitpur Colliery of M/s. B.C.C.
Ltd.

AND

Their Workmen

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad,
Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri B. Joshi. Ad-
vocate.

For the Workmen : Shri D. Mukherjee,
Secretary, Bihar Colliery Kamgar
Union.

State : Bihar. Industry : Coal.

Dated, the 3rd June, 1997.

AWARD

By Order No. L-20012/301/92-I.R. (Coal-I)
dated 7-1-1994 the Central Government in the
Ministry of Labour has, in exercise of the
powers conferred by clause (d) of sub-sec. (1)
and sub-section (2A) of Section 10 of the In-
dustrial Dispute Act, 1947, referred the follow-
ing dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management
of Pramuk Traders, Nichitpur Hard
Coke Bhatta, P.O. Bansjora, Dist.
Dhanbad in stopping Smt. Kajali
Bilaspuri and S/Shri Haleem Ansari
Chhotu Roy, Salaudin Khan, Shivji
Pathak, Ramji Singh, Ismail Ansari
and Shri Ilias Khan from work
w.e.f. 28-7-92 is justified? If not, to
what relief the workmen are entitl-
ed?"

2. During the course of hearing of the re-
ference it is agreed by both the parties that the
Hard Coke Bhatta run by private owner does
not come under the definition of mines and
hence the Central Government is not the appro-
priate Government.

3. In view of the above, the reference is
not maintainable.

4. Hence, I render a 'no dispute' award in the
present industrial dispute.

TARKESHWAR PRASAD, Presiding Officer

